# राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ

(मानित विश्वविद्यालय)

तिरुपति – 517507 (आं.प्र.)

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा 2015 में

'ए' श्रेणी, 4 बिंदु के स्केल पर 3.71 की सी.जी.पी.ए. के साथ मान्यता प्राप्त एवं

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा 'पारंपरिक शास्त्र अध्ययन' हेतु

उत्कृष्टता केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त

# वार्षिक प्रतिवेदन 2018-19

(हिंदी अनुवाद)



वार्षिक प्रतिवेदन 2018-19 वार्षिक लेखा एवं संदाय प्राधिकारी द्वारा परीक्षित अनुमोदित प्रतिवेदन – 2018-19

मुद्रण एवं प्रकाशन – कुलसचिव राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ (मानित विश्वविद्यालय), तिरुपति दूर -0877-2286799 फैक्स – 0877-2287809

ई-मेल – registrar\_rsvp@yahoo.co.in

वेबसाइट - www.rsvidyapeetha.ac.in

#### <u>प्राक्कथन</u>

हो सकता है कि सभी संबंधितों के लिए वर्ष 2018-19 के लिए राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति की कुछ महत्वपूर्ण पाठ्यचर्या, पाठ्येतर गतिविधियों से युक्त वार्षिक रिपोर्ट और वार्षिक ऑडिट रिपोर्ट प्रस्तुत करने का मेरा सम्मान है। वर्ष 2018-19 के दौरान होने वाले शैक्षणिक कार्यक्रमों, अनुसंधान गतिविधियों और पाठ्येतर कार्यक्रमों पर एक नज़र, एक प्रतिष्ठित संस्कृत संस्थान, विद्यापीठ के उद्देश्य और उद्देश्यों के अनुरूप शिक्षण और प्रशासन दोनों के क्षेत्रों में बहुआयामी अभ्यास का पता चलता है। । यह ध्यान देने योग्य है कि विद्यापीठ के शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान कार्यक्रमों, शैक्षणिक और बुनियादी सुविधाओं की वजह से, रिपोर्ट के तहत वर्ष के दौरान छात्रों का नामांकन बढ़ा है। विद्यापीठ धीरे-धीरे संस्कृत सीखने और अनुसंधान के लिए एक अंतरराष्ट्रीय गंतव्य के रूप में उभर रहा है। विद्यापीठ ने अपने अकादमिक कैलेंडर यानी वार्षिक कार्य योजना का सावधानीपूर्वक पालन किया है और जैसे प्रवेश, नियमित और अभिनव के संचालन के साथ-साथ अंशकालिक पाठ्यक्रमों, अनुसंधान कार्यक्रमों, ब्रिज कोर्स, संचार कौशल, कैरियर उन्मुख गतिविधियों, विकास से संबंधित सभी गतिविधियां कार्यक्रम. खेल और खेल. परीक्षाओं का संचालन. परिणामों का प्रकाशन और अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा महोत्सव आदि, सभी संकायों, अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्रों और अन्य लोगों की सहायता और सहयोग से सुचारू रूप से संचालित किया गया है। विद्यापीठ के छात्रों ने देश के विभिन्न हिस्सों में राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित कई प्रतियोगिताओं में भाग लेकर कई पुरस्कार जीते और उन्होंने इस संस्थान की प्रशंसा की है। शिक्षकों ने राष्ट्रीय के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों और सम्मेलनों में भी भाग लिया और अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए। विश्व भर में संस्कृत साहित्य और भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए रिपोर्ट के तहत वर्ष के दौरान विद्यापीठ ने कई मानक प्रकाशन निकाले हैं। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस कार्यक्रम के तहत सभी योजनाओं का क्रियान्वयन अर्थात् 1. शाश्वतरिधि (चयनित प्रमुख पारंपरिक शास्त्री पाठ का पाठ्यक्रम अध्ययन); 2.Publications 3.Audio और वीडियो डॉक्यूमेंटेशन 4.Audio-Video रिकॉर्डिंग सेंटर की गतिविधियाँ 5. लिपि विकास प्रदार्सिनी 6। प्राचीन लिपि सीखने के लिए इलेक्ट्रॉनिक उपकरण। संस्कृत सेल्फ लर्निंग किट 8. निर्देशन की सादगी 9. पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण। 10. योग, तनाव प्रबंधन और हीलिंग सेंटर 11। सेमिनार / कार्यशालाएँ 12. स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम विज्ञान और संस्कृत भाषा प्रौद्योगिकी को पाटने के लिए और UGC द्वारा स्वीकृत अन्य योजनाओं के कार्यान्वयन ने UGC द्वारा बढ़ाए गए समर्थन और सफलतापूर्वक पूरा होने के कारण गित प्राप्त की है। यूजीसी ने इस विद्यापीठ की पहचान ई-कंटेंट जनरेशन के लिए ई-पीजी के तहत व्याकरण शास्त्र में भी की है। पाठशाला परियोजना जिसके लिए कार्य लिया गया है और लक्षित तिथि के भीतर पूरा किया गया है।

साहित्य और दर्शन के विभागों में विशेष सहायता कार्यक्रम (SAP) सफलतापूर्वक लागू कर दिए गए हैं। पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग (PMMMMTT) के तहत MHRD प्रायोजित परियोजना विषय आधारित नेटवर्क (SBN) को क्रियान्वित किया जा रहा है। रिपोर्ट के तहत वर्ष के दौरान शिक्षण और अनुसंधान में भी संस्थान प्रगित कर रहा है। संबंधित वर्ष की सबसे खास बात यह है कि कई छात्रों ने नेट क्वालिफाई किया है और उनमें से कुछ को जेआरएफ मिला है, जिसके लिए दूसरों को प्रोत्साहित किया गया है और अपने शैक्षणिक मिशन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है। देश के विभिन्न संस्थानों में विद्यापीठ के पास-आउट की नियुक्ति अत्यधिक उत्साहजनक रही है। शारीरिक शिक्षा के साथ-साथ योग कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करके हमारे छात्रों के शरीर, मस्तिष्क और आत्मा के सामंजस्यपूर्ण विकास को सुनिश्चित करने पर बहुत ध्यान दिया गया है। समग्र रूप से सभी संबंधितों द्वारा पूरे सहयोग के साथ संस्था के परिसर में जन्मजात वातावरण उत्पन्न किया जा रहा है। इसने देश के पारंपरिक संस्कृत सीखने और समय-परीक्षणित सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देने के उद्देश्य और उद्देश्यों को प्राप्त करने में प्रशासन की काफी हद तक मदद की है जिसके लिए संस्थान की स्थापना की गई है।

विद्यापीठ केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है और मंत्रालय के सक्रिय विचार के तहत वर्ष के दौरान एचईएफए के माध्यम से 500 बेडेड बॉयज हॉस्टल और क्लास रूम कॉम्प्लेक्स के निर्माण के लिए 2 प्रस्ताव भी प्राप्त हुए हैं।

संस्थान ने गैर-योजना के साथ-साथ विकास अनुदान के तहत यूजीसी के वित्तीय समर्थन के साथ बुनियादी ढांचे के विकास के मामले में अभूतपूर्व प्रगति का अनुभव किया है। CAG, सरकार द्वारा वार्षिक लेखा और लेखा परीक्षा रिपोर्ट की विधिवत स्वीकृति। भारत में, प्रस्तुत की गई स्पष्ट रूप से विद्यापीठ की वार्षिक आय और व्यय विवरण से पता चलता है। एक बार फिर, मैं उन लोगों के प्रति आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने विद्यापीठ के सभी क्षेत्रों में उनकी मदद की और सफलता हासिल की।

## अनुक्रमणिका

## वार्षिक प्रतिवेदन 2018-19

विषय	पृष्ठ संख्या
प्राक्कथन	02
शैक्षिक सत्र 2018-19 की मुख्य विशेषताएँ	06
प्रतिवेदन एक नजर 2018-19	07
प्रबंधन बोर्ड के सदस्य	19
विद्वत् परिषद के सदस्य (शैक्षिक सदस्य)	21
वित्त समिति के सदस्य (वित्त सदस्य)	23
विद्यापीठ के अधिकारी	24
विद्यापीठ के विविध संकाय अधिष्ठाता	24
विद्यापीठ के विभाग	25
प्राध्यापक वर्ग सूची	26
प्रस्तावना	31
I. शैक्षिक कार्यक्रम	
अ. शैक्षिक	34
आ. अनुसंधान	40
इ. प्रकाशन	45
ई. प्रशिक्षण	45
II. पाठ्यसहगामी गतिविधियाँ	49
III. पाठ्येतर गतिविधियाँ	54
संगोष्ठी – सम्मेलन – कार्यशाला	60
IV. विशेष कार्यक्रम	86
V. परियोजनाएँ	99
VI. आधारिक संरचना	103

## कुछ प्रमुख विशेषताएं

- प्रतिवेदन के तहत वर्ष के दौरान पुस्तकालय द्वारा 1,11,113 नई पुस्तकें प्राप्त की गई और 5500 पांडुलिपियों का संग्रह किया गया।
- ▶ दिनांक 8 और 9 मई, 2018 चतुर्थ अंतर्राष्ट्रीय युवा वैज्ञानिक कांग्रेस (आई.वै.एस.सी.-2018) और वैदिक विज्ञान पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- दिनांक 27.05.2018 से 11.06.2018 तक अखिल भारतीय शास्त्रार्थ प्रशिक्षण शिबिर का आयोजन किया गया।
- ▶ 13 वें अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा महोत्सव 2019 का आयोजन दिनांक 04.02.2019 से 07.02.2019 तक किया गया। और
- ▶ विद्यापीठ का बाईस वाँ (२२) दीक्षांत समारोह दिनांक 09 फरवरी 2019 को आयोजित किया गया था।
- प्रतिवेदन के तहत वर्ष के दौरान विद्यापीठ के एन.एस.एस. की पाँच इकाइयों के शिबिरों के माध्यम से सामुदायिक विकास कार्यक्रम आयोजित किए गए।
- आचार्य पाठ्यक्रम के नए प्रवेशकों के लिए एक सेतु पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया था।
- अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / अन्य पिछडे और अल्पसंख्याक संबंधित छात्रों के लिए कैरियर कौउन्सलिंग सेल, नेट, प्रशिक्षण केंद्र और उपचारात्मक प्रशिक्षण केंद्र के माध्यम से शिक्षण दिया जा रहा है।
- दिनांक 14.04.2018 भारत रत्न डॉ..बी.आर.अम्बेडकरजी को श्रद्धाञ्जलि समर्पित किया गया था।
- यूजीसी / एमएचआरडी / आर एस संस्थान द्वारा अनुमोदित अनुसंधान परियोजना और लघु अनुसंधान परियोजनाएँ प्रगति पर हैं।
- प्रतिवेदन के तहत वर्ष के दौरान यूजीसी द्वारा विद्यापीठ को 12 बी का दर्जा दिया
   गया।
- ▶ दिनांक 24.08.2018 से 01.09.2018 तक संस्कृत सप्ताह समारोह का आयोजन किया गया था।
- 🗲 दिनांक 02-10-2018 को अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस मनाया गया।
- 🗲 स्वच्छ भारत कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित किया गया था।
- वार्षिक लेखा को डीजी लेखा (केंद्रीय), हैदरावाद, तेलंगाणा द्वारा नियमित रूप से निरीक्षण किया गया।

## प्रतिवेदन पर एक नजर - 2018-19

मानित विश्वविद्यालय तिरुपति – 517507 स्थापना वर्ष 2. - 1961 मानित विश्वविद्यालय स्तर का मान्यता वर्ष 3 - 1987 - डॉ..नी.गोपालस्वामी कुलाधिपति का नाम 4. - प्रो.वि.मुरलीधर शर्मा कुलपति का नाम 5. -(1) .सीहेच्.पि.सत्यनारायण कुलसचिव का नाम 6. (26-10-2017 से 28-06-

2018 तक)

(2) प्रो. जी.यस.आर.कृष्णमूर्ति

- राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ,

(29-06-2018 से)

7. संस्थान का परिसर - 41.48 एकड

8. कुल छात्रों की संख्या - 1808

9. कुल अध्यापक कर्मचारियों की संख्या - 71

संस्था का नाम एवं पता

1.

10. कुल अध्यापकेतर कर्मचारियों की संख्या - 80

## परिचय

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, यू। डी। सी। अधिनियम, 1956 की धारा 3 के तहत स्थापित एक डीम्ड विश्वविद्यालय है, जो संस्कृत अध्ययन, पारंपरिक शास्त्र और शिक्षाशास्त्र में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रमुख संस्थान है। यह मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा UGC के माध्यम से वित्त पोषित है। विद्यापीठ का संस्कृत शिक्षा की सेवा में एक लंबा इतिहास है।

विद्यापीठ की स्थापना तिरुपति (A.P) में 1961 में सरकार द्वारा की गई थी। भारत की संस्कृत आयोग (1957) की सिफारिशों पर एक स्वायत्त संस्था के रूप में केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ तिरुपति सोसायटी के नाम से। भारत के तत्कालीन उपराष्ट्रपति डॉ. एस। राधाकृष्णन ने 4 जनवरी 1962 को विद्यापीठ की आधारिशला रखी थी। विद्यापीठ की स्थापना का मूल उद्देश्य संस्कृत शिक्षाशास्त्र की स्थापना और सुधार करना है, तािक उच्च संस्कृत शिक्षा की गति तेज हो सके। आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान के साथ पारंपरिक संस्कृत शिक्षा को संयोजित करना।

बाद में, केंद्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपित अप्रैल 1971 में शिक्षा मंत्रालय के तहत एक राष्ट्रीय निकाय के रूप में राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के प्रशासनिक नियंत्रण में आ गया। वर्ष 1987 में, विद्यापीठ को भारत सरकार द्वारा एक डीम्ड विश्वविद्यालय घोषित किया गया था, इसे देखते हुए। पिछले 25 वर्षों में संस्कृत शिक्षा, अनुसंधान और प्रकाशनों में उपलब्धियों और सामान्य प्रगति के कारण। इसका औपचारिक उद्घाटन भारत के राष्ट्रपित श्री द्वारा किया गया था। 26 अगस्त 1989 को आर वेंकटरमन।

पारंपरिक शास्त्रों में अनुसंधान के लिए अपनी उपलब्धियों और क्षमता को ध्यान में रखते हुए, विद्यापीठ को एक्स प्लान, ग्यारहवीं योजना और बारहवीं योजना अवधि के दौरान पारंपरिक सत्रों में उत्कृष्टता केंद्र का दर्जा दिया गया था।

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ पूरे भारत के छात्रों को आकर्षित कर रहा है और इसके द्वारा दिए जाने वाले कार्यक्रमों में पारंपरिक शास्त्र, शिक्षाशास्त्र और कैरियर उन्मुख कार्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। यह आधुनिक विषयों जैसे गणित, कंप्यूटर विज्ञान, इतिहास इत्यादि के साथ पारंपरिक शास्त्रों का संयोजन शास्त्री / बी.ए. और प्राकशास्त्री स्तर। विद्यापीठ की एक अनूठी विशेषता यह है कि पारंपरिक सूत्र लगाने के लिए शिक्षा का माध्यम संस्कृत है।

#### स्थान

42 एकड़ में फैले विद्यापीठ, अलीमिरी के पास भगवान श्री वेंकटेश्वर (बालाजी) के निवास स्थान तिरुमाला हिल्स के पैर में स्थित है। SVIMS (श्री वेंकटेश्वर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज) से सटे विद्यापीठ परिसर, सुबह 4 बजे की दूरी पर है। रेलवे स्टेशन और APSRTC बस स्टेशन से दूर। यह जलाशय रोड या बालाजी कॉलोनी के माध्यम से संपर्क किया जा सकता है।

#### प्रतीक

प्रतीक तमासो मा ज्योतिर्गमय पर आदर्श वाक्य उस दृष्टि और आदर्शवाद की बात करता है जिसके लिए विद्यापीठ की स्थापना की गई थी। प्रतीक में एक वृत्त, एक आयताकार आधार, दोनों ओर दो दीपक, ताड़ के पत्तों का एक गुच्छा, कमल की पंखुड़ियाँ शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक का अत्यधिक महत्व है। इसके अलावा, इसमें सूर्य की किरणें शामिल हैं जिन्हें रचनात्मक विचारों के बारहमासी स्रोत का प्रतिनिधित्व करने के लिए माना जाता है।

#### विद्यापीठ - पारंपरिक सास्त्रों में उत्कृष्टता का केंद्र

विद्यापीठ ने अपनी उपलब्धियों के आधार पर, यूजीसी ने पारंपरिक उपलब्धियों में शिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में अर्जित शैक्षिक उत्कृष्टता और भविष्य के विकास के लिए अपनी क्षमता के आधार पर पारंपरिक सस्त्रों में उत्कृष्टता केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त करने का एक दुर्लभ सम्मान हासिल किया है। उसी को बारहवीं योजना अवधि के लिए भी बढ़ा दिया गया है और निम्नलिखित सिद्धांतों को लिया गया है।

- 1. सास्त्रारविधि पाठ्यक्रम (शास्त्री अध्ययन में आचार्य प्रशिक्षण)
- 2 प्रकाशन।
- 3. ऑडियो और वीडियो प्रलेखन।
- 4. ऑडियो- वीडियो रिकॉर्डिंग केंद्र की गतिविधियाँ।
- 5. लिपि विकसा प्रदार्सिनी।
- 6. प्राचीन लिपि सीखने के लिए इलेक्ट्रॉनिक उपकरण।
- 7. संस्कृत सेल्फ लर्निंग किट।
- 8. Arefacts का प्रलेखन।
- 9. पांडुलिपियों का डिजिटलाइजेशन।
- 10. योग, तनाव प्रबंधन और उपचार केंद्र।

- 11. सेमिनार / कार्यशालाएँ
- 12. कंप्यूटर विज्ञान और संस्कृत को पाटने के लिए स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम।

NAAC द्वारा विद्यापीठ एक स्तर पर मान्यता प्राप्त है।

राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (NAAC) ने 2015 में विद्यापीठ को "ए" ग्रेड (फोर प्वाइंट स्केल पर 3.71 के सीजीपीए) के साथ मान्यता दी है।

विद्यापीठ को ग्रेडेड ऑटोनॉमी श्रेणी में रखा गया है - आई डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी टू यूजीसी।

अंडर रिपोर्ट के दौरान UGC द्वारा विद्यापीठ को 12B का दर्जा दिया गया था। विद्यापीठ को देश में सर्वश्रेष्ठ दर्जा दिया गया।

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ का मूल्यांकन उसकी शैक्षिक उत्कृष्टता, अनुसंधान, कार्यक्रमों, बुनियादी ढाँचों, सह-पाठयक्रम और विस्तार गतिविधियों के लिए किया गया था, जिसे "टंडन" सिमिति द्वारा एचआरडीडी, भारत सरकार के तहत देश में डीम्ड विश्वविद्यालयों की गुणवत्ता का आकलन करने के लिए नियुक्त किया गया था। of India, नई दिल्ली। यह बहुत ही गर्व और खुशी की बात है कि विद्यापीठ को देश में तीन संस्कृतियों में सर्वश्रेष्ठ स्थान दिया गया, जिन्हें विश्वविद्यालय माना जाता है, जिनमें से कुछ टीआईएफआर, मुंबई, बिट्स पिलानी, आईआईएससी, बैंगलोर हैं।

## भूमिका रूप व्यवस्था:

- 1. प्रशासनिक भवन: विद्यापीठ में प्रशासनिक जरूरतों के लिए दो मंजिला इमारत है।
- 2. शैक्षणिक भवन: दो जुड़े ब्लॉकों के साथ एक अलग इमारत का उपयोग केवल शिक्षण और अनुसंधान के लिए किया जा रहा है। इसका नाम प्रसिद्ध विद्वान के नाम पर रखा गया है, जो हमारे विद्यापीठ के प्रथम कुलपित पद्मभूषण महामहोपाध्याय नवलपक्कम सतकोपा रामानुज ताताचार्य हैं। इस भवन में एक सेमर हॉल भी है।
- 3. लाइब्रेरी बिल्डिंग: पुस्तकालय को पांडुलिपियों के संरक्षण के लिए विशेष व्यवस्था के साथ एक विशाल दो मंजिला इमारत में रखा गया है।
- 4. शिक्षा भवन: शिक्षा विभाग एक स्वतंत्र दो मंजिला इमारत में कार्य कर रहा है।
- 5. ट्रांजिट हॉस्टल / गेस्ट हाउस: विद्यापीठ में दो मंजिला ट्रांजिट हॉस्टल / गेस्ट हाउस है।

- 6. छात्रावास: विद्यापीठ अपने परिसर में आठ छात्रावास हैं। चार लड़कों के लिए, तीन लड़िकयों के लिए और एक रिसर्च स्कॉलर्स के लिए।
- 7. स्टाफ क्वार्टर: The Vidyapeetha में अपने शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए क्वार्टर हैं। 8. आश्रम टाइप स्टडी सेंटर: विद्यापीठ में आश्रम टाइप स्टडी सेंटर हैं, जो शास्त्रीवरिधि कार्यक्रम के तहत बनाए गए महान संतों और आचार्यों के नाम पर हैं।
- 9. खेल का मैदान: खेल का मैदान खेल और खेल की सभी आवश्यकताओं का ध्यान रखता है
- 10. इंडोर-स्टेडियम: इंडोर गेम्स के लिए सभी सुविधाओं के साथ एक इंडोर-स्टेडियम स्थापित किया गया है।
- 11. मल्टी जिम: छात्रों के लाभ के लिए एक मल्टी जिम स्थापित किया गया है, महिलाओं के छात्रावास में लड़कियों के लिए एक जिम भी स्थापित किया गया है।
- 12. संस्कृत नेट केंद्र: एक संस्कृत-नेट केंद्र दो मंजिला इमारत में स्थापित किया गया है।
- 13. ई-क्लास रूम: ई-क्लास रूम एक उपन्यास अवधारणा है जो छात्रों की जरूरतों को पूरा करती है क्योंकि ई-लर्निंग धीरे-धीरे शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। नवीनतम घटनाक्रम के मद्देनजर, विद्यापीठ ने ई-क्लास रूम में कंप्यूटर सहायता प्राप्त निर्देश को अपनाया और पेश किया
- 14. उन्नत कंप्यूटर केंद्र: यह ई-लर्निंग आवश्यकताओं के लिए स्थापित किया गया है।
- 15. आईसीटी संसाधन केंद्र: विद्यापीठ ने शैक्षणिक भवन में 60 कंप्यूटर सिस्टम के साथ "सूचना और संचार प्रौद्योगिकी संसाधन केंद्र" की स्थापना की।
- 16. मॉडल कैरियर केंद्र: श्रम और रोजगार मंत्रालय के राष्ट्रीय कैरियर सेवा परियोजना के तत्वावधान में आर.एस. विद्यापीठ में इस केंद्र की स्थापना की गई है। भारत की। रोजगार और प्रशिक्षण महानिदेशालय (DGE & T), श्रम और रोजगार मंत्रालय (MOLE) राष्ट्रीय कैरियर सेवा (NCS) को लागू कर रहा है, जिसका उद्देश्य युवाओं को विभिन्न प्रकार की सरकार से संबंधित सेवाएं प्रदान करना है।
- 17. MAIMT के लिए कंप्यूटर लैब: MAIMT छात्रों के लिए एक कंप्यूटर लैब की स्थापना की गई है।
- 18. प्रो. एसबीआर ओपन एयर ऑडिटोरियम: पूर्व कुलपित स्वर्गीय प्रो एस बी रघुनाथचार्य की सेवाओं की स्मृति में ओपन एयर ऑडिटोरियम को "प्रो." SBR ओपन एयर

- ऑडिटोरियम "जिसमें विद्यापीठ के विभिन्न शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का संचालन किया जाता है।
- 19. रमारंजन मुखर्जी ऑडिटोरियम इस ऑडिटोरियम का उपयोग सेमिनार, कार्यशाला आदि आयोजित करने के लिए किया जा रहा है।
- 20. वैकल्पिक बिजली प्रणाली: लगातार बिजली के उतार-चढ़ाव / ब्रेक डाउन को ध्यान में रखते हुए, विद्यापीठ ने यूनिवर्सिटी इंजीनियर के नियंत्रण में, किर्लोस्कर मेक की 200 लीटर टैंक क्षमता के साथ 160 केवीए के साथ एक वैकल्पिक बिजली प्रणाली (डीजल जनरेटर) की स्थापना की है। यह पूरे विद्यापीठ को एक बिना बाधित विद्युत आपूर्ति की सुविधा प्रदान करता है।
- 21. विद्यापीठ परिसर में सौर ऊर्जा का उपयोग: सीपीडब्ल्यूडी (ई) के माध्यम से विद्यापीठ ने हीरो सोलर एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के साथ पावर परचेज एग्रीमेंट (पीपीए) किया है। लिमिटेड, जो सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (SECI) (A Government of India Enterprise) है, ने कैंपस में अधिकतम हरित ऊर्जा का उपयोग करने के लिए 156KW रूफ टॉप सोलर PV (फोटो वोल्टाइक) पैनलों के लिए बोली लगाने को मंजूरी दे दी है।
- 22. कैंटीन: जलपान के लिए सभी सुविधाओं के साथ एक कैंटीन स्थापित है।
- 23. बैंक: आंध्र बैंक (R S Vidyapeetha Branch) की स्थापना की गई है।
- 24. पोस्ट ऑफिस: कैंपस में पोस्ट ऑफिस की स्थापना की गई है।
- 25. विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र: पी एल। विवरण के लिए अगले पृष्ठ पर जाएं।
- I. पूर्णकालिक अनुसंधान विद्वानों सिहत विद्यापीठ के सभी छात्र विद्यापीठ द्वारा दी जाने
   वाली मुफ्त चिकित्सा सेवा सुविधा के उपयोग के हकदार हैं।
- II. शैक्षणिक सत्र के दौरान सभी छात्रों को चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जाती हैं। विद्यापीठ द्वारा अधिकृत डॉक्टर बीमार छात्रों का इलाज करेगा। हालाँकि, निर्धारित दवाई को छात्रों द्वारा अपनी लागत पर खरीदा जाना चाहिए।
- III. छात्रों और कर्मचारियों द्वारा उपयोग के लिए विद्यापीठ स्वास्थ्य केंद्र में एक अलग एम्बुलेंस वाहन प्रदान किया जाता है।

- IV. विद्यापीठ कोई भी जिम्मेदारी नहीं लेगा अगर कोई छात्र अधिकृत व्यक्ति के अलावा किसी अन्य चिकित्सक को नियुक्त करता है।
- V. किसी भी पुरानी बीमारी से पीड़ित छात्र का इस सुविधा के तहत इलाज नहीं किया जा सकता है और उसे उपचार के लिए स्थानीय सरकारी अस्पताल में भेजा जाएगा।
- VI. सेवा की पेशकश केवल चिकित्सा परामर्श है और कोई अन्य देयता विद्यापीठ पर टिकी हुई है।
- वर्ष के दौरान चिकित्सा और पेरामेडिकल के नियमित पद को मंजूरी दिया। यूजीसी उन्हें भरने के लिए कार्रवाई की जा रही है।
- 26. आरओ सिस्टम के माध्यम से **"सुजलम"** सुरक्षित पेयजल परिसर में रहनेवाले लोगों को प्रदान किया जाता है।
- 27. माता-पिता के रिटायरिंग रूम की सुविधा: विद्यापीठ, विद्यापीठ परिसर में सभी छात्रों के माता-पिता / अभिभावकों को या तो प्रवेश के समय या किसी अन्य अवसर पर उनकी यात्रा के दौरान विद्यापीठ परिसर में आवास की सुविधा प्रदान करता है।
- 28. महिला सुविधा केंद्र: यूजीसी के दिशा निर्देशों के अनुसार, विद्यापीठ ने महिला कर्मचारियों और विद्यापीठ के छात्रों के लिए विभिन्न सुविधाएं प्रदान करने वाला एक सामान्य सुविधा केंद्र स्थापित किया है।

#### 29. शैक्षणिक कार्यक्रम:

नियमित कार्यक्रम: - प्राक-शास्त्री; शास्त्री (बी। ए।); बी 0 ए। ; B.Sc .; आचार्य (M.A.); एमए हिंदी में; एमएससी कंप्यूटर विज्ञान और भाषा प्रौद्योगिकी, M.Sc. योग थेरेपी में।

रिसर्चप्रोग्रामम्स: एम.फिल। (विसिस्टचार्य), पीएचडी। (विद्यावारिधि) - डी.लिट। (विद्यावाचस्पति)।

डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स: डिप्लोमा इन टेम्पल कल्चर; Pourohitya; योग विज्ञान, संस्कृत और कानून, प्रबंधन। सर्टिफिकेट कोर्स इन टेम्पल कल्चर, पौरोहित्य, फंक्शनल इंग्लिश और ज्योतिषा।

दूरस्थ शिक्षा: प्राक-शास्त्री, शास्त्री (B.A), आचार्य (M.A), संस्कृत में प्रमाण पत्र, संस्कृत में डिप्लोमा और P.G. योग विद्यादान में डिप्लोमा।

नवीन पाठ्यक्रम: यूजीसी की वित्तीय सहायता से विद्यापीठ अभिनव कार्यक्रमों के तहत निम्नलिखित पाठ्यक्रम चला रहा है: (1) ग्लोबल पर्सपेक्टिव (एक वर्ष) (2) MAIMT (प्राचीन भारतीय प्रबंधन में मास्टर) में तुलनात्मक सौंदर्यशास्त्र (साहित्य) में PGDiploma तकनीक) - (दो वर्ष)

ब्रिज कोर्स: ब्रिज कोर्स शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत में चलाया जाता है, जो कि पीजी में सीखने की गुणवत्ता में सुधार के लिए है। विद्यापीठ के प्रवेश द्वार।

संस्कारधानी विकास केंद्र न केवल विद्यापीठ के छात्रों के लिए कक्षाएं आयोजित करता है, बल्कि आम जनता के लिए सिक्किना सिबिरस भी है।

संस्कृत विकास केंद्र – विद्यापीठ के छात्रों के लिए ही शिक्षा नहीं देता बल्की आमजनता को भी शिक्षा देता है।

#### 31. परियोजनाएं:

- (i) उड़ीसा अध्यक्ष: उड़ीसा सरकार ने विद्यापीठ में उड़ीसा अध्यक्ष की स्थापना 50 लाख रुपये के बीज अनुदान के साथ की, गहन शोध करने के लिए, भगवान जगन्नाथ पर प्रकाशन और श्री चैतन्य महाप्रभु और किव श्री द्वारा किए गए योगदान को उजागर करने के लिए हमारे देश की सांस्कृतिक विरासत को जयदेव। चेयर का औपचारिक उद्घाटन 14 अक्टूबर 2000 को न्यायमूर्ति श्री रंगनाथ मिश्रा, सुप्रीम कोर्ट, भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश और भारत के अध्यक्ष केंद्रीय संस्कृत बोर्ड द्वारा किया गया था। यूजीसी ने 31.03.2020 तक साँप कार्यक्रम को विस्तार किया।
- (ii) SAP (स्पेशल असिस्टेंस प्रोग्राम): UGC-SAP को प्राप्त हुए तीन विभाग साहित्य विभाग, शिक्षा विभाग और दर्शन विभाग। यूजीसी ने 31.03.2020 तक एसएपी कार्यक्रमों को बढाया।
- (iii) साहित्य विभाग: यूजीसी ने 5 वर्षों की अवधि के लिए DRS-I से DRS-II में 1.4P से 31.3.2018 तक SAP (साहित्य) के उन्नयन को मंजूरी दी है। DRS-II में SAP का महत्वपूर्ण क्षेत्र "भरत के समय से संस्कृत किवताओं में तकनीकी शब्दों का विश्वकोश" है। 31.00 लाख और दो प्रोजेक्ट फेलो की राशि मंजूर की गई है। प्रो. सी। लिलता रानी को-ऑर्डिनेटर हैं और डॉ. के। राजगोपालन अतिरिक्त को-ऑर्डिनेटर हैं।

- (iv) शिक्षा विभाग: शिक्षा विभाग को 2015-2020 से पाँच वर्षों की अवधि के लिए DRS I स्तर पर विशेष सहायता कार्यक्रम के तहत वित्तीय सहायता के लिए UGC द्वारा चुना गया था। वित्तीय सहायता के लिए 9 करोड़ 50 लाख रुपये की राशि मंजूर की गई। कार्यक्रम का जोर क्षेत्र "भाषा विकास और सामग्री उत्पादन" है। प्रो. वी। मुरलीधर शर्मा सहसमन्वयक हैं और प्रो. प्रह्लाद आर। जोशी अतिरिक्त समन्वयक हैं।
- (v) दर्शन विभाग: दर्शन विभाग को 2011-2012 से पांच वर्षों की अवधि के लिए DRS-I स्तर पर विशेष सहायता कार्यक्रम के तहत वित्तीय सहायता के लिए UGC द्वारा चुना गया था। की राशि रु। 14.72 लाख और दो प्रोजेक्ट फेलो को मंजूर किए गए। कार्यक्रम का महत्वपूर्ण क्षेत्र नव्य न्याय है (गंगा उपाध्याय द्वारा तत्त्वचिंतामणि पर टिप्पणियों और उप टिप्पणियों का एक महत्वपूर्ण सर्वेक्षण)।
- (vi) ई-पीजी-पाठशाला: पोस्ट-ग्रेजुएट सब्जेक्ट्स संस्कृत (व्याकरण में आचार्य) (ई-पीजी-पाठशाला) के लिए कोर्टवेयर ई-सामग्री विकास के उत्पादन के बारे में एक उपन्यास परियोजना को यूजीसी ने आरएस विद्यापीठ के वीडी लार को मंजूरी दी थी। सं। F.1-9 / 2013 (ई-सामग्री) और काम पूरा हो गया है, प्रो एस सत्यनारायण मूर्ति परियोजना के समन्वयक थे। परियोजना के लिए 12 लाख रुपये की राशि आवंटित की गई थी।

## अतिरिक्त पाठ्यक्रम / सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियाँ:

- (i) 13 वें अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा महोत्सव का संगठन: 13 वां अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा महोत्सव दिनांक 04.02.2019 से 07.02.2019 तक विद्यापीठ में आयोजित किया गया था। इस अवसर पर आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक और साहित्यिक प्रतियोगिताओं में लगभग 34 संस्थानों ने भाग लिया और विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पदक वितरित किए। राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति ओवर ऑल चैंपियन था और उसे रोलिंग शील्ड दी गई थी।
- (ii) वार्षिक खेल: विद्यापीठ के छात्रों और कर्मचारियों के लिए विभिन्न क्षेत्रों और इनडोर खेलों में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

(iii) एनएसएस कार्यक्रम - एनएसएस स्वयंसेवक तिरुपित के आसपास के उप-शहरी क्षेत्रों में गए और सामान्य और विशेष शिविर आयोजित किए। उन्होंने स्वच्छ भारत कार्यक्रम में भी भाग लिया।

#### (iv) संगोष्ठियाँ / कार्यशालाएँ / सम्मेलन:-

- i) दिनांक 8 और 9 मई 2018 को चतुर्थ अंतर्राष्ट्रीय युवा वैज्ञानिक कांग्रेस और वैदिक विज्ञान पर कार्यशाला को राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति और अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान समुदाय संघ, मध्यप्रदेश द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था।
- ii) दिनांक 10-11 आगस्त, 2018 साहित्य अकादमी के सहयोग से युवा संस्कृत लेखक एकत्र कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- iii) श्री जयदेव साहित्य पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 21-22 दिसंबर, 2018 को किया गया था।
- iv) दिनांक 2.10.2018 को 150 वीं महात्मा गांधी जयंती उत्सव मनाया गया । दिनांक 25.11.2018 को महात्मा गाँधी के जीवनी पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया । गाँधीजी की आत्मकथा पर संकल्प बल नाम से एक स्किट को डिजिटलैज किया गया ।
- v) दिनांक 25-26 अगस्त, 2018 से परामर्श योजनाओं के विकास पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ और आईपीपीएसआई, तिरुपित द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। श्री अभिषेक मोहंती, आइ.पी.एस., आरक्षक अधीक्षक, तिरुपित में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।
- vi) सतर्कता जागरूकता सप्ताह दिनांक 29-10-2018 से 3-112018 तक मनाया गया।
- vii) स्वामी शिवानंद मेमोरियल छात्रवृत्ति कार्यक्रम दिनांक 8-9-2018 को आयोजित किया गया था और 10 प्रतिष्ठित विद्वानों को नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।
- viii) दिनांक 23 से 27 अप्रैल, 2018 को संस्कृत में रचना और अनुवाद पर राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गया।
- ix) दिनांक 2 और 3 नवंबर, 2018 को राज्य स्तरीय शास्त्रीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।
- x) दिनांक 31.10.2018 को मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की जयंती पर राष्ट्रीय एकता दिवस को आयोजित किया गया।

- (xi) अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस दिनांक 21.6.2018 को आध्यात्मिक शहर, तिरुपित के निवासियों के लाभ के लिए मनाया गया। शिविर चार सामान्य मनोदैहिक स्वास्थ्य मुद्दों के लिए एक दवा रहित चिकित्सा की पेशकश करने का प्रयास था। मधुमेह मेलेटस टाइप ॥, उच्च रक्तचाप, लम्बागो और डिसमेनोरिया। श्री एन. मुक्तेश्वर राव, आईएएस, पूर्व संयुक्त ईओ, ति.ति.देवस्थानम, तिरुपित मुख्य अतिथि थे।
- (xii) दिनांक 23-28 जुलाई, 2018, सात दिवसीय संस्कृत में नवाचारों पर साद दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- (xiii) दिनांक 29 सितंबर, 2018 को सर्जिकल स्ट्राइक दिवस मनाया गया।
- (xiv) संस्कृत साहित्य और भारतीय साहित्य के बीच के अंतर संबंध पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी दिनांक 1-2 मार्च, 2019 को आयोजित की गई थी।
- (xv) संस्कृत सप्ताह समारोह: दिनांक 4-7 अप्रैल 2018 को विद्यापीठ में आयोजित किया गया।
- (xvi) दिनांक 12.2018 को विश्व एड्स दिवस को आयोजित किया गया था।
- (xvii) विकलांग व्यक्तियों के लिए दिनांक 3.12.2018 को अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया गया। (xviii) 10.12.2018 को राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस का आयोजन।
- (xix) दिनांक 26-12-2018 से 31-12-2018 तक आयोजित संस्कृत विद्या में आधुनिक अनुसंधान मुद्दों पर संकाय विकास कार्यक्रम।
- (xx) दिनांक 26-27 मार्च, 2019 को साहित्य विभाग (एसएपी) द्वारा आयोजित संस्कृत काव्यशास्त्र में तकनीकी शब्दों के विश्वकोश की तैयारी पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

#### **ACCOUNTS - 2018-19**

#### आय का स्रोत:

यूजीसी, एमएचआरडी, आर.एस. वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान विद्यापीठ और संस्थान द्वारा संस्थान और अन्य स्रोत निम्नानुसार हैं।

01. यूजीसी से प्राप्त गैर-योजना अनुदान: रु. 44.48 करोड़

गैर-योजना अनुदान के तहत व्यय: रु. 33.65 करोड़

02. सामान्य विकास: रु. 400.50 लाख

व्यय: रु. 177.57 लाख

03. एमएचआरडी अनुदान (आरएसकेएस), नई दिल्ली: रु. 4.10 लाख

04. टीटीडी अनुदान: रु. 50.0 लाख

#### लेखा परीक्षा

वर्ष 2018-19 के लिए विद्यापीठ के खातों की सांविधिक लेखा परीक्षा 09-07-2019 से 24-07-2019 की अविध के दौरान ऑडिट महानिदेशक (केंद्रीय) हैदराबाद (एपी) द्वारा आयोजित की गई और अंतिम रिपोर्ट है संलग्न।

## प्रबंधन बोर्ड के सदस्य

कुलपति / अध्यक्ष प्रो. वी. मुरलीधर शर्मा

1. संयुक्त सचिव (सी.यू. & एल.),

उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली।

2 प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री (2.11.2018 तक)

पूर्व कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली

प्रो. राजाराम शुक्ला (3.11.2018 से)

कुलपति, सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

3. प्रो. के.वी. रामकृष्णमाचार्युलु (2.11.2018 तक)

पूर्व कुलपति, जे.आर.आर. विश्वविद्यालय, जयपुर

प्रो. श्रीनिवास वरखेडी (3.11.2018 से)

कुलपति, कवि कुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, रामटेक

4. श्री एन. मुक्तेश्वर राव, (निवृत्त आई.ए.एस.),

निदेशक, एस.वी.ई.टी.ए., तिरुमला तिरुपति देवस्थानम, तिरुपति

5. प्रो.परमेश्वर नारायण शास्त्री,

कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली

प्रो. जे. रामकृष्ण (28.1.2019 तक)

वेद वेदांग संकाय प्रमुख, रा.सं.विद्यापीठ, तिरुपति

प्रो. प्रहलाद आर. जोशी (29.1.2019 से)

शिक्षा संकाय प्रमुख, रा.सं.विद्यापीठ, तिरुपति

7. प्रो.सीएच.पि.सत्यनारायण (01.02.2019 तक)

साहित्य और संस्कृति संकाय प्रमुख, रा.सं.विद्यापीठ, तिरुपति

प्रो.के.ई.देवनाथन (2.2.2019 से)

दर्शन संकाय प्रमुख, रा.सं.विद्यापीठ, तिरुपति

8. प्रो. आर.एल.एन. शास्त्री

व्याकरण विभाग, रा.सं.विद्यापीठ, तिरुपति

9. डॉ. एस.आर. शरण्या कुमार (30.11.2018 तक)
सह आचार्य, इतिहास विभाग, रा.सं.विद्यापीठ, तिरुपति
डॉ. के. कादम्बिनी (01.12.2018 से 08.02.2019 तक)
सह आचार्य, शिक्षा विभाग, रा.सं.विद्यापीठ, तिरुपति
डॉ. वी. रमेश बाबू (01.12.2018 से 08.02.2019 तक)
सह आचार्य, गणित विभाग, रा.सं.विद्यापीठ, तिरुपति
प्रो. जी.एस.आर.कृष्ण मूर्ति - सचिव,
प्रभारी कुल सचिव, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति

#### विद्वत परिषद के सदस्य

(संशोधित एम.ओ.ए. और यूजीसी के अनुसार, (संस्थानों को विश्वविद्यालय माना जाता है), विनियम - 2010)

#### प्रो. वी. मुरलीधर शर्मा कुलपति / अध्यक्ष

- 1. प्रो. जे. रामकृष्ण, वेदवेदांग संकाय प्रमुख, रा.सं.विद्यापीठ, तिरुपति
- 2. प्रो. वी. पुरंदर रेड्डी, दर्शन संकाय प्रमुख, रा.सं.विद्यापीठ, तिरुपति
- 3. प्रो. सीएच.पी. सत्यनारायण, साहित्य और संस्कृति संकाय प्रमुख, रा.सं.विद्यापीठ, तिरुपति
- 4. प्रो. प्रहलाद आर. जोशी, शिक्षा संकाय प्रमुख, रा.सं.विद्यापीठ, तिरुपति
- 5. प्रो. आर.एल. नरसिंह शास्त्री, शैक्षिक संकाय प्रमुख, व्याकरण विभाग के अध्यक्ष
- 6. प्रो. ओ.एस. रामलाल शर्मा, न्याय विभाग के अध्यक्ष
- 7. प्रो. टी.वी. राघवाचार्युलु, आगम विभाग के अध्यक्ष,
- 8. प्रो. एम. एस. आर. सुब्रह्मण्य शर्मा, अद्वैत वेदांत विभाग के अध्यक्ष
- 9. प्रो. सी. ललिता राणी, साहित्य विभाग
- 10. प्रो. एन. लता, शिक्षा विभाग के अध्यक्ष
- 11. प्रो. नरसिंहाचार्य पुरोहित, द्वैत वेदांत विभाग के अध्यक्ष
- 12. प्रो. वी. सुजाता, अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष
- 13. प्रो. उन्नीकृष्णन नंपियातिरी, प्रमुख, ज्योतिष विभाग के अध्यक्ष
- 14. प्रो. सी. राघवन, विशिष्टाद्वैत वेदांत विभाग के प्रमुख
- 15. प्रो. सी. रंगनाथन, साहित्य विभाग
- 16. डॉ. जी. श्रीधर, संगणकीय विज्ञान विभाग के अध्यक्ष
- 17. प्रो. एम.एल.नरसिंह मूर्ति, अद्वैत वेदांत विभाग
- 18. प्रो. राधाकांत ठाकुर, ज्योतिष विभाग
- 19. प्रो. जी.एस.आर. कृष्ण मूर्ति, साहित्य विभाग
- 20. प्रो. आर.जे. रमाश्री, संगणकीय विज्ञान विभाग
- 21. प्रो. श्रीपाद भट्ट, ज्योतिष विभाग
- 22. प्रो. रजनीकांत शुक्ला, शिक्षा विभाग
- 23. प्रो. वी.एस. विष्णुभट्टचार्युलु, आगम विभाग
- 24. पी.टी.जी.वाई संपतकुमारचार्युलु, न्याय विभाग
- 25. प्रो. सत्यनारायण आचार्य, साहित्य विभाग
- 26. प्रो. पी. वेंकट राव. शिक्षा विभाग
- 27. प्रो. आर. दीप्ति, अंग्रेजी विभाग
- 28. प्रो. राणी सदाशिव मूर्ति, साहित्य विभाग
- 29. प्रो. के. सूर्यनारायण, अनुसंधान और प्रकाशन विभाग
- 30. डॉ. के. राजगोपालन, सह आचार्य, साहित्य विभाग
- 31. डॉ. एस.आर. शरन्या कुमार, सह आचार्य, इतिहास विभाग

- 32. डॉ. वी. रमेश बाबू, सहायक आचार्य, गणित विभाग
- 33. प्रो.के.कादम्बिनी, शिक्षा विभाग
- 34. डॉ. आर.चंद्रशेखर, सह आचार्य, शिक्षा विभाग
- 35. डॉ. नारायण, सहायक आचार्य, द्वैत वेदांत विभाग
- 36. प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी, कुलपति, कविकुलगुरु कालीदास संस्कृत विश्वविद्यालय, रामटेक
- 37. प्रो. वाई.एस.रमेश, शिक्षा विभाग के अध्यक्ष, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, जयपुर परिसर
- 38. डॉ. चांद किरण सलूजा, संस्कृत संवर्धन प्रतिष्ठान, डेरिवाला, दिल्ली 110006
- 39. कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली
- 40. कुलपति, श्री लाल बहदूर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली
- 41. विद्वान जनार्दन हेगडे, संस्कृत भारती, 'अक्षरम्', गिरिनगरम, बैंगलोर
- 42. डॉ. के गणपति भट, प्रभारी परीक्षा नियंत्रक रा.सं.विद्यापीठ, तिरुपति (विशेष आमंत्रित)

प्रो. जी.एस.आर.कृष्ण मूर्ति सचिव, कुलसचिव, रा.सं.विद्यापीठ, तिरुपति

#### वित्त समिति के सदस्य

प्रो. वी. मुरलीधर शर्मा अध्यक्ष कुलपति संयुक्त सचिव सदस्य केंद्रीय और मानित विश्वविद्यालयाएँ मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार शास्त्री भवन, नई दिल्ली संयुक्त सचिव, आई.एफ.डी. सदस्य मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली प्रो. आर.एल.एन. शास्त्री सदस्य व्याकरण विभाग राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति आंध्र प्रदेश श्री जी. गंगन्ना सदस्य पूर्व प्रिंसपाल राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, श्री सदाशिव परिसर, पुरी, ओडिशा वित्त अधिकारी (प्रभारी) सचिव

## विद्यापीठ के अधिकारी

1. प्रो. वी. मुरलीधर शर्मा - कुलपति

2. प्रो. सीएच.पी. सत्यनारायण - कुलसचिव (28-06-2018 तक) प्रो.जी.एस.आर कृष्णमूर्ति - कुलसचिव (29-08-2018 के बाद)

3. डॉ. गणपति भट्ट - परीक्षा नियंत्रक (प्रभारी)

4. श्री वी.जी. शिवशंकर रेड्डी - उप कुलसचिव और वित्त अधिकारी (प्रभारी)

5. डॉ. दक्षिणा मूर्ति शर्मा - जनसंपर्क अधिकारी

6. उ.सांबशिव राव - सहायक कुलसचिव (वित्त और लेखा)

7. श्रीमती. एम. उषा - सहायक कुलसचिव (स्थापना और प्रशासन

अनुभाग)

8. श्री सी. ईश्वरैया - सहायक परीक्षा नियंत्रक

9. श्री एम.एकांबरम - सहायक कुलसचिव, परीक्षा

## विद्यापीठ के विविध संकाय अधिष्ठाता

शैक्षणिक कार्य - प्रो.आर.एल.एन.शास्त्री (20.12.2018 तक)

प्रो.राणी सदाशिव मूर्ति (21.12.2018 से)

साहित्य और संस्कृति संकाय - प्रो.सीएच.पी.सत्यनारायण

वेद वेदांग संकाय - प्रो.जे.रामकृष्ण (28.01.2019 तक)

प्रो.ए.श्रीपाद भट्ट (29.01.2019 से)

दर्शन संकाय - प्रो.के.ई.देवनाथन

शिक्षा संकाय - प्रो.प्रह्लाद आर. जोशी

#### विद्यापीठ के विभाग

## (अ) शिक्षा शास्त्र संकाय

- 1. शिक्षा विभाग
- 2. शारीरिक शिक्षा विभाग

## (आ) साहित्य एवं संस्कृति संकाय

- 1. साहित्य विभाग
- 2. पुराणेतिहास विभाग
- 3. अंग्रेजी विभाग
- 4. तेलुगु विभाग
- 5. हिंदी विभाग
- 6. अनुसंधान एवं प्रकाशन विभाग

## (इ) दर्शन संकाय

- 1. न्याय विभाग
- 2. अद्वैत वेदांत विभाग
- 3. विशिष्टाद्वैत वेदांत विभाग
- 4. द्वैत वेदांत विभाग
- 5. आगम विभाग
- 6. मीमांसा विभाग
- 7. सांख्य योग और योगविज्ञान विभाग
- 8. शाब्दबोध सिस्टम्स और कम्प्युटेशनल लिंग्विस्टिक विभाग

## (ई) वेद वेदांग संकाय

- 1. व्याकरण विभाग
- 2. ज्योतिष विभाग
- 3. धर्मशास्त्र विभाग
- 4. वेदभाष्य विभाग
- 5. संगणकीय विज्ञान विभाग
- 6. इतिहास विभाग
- 7. गणित विभाग

## प्राध्यापक वर्ग सूची

## (अ) शिक्षा शास्त्र संकाय

#### शिक्षा विभाग

- 1. प्रो.वी मुरलीधर शर्मा, कुलपति, रा.सं.विद्यापीठ, तिरुपति।
- 2. प्रो.रजानी कांत शुक्ला, आचार्य
- 3. प्रो. प्रल्हाद आर. जोशी, आचार्य और संकाय प्रमुख
- 4. प्रो.एन.लता, आचार्या और विभागाध्यक्षा
- 5. प्रो. पी. वेंकट राव, आचार्य
- 6. श्री पी. नागमुनि रेड्डी, सहायक आचार्य (चयन ग्रेड)
- 7. प्रो. के. कादंबिनी, आचार्या
- 8. डॉ. राधागोविंद त्रिपाठी, सह आचार्य
- 9. डॉ. दक्षिणा मूर्ति शर्मा, सह आचार्य
- 10. डॉ. एस. मुरलीधर राव, सह आचार्य
- 11. डॉ. आर. चंद्र शेखर, सह आचार्य
- 12. डॉ. ए. सचिदानंद मूर्ति, सहायक आचार्य
- 13. डॉ. ए. सुनीता, सहायक आचार्या

## (आ) साहित्य एवं संस्कृति संकाय

#### साहित्य विभाग

- 1. प्रो. एस. सुदर्शन शर्मा (कुलपति के रूप में प्रतिनियुक्ति पर, एसवी वैदिक विश्वविद्यालय)
- 2. प्रो. जी.एस.आर.कृष्णमूर्ति, आचार्य और प्रभारी कुलसचिव (29.06.2018 से)
- 3. प्रो. सी. ललिता रानी, आचार्या
- 4. प्रो. सत्यनारायण आचार्य, आचार्य
- 5. प्रो.राणी सदासिव मूर्ति, आचार्य एवं शैक्षिक संकाय प्रमुख
- 6. प्रो.सी.रंगनाथन, आचार्य

- 7. प्रो.के.राजगोपालन, आचार्य
- 8. डॉ. प्रदीप कुमार बाग, सहायक आचार्य
- 9. डॉ. भारत भूषण रथ, सहायक आचार्य
- 10. डॉ. जे.बी.चक्रवर्ती, सहायक आचार्य
- 11. डॉ. के. लीना चंद्रा, सहायक आचार्या
- 12. डॉ. श्वेतपद्मा शतपथी, सहायक आचार्या
- 13. डॉ. ज्ञानरंजन पंडा, सहायक आचार्य

## पुराणेतिहास विभाग

डॉ. परामिता पंडा, सहायक आचार्या

#### अंग्रेजी विभाग

- 1. प्रो.वी.सुजाता, आचार्या
- 2. प्रो.आर.दीप्ता, आचार्या

## तेलुगु विभाग

- 1. डॉ. डी. नल्लन्ना, सहायक आचार्य
- 2. डॉ. वाई. विजयलक्ष्मी, सहायक आचार्या

## हिंदी विभाग

डॉ. टी. लतामंगेश, सहायक आचार्या

## अनुसंधान एवं प्रकाशन विभाग

- 1. प्रो. सीएच.पी.सत्यनारायण, आचार्य, संकाय प्रमुख, प्रभारी निदेशक, DDE और प्रभारी कुलसचिव (28.06.2018 तक)
- 2. प्रो.विरूपाक्ष वी. जड्डीपाल, आचार्य (सचिव के रूप में प्रतिनियुक्ति पर, महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन)

- 3. प्रो. के. सूर्यनारायण, आचार्य और विभागाध्यक्ष
- 4. डॉ. सोमनाथ दाश, सहायक आचार्य
- 5. डॉ. सीएच. नागराजु, सहायक आचार्य

## (इ) दर्शन संकाय

#### न्याय विभाग

- 1. प्रो.ओ.श्रीराम लाल शर्मा, आचार्य
- 2. प्रो.पी.टी.जी.वाई. संपतकुमाराचार्युलु, आचार्य और विभागाध्यक्ष

#### अद्वैत वेदांत विभाग

- 1. प्रो.एम.एल.नरसिंह मूर्ति, आचार्य
- 2. प्रो.वी.पुरंदर रेड्डी, आचार्य
- 3. प्रो.एम.एस.आर.सुब्रह्मण्य शर्मा, आचार्य और विभागाध्यक्ष
- 4. प्रो.के.गणपति भट्ट, आचार्य
- 5. डॉ. विश्वनाथ, सह आचार्य

#### विशिष्टाद्वैत वेदांत विभाग

- 1. प्रो.के.ई.देवनाथन, आचार्य
- 2. सी.राघवन, सह आचार्य और विभागाध्यक्ष

## द्वैत वेदांत विभाग

- 1. आचार्य नरसिम्हाचार्य पुरोहित, आचार्य और विभागाध्यक्ष
- 2. डॉ. नारायण, सह आचार्य और (विशेष कर्तव्य पर अधिकारी, परीक्षा विभाग)

#### आगम विभाग

- 1. प्रो. टी. वी. राघवाचार्युलु, आचार्य
- 2. प्रो. वी. वी. विष्णु भट्टाचार्युलु, आचार्य

3. डॉ. पी. टी. जी. रंग रामानुजाचार्युलु, सहायक आचार्य

#### मीमांसा विभाग

डॉ. टी. एस. आर. नारायणन, सहायक आचार्य

#### सांख्य योग और योग विज्ञान विभाग

डॉ. डी. ज्योति, सहायक आचार्या

## (ई) वेद वेदांग संकाय

#### व्याकरण विभाग

- 1. प्रो. आर. एल. नरसिंह शास्त्री, आचार्य और विभागाध्यक्ष
- 2. प्रो. जे. रामकृष्ण, आचार्य
- 3. डॉ. एन. आर. रंगनाथ ताताचार्य, सहायक आचार्य
- 4. डॉ. यशस्वी, सहायक आचार्य
- 5. डॉ. संतोष माझी, सहायक आचार्य

## ज्योतिष विभाग

- 1. प्रो. आर. के. ठाकुर, आचार्य
- 2. प्रो. श्रीपाद भट्ट, आचार्य
- 3. प्रो.वी.उन्नीकृष्णन नंपियाथरी, आचार्य और विभागाध्यक्ष
- 4. डॉ. कृष्णेश्वर झा, सह आचार्य

#### धर्मशास्त्र विभाग

- 1. डॉ. सितांशु भूषण पंडा, सहायक आचार्य
- 2. डॉ. सुधांश् शेखर महापात्र, सहायक आचार्य

#### वेद भाष्य विभाग

डॉ. निरंजन मिश्र, सहायक आचार्य

## संगणकीय विज्ञान विभाग

- 1. प्रो. आर. जे. रमाश्री, आचार्य
- 2. प्रो. जी. श्रीधर, आचार्य

## शाब्दबोध विभाग

डॉ. ओ.जी.पी. कल्याण शास्त्री, सहायक आचार्य

## इतिहास विभाग

प्रो. एस.आर. शरण्य कुमार, आचार्य

#### गणित विभाग

- 1. डॉ. रमेश बाबू, सह आचार्य
- 2. डॉ. ए. चंदूलाल, सहायक आचार्य

## विद्यापीठ के बारे में

तिरुमाला हिल्स के पवित्र चरण में स्थित, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ पिछले पांच दशकों से संस्कृत शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों और विद्वानों के लिए गंतव्य है। एक सत्यिनष्ठ भारत, विद्यापीठ भारत के सभी कोनों से, विभिन्न क्षेत्रों, भाषाओं और पंथों से संबंधित छात्रों को आकर्षित करता रहा है, क्योंकि यह अध्ययन और अनुसंधान के लिए आदर्श सुविधाएं, अनुकूल वातावरण प्रदान करता रहा है। इसके अलावा, नवीन और अंतःविषय पाठ्यक्रम और अत्याधुनिक कंप्यूटर सुविधाओं ने इसे संस्कृत अध्ययनों के लिए एक अधिक मांग वाला संस्थान बना दिया है। तिरुपित शहर के केंद्र में स्थित, परिसर ऊंचे छायादार वृक्षों के साथ बहुत आकर्षक है, अच्छी तरह से रखी गई उद्यान प्राचीन वन पेड़ों की याद ताजा करती है।

## शुरुआतें:

1950 के दशक के दौरान भारत सरकार द्वारा नियुक्त केंद्रीय संस्कृत आयोग की सिफारिशों पर, 1961 में तिरुपित में एक केंद्रीय संस्कृत संस्थान की स्थापना की गई थी, जिसे भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने पारंपिरक संस्कृत शिक्षा के संरक्षण और प्रसार के लिए आधुनिक के साथ जोड़ा था। शोध के तरीके। भारत सरकार ने संस्था के प्रशासन के लिए body केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ तिरुपित सोसायटी 'नामक एक स्वायत्त पंजीकृत निकाय का गठन किया। केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ की आधारशिला भारत के तत्कालीन उपराष्ट्रपित डॉ.एस.राधाकृष्णन ने 4 जनवरी, 1962 को रखी थी। प्रतिष्ठित तिरुमाला तिरुपित देवस्थानम ट्रस्ट बोर्ड की अध्यक्षता में लगभग बयालीस एकड़ भूमि पट्टे पर दी गई थी। तत्कालीन कार्यकारी अधिकारी, डॉ. ए। एन। राव ने भवनों के निर्माण की दिशा में 10 लाख रुपये का एक बड़ा दान दिया।

विद्यापीठ सोसाइटी के पास प्रतिष्ठित विद्वानों और राजनेताओं की एक आकाशगंगा है, जिसके उत्तराधिकारी अध्यक्ष हैं, श्री पतंजिल शास्त्री, भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश, इसके बाद प्रो. वी। राघवन, एक प्रतिष्ठित इंडोलॉजिस्ट और श्री एम.अनंतशयनम अयंगर, शामिल हैं। लोकसभा के पूर्व अध्यक्ष। डॉ. बी.आर. शर्मा 1962 से 1970 तक संस्थान के पहले निदेशक थे। श्री वेंकट राघवाचार्य, डॉ.मंदन मिश्रा, डॉ. आर। करुणाकरण, डॉ. एम। डी। बालासुब्रमण्यम और प्रो. एन.एस. रामानुज ताताचार्य ने लगातार वर्षों में प्रधानाचार्य की क्षमता में संस्था की सेवा की और काफी हद तक उनके शैक्षिक और प्रशासनिक अनुभव में योगदान दिया। Kendriya Sanskrit Vidyapeetha राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के तत्वावधान में आया था - अप्रैल, 1971 में शिक्षा मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय। 1987 में रजत जयंती समारोह के दौरान, श्री पीवी नरसिम्हा राव, भारत सरकार के मानव संसाधन विकास के तत्कालीन केंद्रीय मंत्री।, यूजीसी अधिनियम 1956 की धारा 3 के तहत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सिफारिशों पर विश्वविद्यालय को डीम्ड घोषित करने के लिए विद्यापीठ घोषित किया गया। (गजट नोटिफिकेशन नं। 9-2 / 85 यू -3 दिनांक 16-11-1987 के अनुसार)। डीम्ड विश्वविद्यालय का औपचारिक उद्घाटन 26 अगस्त, 1989 को भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति श्री आर। वेंकटरामन द्वारा किया गया था। विद्यापीठ ने अकादिमिक वर्ष 1991-92 से डीम्ड विश्वविद्यालय के रूप में कार्य करना शुरू किया।

तब से इसके कुलपित, महामहोपाध्याय श्री पट्टाभिराम शास्त्री और प्रो.रमनारंजन मुखर्जी और डॉ.वी.आर.पंचमुखी के रूप में प्रख्यात व्यक्तित्व थे। प्रो.एन.एस.रमणूजा ताताचार्य (1989-1994), प्रो.एस.बी. रघुनाथचार्य (1994-1999) और प्रो.पद्रलदा चार (1999-2004) ने कुलपित के रूप में विश्वविद्यालय की सेवा की। प्रो. के। विश्वविद्यालय के विश्व प्रोफेसर गोविंदन ने कुलपित i/c के रूप में कार्य किया। अप्रैल, 2006 तक दो वर्षों के लिए। प्रो.हिरकृष्ण सत्पथी ने 2006 से 2016 तक का प्रभार संभाला। प्रो. एस.एस.मुरितानंद प्रो. एमएलएन मूर्ति ने 2016 से 2017 तक प्रभारी कुलपित के रूप में कार्यभार संभाला। प्रो. वी। मुरलीधर शर्मा ने 15.01.2017 को कुलपित का पदभार संभाला। श्री एन। गोपालस्वामी, पद्म भूषण अवार्डी, भारत के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त और प्रमुख नौकरशाह को 21 अक्टूबर, 2015 को चांसलर के रूप में नियुक्त किया गया था।

शिक्षण, अनुसंधान, प्रकाशन और संस्कृत के प्रचार और प्रसार में अपनी उपलब्धियों के लिए, विद्यापीठ को विशिष्ट पहचान प्रदान की गई है:

- 🗲 यूजीसी द्वारा पारंपरिक सास्त्रों के विषय में उत्कृष्टता के लिए मान्यता प्राप्त।
- > 3.71, 4 बिंदु पैमाने पर राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा 2015 को ए ग्रेड मान्यता प्राप्त ।
- 🗲 यूजीसी ने विद्यापीठ को 12-बी का दर्जा दिया।
- मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा नियुक्त टांडन
   किमटी ने विद्यापीठ के मानित विश्वविद्यालयों में सर्वश्रेष्ठ माना।
- यूजीसी ने राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति को स्वायत्त संस्थाओं में प्रथम वर्ग श्रेणी
   प्रदान किया।

## I. शैक्षणिक कार्यक्रम

#### (अ). अध्यापन

विद्यापीठ संस्कृत सीखने के चाहने वालों के लाभ के लिए औपचारिक, व्यावसायिक और गैर-औपचारिक श्रेणियों के तहत कार्यक्रम प्रदान करता है। निम्नलिखित कार्यक्रम शैक्षणिक वर्ष 2017-18 के दौरान पेश किए गए थे

#### I. नियमित कार्यक्रम

#### 1. स्नातक कार्यक्रमों के तहत

- (1) प्राक-शास्त्री (इंटरमीडिएट के समकक्ष)
- (२) शास्त्री सम्मान (बी.ए. समकक्ष)
- (३) शास्त्री वेदभाष्य (बी.ए. समकक्ष)
- (४) बी.ए. हॉनर्स
- (५) बी.एस.सी. (संगणकीय विज्ञान)
- (6) बी.एस.सी. (योग)

#### 2. स्नातकोत्तर कार्यक्रम

- (१) १४ शास्त्रों में आचार्य (एम.ए. के समकक्ष)
- (२) आचार्य संस्कृत में (शाब्दबोध प्रणाली तथा भाषा तकनीकी)
- (३) एम.एससी. (संगणकीय विज्ञान और भाषा तकनीकी)
- (४) एम.ए. हिंदी
- (५) एम.एससी. योग

यूजीसी के अभिनव कार्यक्रमों के तहत

- (6) ग्लोबल पर्सपेक्टिव में तुलनात्मक सौंदर्यशास्त्र (साहित्य) में पी.जी.डिप्लोमा
- (7) MAIMT (प्राचीन भारतीय प्रबंधन तकनीकों में मास्टर)

#### 3. अनुसंधान कार्यक्रम

- (1) एम.फिल. (पांडुलिपि शास्त्र और पुरालिपि शास्त्र को मिला कर 11 शास्त्रों में)
- (२) एम.फिल. (शिक्षा शास्त्र)
- (३) विद्यावारिधि (पीएच.डी. समानांतर) सभी शास्त्रों / साहित्य / शिक्षा शास्त्र में
- (४) विद्यावाचस्पति (डी.लिट्. समानांतर) सभी शास्त्रों और शिक्षा में

#### 4. व्यावसायिक पाठ्यक्रम

- (1) शिक्षा शास्त्री (बी.एड. समानांतर)
- (2) शिक्षा आचार्य (एम.एड. समानांतर)

#### II. सायंकालीन एवं अंशकालिक कार्यक्रम

#### 1. स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम

- (१) योगविज्ञान
- (२) प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण
- (3) वेब तकनीकी

#### 2. डिप्लोमा पाठ्यक्रम

- (१) मंदिर संस्कृति (३) संस्कृत और कानून
- (२) पौरोहित्य (४) प्राच्य अभिविन्यस से प्रबंधन

#### 3. सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम

- (१) मंदिर संस्कृति (२) पौरोहित्य (३) क्रियात्मक अंग्रेजी
- (४) ज्योतिष (५) ई-अधिगम
- 4. यूजीसी के वित्तीय सहायता से विद्यापीठ निम्नलिखित वृत्ति अभिविन्यास कार्यक्रमों को एड-आँन रूप से प्रदान करता है
- (१) पुराणेतिहास
- (२) वास्तु शास्त्र

#### प्रवेश प्रक्रिया:

विद्यापीठ का शैक्षणिक वर्ष जून के दूसरे / तीसरे सप्ताह में शुरू होता है और अप्रैल में परीक्षाओं के आयोजन के साथ संपन्न होता है। सभी यूजी और पीजी कार्यक्रमों में सेमेस्टर पैटर्न का पालन किया जा रहा है। योग्यता परीक्षा और व्यक्तिगत साक्षात्कार में प्राप्त अंकों के आधार पर प्राक-शास्त्री और शास्त्री / बीए कार्यक्रमों में प्रवेश किए जाते हैं। आचार्य (M.A.) कार्यक्रम में प्रवेश शिक्षा - शास्त्री (B.Ed.), शिक्षा - आचार्य (M.Ed.) और विद्यावारिधि (Ph.D.) राष्ट्रीय स्तर पर विद्यापीठ द्वारा आयोजित प्रवेश पर आधारित हैं। नीट / एसएलईटी / एम.फिल के धारकों को विद्यावारिधि के लिए प्रवेश परीक्षा से छूट दी गई है।

विद्वान पूर्णकालिक या अंशकालिक आधार पर अनुसंधान कर सकते हैं। सभी कार्यक्रमों के लिए प्रवेश सूचनाएं विद्यापीठ वेबसाइट: http://www.rsvidyapeetha.ac.in पर रखी गई हैं

सभी कार्यक्रमों में शास्त्रों को केवल संस्कृत माध्यम में पढ़ाया जाता है और परीक्षा संस्कृत में आयोजित की जाती है। आधुनिक विषयों के लिए शिक्षा और परीक्षा का माध्यम अंग्रेजी है और अन्य भाषाओं के लिए संबंधित भाषा निर्देश और परीक्षा का माध्यम है।

#### परीक्षाएँ:

Statement showing the enrolment of students made during the academic year 2018-19

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA :: TIRUPATI – 517 507 (A.P.)

- स्नातक और स्नातकोत्तर उपाधियों के लिए अर्ध वार्षिकीय के अनुरूप परीक्षाएँ ली जाती है।
- प्राक शास्त्री (इंटरमीडिएट तक) के लिए परीक्षा के वार्षिक पैटर्न का पालन किया जाता है। परीक्षा सभी गैर-सेमेस्टर पाठ्यक्रमों के लिए अर्थात् सर्टिफिकेट, डिप्लोमा / पीजीडिप्लोमा मार्च में आयोजित किया गया थाऔर अप्रैल।

9 2 8 8 2 ž 9 7 5 12 2 e # 25 to 15 14 29 • 5 5 2 2 54 34 59 39 59 64 74 64 57 74 184 51 184 2 % 2 ~ 2 2 Total (9 - 11) Total (3 - 5) Under Graduate Total (3-17) ore batch 2014-15 Under Graduate Total (1-17) Total Page 1 Name of the Course Sastri - Vedabashyam III Year Sastri - Vedabashyam II Year Sastri - Vedabashyam I Year Shiksha-Sastri (8.Ed.,) Prak-Sastri II Year hak-Sastri I Year Shikshe-Sestri ( Sastri III Year Sastri II Year Sastri I Year B.Sc III Year B.A. III Year B.Sc I Year 8.Sc II Year B.A. II Year B.A. I Year 12 B.Sc Yoga

00

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA :: TIRUPATI - 517 507 (A.P.) Statement showing the enrolment of students made during the academic year 2018-19

M. A. Sanksit Baddabodini Year   Total (120 - 12)   1.5		ir Total (18 - bdabodha I Year ibdabodha II Year Total (20 - Total (22 - MARN SHRING 2012 Indian Nanogement Techniques II Y	<u> </u>	76 152 152 2 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3	176 176 176 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	<del>                                     </del>	$H \rightarrow H \rightarrow H$	++-	$H^{n}$	٠,٢	8 N	රි <u>අ</u>	++-	H	-	2 0	N O	<u> </u>		
Although		Total (18- bdabodha II Year Ibdabodha II Year Total (20- Total (22 - MARKA SURTHIN 2012 Indian Nanogement Techniqued II Y	100 100 100 100 100 100 100 100 100 100	2 2 3 3	178 178 176 176 177 178 178 178 178 178	<del>                                     </del>	<del></del>	+	+	- 2 5	- ·	0 4	+	+	-	8	g	۰		ø
Achthirty I Year:  Achthirty I Y	<del></del>	Total (18- ibdabodha I Year Ibdabodha II Year Total (20- Total (22 - iMen Senten 2012 Indan Nanogement Techniqued II Y	100 1100 1100 1100 1100 1100 1100 1100	76 76 1152 1 152 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2	178 176 176 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	<del></del>	-		-	7,	,	4		_						
MACHEMYO II Year Total (129-13) 202 354 31 54 43 35 155 16 15 16 17 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18		Total (18- idabodha I Year Idabodha II Year Total (20 -   Man Pertina 2012     Man Pertina 2012     Man Pertina 2012     Total (22 -	1000 202 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	152 152 152 153 153 153 153 153 153 153 153 153 153	176 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1				H	9	•				-	_	•	•		
MASAINTERPARTER STANDARDOLLE VAME  1 1 - 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1			202	152	1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1		$\rightarrow$		-	9/	m	•	Н	Н		•	•	•		
MASATINITIS Bandabodhalla Year  MASATININIS Bandabodhalla Year  MASATININIS Bandabodhalla Year  MASATININIS Bandabodhalla Year  MASATININIS Bandabodhalla IYear  Total (22 - 23)  MASATININIS Bandabodhalla IYear  Total (22 - 23)  MASATININIS Bandabodhalla IYear  Total (22 - 23)  MASATININIS Bandabodhalla Washing Masatinis Bandabadhalla Year  MASATININIS Bandabadhalla Year  MASATINIS Bandabadhala						H 1 H 1 4 4	$\vdash$		Н	155	10	12	Н			_	•	٠		
MASANAFIN Sabdabodha II Yeari  MASANAFIN Sabdar Navagament Totali (22 - 23)  MASANAFIN Sabdar Navagament Totali (24 - 23)  MASANAFIN Sabdar Navagament Navagament Totali (24 - 23)  MASANAFIN Sabdar Navagament Nav	<del></del>	.       .   .   .   .			= 2 =	4 4	ŀ									•	٠	•		
MASTYCHEAT  MASTYCHEAT  MASTYCHEAT  MASTATIVENT  TOTALEI (222-22)					=====================================	.1 . 4 4	_		٠	•						•	٠	٠		
MASCIYear  Total (22 - 23) 9 3 11 4 2 6 2 1 3 2 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7	<del>-                                     </del>		- 8 6 6 7 17 9		- = = =	. 4 4	⊢	$\vdash$	ŀ	·			$\vdash$	⊢	-	ŀ	ŀ	ŀ		ļ.
MAINTY I Year Total (22 - 23) 9 3 113 4 2 2 6 3 1 3 4 2 2 -			8 6 6 7 17 9	6 6 7 N	= = =	4 4	⊢	$\vdash$	٠	-			$\vdash$	⊢	⊢	$\vdash$	٠	٠		
Total (22 - 23) 9 3 112 4 2 14 6 2 1 1 4 0 2 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1			6 6 2 2 9	m n n	2 =	4	⊢		-	m	~		-	$\vdash$	ļ ·	ŀ	ŀ	·		ļ.
MAINTI Yeer (Mann Remainable II) 9 2 11 6 2 11 7 7 7 7 7 7 7 7 1 1 7 7 7 7 7 7 7		0 1- 1:	6 71 72 9	n n	=		$\vdash$		-	4	~						٠	٠		
MARKEN In Marciant Indiant Namepament Techniqued LI Year   12   2   14   9   2   11   3   1   1   1   1   1   1   1			2 2 9	7		8	$\vdash$		•	•	-			$\vdash$		•	٠	٠		
MACHINDI I Year (Januarian Machine) 6 3 9 3 2 5 7 7 7 7 7 1 1 1 2 2 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7			77 9	t	4		⊢	H	ŀ	m			$\vdash$	$\vdash$	H	ŀ	ŀ	٠		
MARA MINDO I Total Communication   6   3   9   3   2   5     1   1   1   2   2     2     -   -   -   -			۰	4	52	17			•	m	-			$\vdash$		•	٠	٠		
H.A. Hindd II Vear		(ABWA SKAT FOR 20		<b>6</b>	6	m	┝	⊢	ļ.		-	-				$\vdash$	ŀ	•	·	ļ.
Mischa-Acharya (M.Ed.,)  Shikkha-Acharya (M.Ed.,)  Solida (18-36) 245 126 126 126 126 126 126 12 12 12 12 12 12 12 12 12 12 12 12 12		I II Vear	6	4	13	e			7	4	~	_				<u>'</u>	١.	•		ļ.
Miscroga			22	_	22	9	$\vdash$	$\vdash$	7	4	m	~	$\vdash$	$\vdash$		'	٠	٠		
Shikeha-Acharya (M.Ed.,) Shikeha-Acharya (M.Ed		anditional control	2	12	23	<del>н</del>			-	<b>®</b>	4	~		$\vdash$		•	•	•		
Shikshe-Acharya (M.Ed.,)         5         3         2         5         1         1         1         2         -         -         -         1         1         2         -         -         -         1         1         2         -         -         -         1         1         2         -         -         -         1         1         1         2         -         -         -         -         1         1         1         1         1         1         1         1         1         -         4         1         4         1         4         1         4         1 <td><del> </del></td> <td>charya (M.Ed.,)</td> <td>۰</td> <td>_</td> <td>91</td> <td>m</td> <td><math>\vdash</math></td> <td></td> <td>٠</td> <td>-</td> <td>4</td> <td>~</td> <td><math>\vdash</math></td> <td></td> <td>-</td> <td>٠</td> <td>٠</td> <td>٠</td> <td></td> <td></td>	<del> </del>	charya (M.Ed.,)	۰	_	91	m	$\vdash$		٠	-	4	~	$\vdash$		-	٠	٠	٠		
Post-Graduate Total (18-30) 14 10 24 66 7 136 93 219 109 67 176 25 19 44 14 9 23 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7		charya (M.Ed.,)	s	т	<b>6</b>	m	H	$\vdash$	ŀ	-	-	-	Н	$\vdash$	H	<u>                                     </u>	ŀ	ŀ		
M.Phil PG Level Total (18-30) 275 186 463 126 93 219 109 67 176 25 19 44 14 9 23 9 9 9 9 9 9 9 9 9 9 9 9 9 9 9 9 9			14	2	24	•	Н	Н	•	7	'n	<b>m</b>	Н	Н	Н	Н	·	٠		
M.Phili         36         14         50         21         10         31         8         4         12         4         2         -         4         2         -         4         2         -         4         2         -         4         1         4         2         -         4         2         -         4         2         -         4         2         -         4         1         4         1         4         2         4         1         4         1         6         4         1         4         1         6         7         1         6         7         7         1         6         7         7         1         6         7         7         1         6         7         7         1         6         7         7         1         6         7         7         1         6         7         7         1         8         7         7         7         1         8         7         7         1         8         7         7         1         8         7         7         1         8         7         7         1         8         7         7			275	188	463	Н	Н		Н	176	Н	19	Н		Н	_	Ц			П
Vidyavaridhi-2016-17       45       14       59       25       10       35       6       4       10       14       -       14       -        -       -       -       -       -       -       -       -       -       -       -       -       -       -       -        -			36	1	20				4	12	4						٠	1		
Vidyavaridhi-2017-18*       49       35       15       29       20       49       13       14       27       7       1       8       -       <		IN-2016-17	45	4	29	$\vdash$	$\vdash$		4	2	14		$\vdash$	$\vdash$			١.	٠		
Vidyavaridhi-2016-19     35     17     52     23     9     32     6     5     11     6*     3     9     -     -     -     -     -     1     1       Vidyavaridhi Total (31-34)     129     66     195     77     39     116     25     23     48     21     4     31     -		hi-2017-18*	6	35	8	Н	$\vdash$	$\vdash$	⊢	72	^	-	80	ļ.	<u>'</u>	<u>'</u>	ŀ	·	-	,
129         66         195         77         39         116         25         23         48         21         4         31         -         -         -         -         -         -         2         -         2         -         2         -		hi-2018-19	32	17	25	Н	⊢	$\vdash$	⊢	=	<b>e</b> *	m	6		•	•	٠		-	
165         80         245         98         49         147         33         27         60         25         4         35         2         -         2         1         -         1         2         -           440         268         708         224         142         36         143         36         50         23         79         16         9         25         1         -         1         2         -         3           500         422         92         422         35         34         45         99         35         34         69         -         2         1         1         2         -         3         1           940         690         1630         1630         164         68         178         15         43         94         1         1         1         5         1		Vidyavaridhi Total( 32-34)	129	99	195	Н	Н	Н	Н	48	21	4	Н	Н	H	ŀ	·	•	7	
96 2 440 268 708 224 142 366 142 94 236 50 23 79 16 9 25 1 - 1 2 - 1 2 - 1 96 1 500 422 922 216 159 375 212 135 366 54 45 99 35 34 69 3 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1		Research program Total (31-34)	165	30	245	Н	Н	Н	Н	9	22	4	Н	Н	Н	Н	٠	-	~	
9e 1         500         422         92 2         216         159         375         212         135         366         54         45         99         35         34         69         -         -         -         -         3         1           1, 2         940         690         1630         440         301         741         354         229         602         104         68         178         51         43         94         1         1         5         1		Total (18-34) Page 2	440	268			_		-	236	20	23				_	'	1	7	,
1, 2 940 690 1630 440 301 741 354 229 602 104 68 178 51 43 94 1 1 5 1		8	200	422	$\vdash$		-		-	-		5	-	-			٠	٠		
		Ŧ,	940	-	_	-	-	_	-	-	-	_	-			_		1	10	-

RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA :: TIRUPATI – 517 507 (A.P.)
Statement showing the enrolment of students made during the academic year 2018-19

Г	H	-	-	•	-	~	4	•
Ž	•	-	-	•	-	-	-	-
L	=	-	-	•	-	~	*	•
E	H	-	-	•	-	-	-	-
5	0	-	-	•	-	-	-	·
Σ	-	-	-	٠	-	-	-	-
L	H	-	~	~	7	≈	2	3
F	0	-	Н	-	~	•	z	ŧ
L	٠	-	4	-	~	2	2	2
l	H	-	۰	•	1	5	8	5
×	0	-	m	*	2	2	ŧ	2
L	٠	-	-	•	•	ş	ž	Ξ
Г	H	•	7	3	82	236	300	8
2	6	•	1	2	37	ţ	138	902
L	-	•	æ	z	2	3	22	Ş
Γ	ŀ	-	ž	ž	8	300	378	ă
ĕ	b	-	9	2	2	3	2	3
Г	F	-	2	2	ŧ	52	92	105
Ę		=	8	3	178	902	650	1908
firefra		•	ŝ	9	2	8	62	3
Total	-	-	ş	¥	9	ş	9	9501
					Total Page X	Tutal Page 3	Total Page 1	otel Pege (1-37)
	Manua of the Course	Tificete Courses	nome Courses	1. Diploma Courses	(18-17)			Grand Yo
	A THE COURT	35 Certificate Courses	36 Oiplome Courses	97 P.G. Diploma Courses	(AB-17)			Grand Tot

PH TOTAL EXCLUSING

8,0

7AQ03

# एससी., एसटी और ओबीसी के लिए छात्रवृत्तियाँ:

एससी, एसटी और ओबीसी छात्रों के लिए आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा स्वीकृत छात्रवृत्ति नियमित रूप से विद्यापीठ द्वारा वितरित की जाती है।

#### आरक्षण नियम पालन

विद्यापीठ सरकार द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार एससी, एसटी और ओबीसी उम्मीदवारों के लिए आरक्षण के नियम को सख्ती से लागू कर रहा है। भारत और यूजीसी समय-समय पर छात्रों को विभिन्न पाठ्यक्रमों प्रकृत-शास्त्री, शास्त्री, आचार्य, शिक्षा शास्त्री (बीएड), शिक्षा आचार्य (एमएड), एम.फिल में प्रवेश के मामले में। और विद्यावारिधि (पीएचडी) और नियुक्तियों के मामले में भी यानी टीचिंग और नॉन-टीचिंग स्टाफ।

#### योग्यता छात्रवृत्तियाँ -

अंतिम योग्यता परीक्षाओं में प्राप्त अंकों / मेरिट के प्रतिशत के आधार पर छात्रों को मेरिट छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। प्राक-शास्त्री I वर्ष के छात्रों, II वर्ष, Sastri I, II, III वर्षों और आचार्य I और II वर्षों में प्रत्येक शास्त्र के छात्रों को मेरिट छात्रवृत्ति दी जाती है।

#### II. व्यावसायिक पाठ्यक्रम

#### शिक्षा संकाय

शिक्षा विभाग माध्यमिक विद्यालय के लिए शिक्षकों को तैयार करने के लिए संस्कृत में पूर्व-सेवा कार्यक्रम प्रदान करता है। यह संस्कृत सीखने के लिए और संस्कृत शैक्षणिक अनुसंधान को विकसित करने के लिए स्व-शिक्षण किट तैयार करने में भी शामिल है। इस विभाग के अंतर्गत निम्नलिखित पेशेवर कार्यक्रम पेश किए जाते हैं:

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अवधि	स्थान की संख्या
1.	शिक्षा शास्त्री (बी.एड.)	दो वर्ष	100
2.	शिक्षा आचार्य (एमएड)	दो वर्ष	50
3.	एम.फिल इन एजुकेशन	एक वर्ष	19
4.	विद्यावारिधि (पीएचडी)	2-5 वर्ष	सूची पिछले पृष्ठ में संलग्न है

#### III. अनौपचारिक शिक्षा:

DEB की दूरस्थ शिक्षा परिषद ने वर्ष 2003-04 से दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम शुरू करने के विद्यापीठ के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। प्रो. Ch.P. सत्यनारायण, प्रोफेसर, अनुसंधान और

प्रकाशन विभाग को इसके निदेशक के रूप में विद्यापीठ के दूरस्थ शिक्षा केंद्र की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

#### वर्ष 2018-19 के लिए प्रस्तावित कार्यक्रमों और नामांकन का विवरण

विद्यापीठ के दूरस्थ शिक्षा केंद्र और वर्ष के लिए नामांकन के माध्यम से निम्नलिखित कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए हैं:

क्र.सं. कार्यक्रम का नाम	अवधि	भर्ती
1. प्राक-शास्त्री	2 वर्ष	23
2. शास्त्री / बी.ए.	3 वर्ष	60
3. आचार्य	2 वर्ष	101
4. योगविज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	1 वर्ष	83
5. संस्कृत में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम	1 वर्ष	96
6. संस्कृत में डिप्लोमा	1 वर्ष	54

उपरोक्त सभी पाठ्यक्रमों के लिए ग्रैंड टोटल 417 संपर्क कक्षाएं विश्वविद्यालय परिसर में वर्ष में दो बार आयोजित की जा रही हैं।

## (आ). अनुसंधान

प्रवेश - विद्यापीठ साहित्य / व्याकरण / ज्योतिष (फिलित, और सिद्धान्त) में विद्यावारिधि (पीएच.डी.) प्रदान करता है। न्याय / अद्वैत वेदांत / विश्वस्तत्व वेदांत / द्वैत वेदांत / वेदभाष्य / आगम और शिक्षा। विद्यापीठ ने इस उद्देश्य के लिए विद्यापीठ द्वारा नियुक्त किए गए परीक्षकों द्वारा उनके शोध कार्य का विधिवत मूल्यांकन किए जाने के बाद यूजीसी के नवीनतम दिशानिर्देशों के आधार पर विद्यापीठ के नियमों के अनुसार दाखिला लिया। डिग्री के संस्कृत संस्करण में विद्यावार्धि नाम होगा और डिग्री के इसी अंग्रेजी संस्करण में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी होगा।

पीएचडी से सम्मानित छात्रों की संख्या दर्शाने वाला वक्तव्य विभिन्न विभागों में डिग्री।

SNo	V.V No	Name of the Student	Subject	Guide	Title
	VV-614	Iswarachandra M.	Jyotisha	Prof. A. Sripada Bhat	श्रीकम् स्छुवाचीरिक्टस्य दैवम्भिकासस्य सटन्नेरस्तण्डस्य समीक्षात्मकं समाद्गम्
	VV-599	Siprarani Pradhan	Puranethasa	Dr. Paramita Panda	श्रीविद्यायमीत्तरदुराणान्तमंत्रवोः हंस - यादुरगीत्राचोः समाक्षेत्रकात्मकमध्ययनम्
	VV-617	Dhavala V.S.S.R. Prasad	Vyakarana	Prof. S. Satyanarayana Murty	भीमान्बर्ध्वपीतायाः परिभाषेन्दुरोसरम्यास्ययाः परिभाषार्थमञ्ज्याः सम्पादनमञ्जयनम
	VV-619	Vipin G. Nair	Vyakarana	Prof. R.L. Narasimha Sastry	वैपाकरणसिक्वान्तर्कोमुद्धाः सुमनोरमास्ययमस्यायाः तद्वितभागम्य समीवात्मकं समादनम्
	VV-620	Sayanto Mahato	Sahitya	Prof. Ch.P. Safyanarayana	चन्द्रच्यणीतकार्तवीचौद्यकाव्यस्य पाठसमीक्षात्मकं सम्पाद्नमभ्ययनम्
	VV-628	Saudamini Tripathy	Sahitya	Prof. G.S.R. Krishna Murthy	श्रीनीट्यद्वीस-सेपादीशयोः भक्तिमद्वित्यानुधीलनम्
	VV-593	Hrusikosha Sahu	Jyotisha	Dr. Krishneshwar Jha	मुहर्तमार्तेण्ड - मुहर्तस्तयोः तीत्रीक्तम् अध्ययकम्
	W-626	Karanam Badarinath	Sahitya	Prof. K. Raja Gopalan	फ्सताने प्रकथनियांशाः
	Z9-AA	Kalakuri Sivajyothirmayi	Sahitya	Prof. K. Raja Gopalan	श्रीकोरास्यामचन्द्रकविविधिक्तस्य धनवृत्तकात्यस्य समीधात्मकमध्यपनम्
91	W-602	Nutani Grahacharya	Jyotisha	Dr. V. Unnikrishnan Nampiyathiri	जन्मकुण्डडीप्रशिलनसुरस्सरं कुलक्षरचेगानां निस्प्यम्

अवितस्थवस्दाचार्यविराचितस्य तत्त्वसारस्य विशिष्टमध्ययनम्	अाधुनिकहिन्दुविधौ दलकव्यवस्थायाः धर्मेधास्तदृष्ठा अनुद्योलनम्	han स्पन्डदेवकृतमष्ट्ररहस्यकौण्डमहुकृतमूष्णसारयोः तौलनिकम् अध्ययनम्	an न्यायरक्रमालायाम् अन्ननिर्णयपरिच्छेदस्य विशिष्टमाध्ययनम्	कालसारकालमाधवयोस्तुलनात्मकमध्ययनम्	ha Murthy समन्वयाच्यायस्य प्रयमगदशाहुरभाष्यन्यायरक्षामण्योः दुलनात्मकमध्ययनम्		Bhat		Bhat		. Rao छात्राणां प्रतिमासंबर्धने मूल्यक्षियायाः योगदानम्	Bhat		a Murthy मातुश्रीस्तोत्रसाष्ट्रितीपरिशेकिनम्	a Murthy ममेनारायणद्विवेदिराचितस्य श्रीम्द्रामचरितमानसकाव्यस्य अल्द्कारशाब्स्हष्ठा। समीक्षणम्	मासरूपकेषु लोकव्यवहारः एकमध्ययनम्	चयनविषये कात्याययनश्रौतसूत्रस्य प्रमुखसूत्रान्तौरस्सह तुलनात्मकमध्ययनम्	n Panda धर्मशास्त्रे ग्रो. किशोरचन्द्रमहापात्राणामयदानम्
Prof. K.E. Devanathan	Dr. Sitansu Bhusan Panda	Prof. K.E. Devanathan	Dr. T.S.R. Narayanan	Prof. Sripada Bhat	Prof. M.L. Narasimha Murthy		Prof. K. Ganapathi Bhat		Prof. K. Ganapathi Bhat		Dr. S. Muralidhara Rao	Prof. K. Ganapathi Bhat		Prof. G.S.R. Krishna Murthy	Prof. G.S.R. Krishna Murthy	Dr. J.B. Chakravarthy	Dr. Niranjan Mishra	Dr. Sitansu Bhusan Panda
Visistadvaita Vedanta	Dharmasastra	Mimamsa	Mimamsa	Dharmasastra	Advaita	Vedanta	Advaita	Vedanta	Advaita	Vedanta	Education	Advaita	Vedanta	Sahitya	Sahitya	Sahitya	Vedabhashyam	Dharmasastra
A.T. Bathri	Saroj Kumar Kar	Krishna Joshi	M. Venkata Narayana	Debabrata Panda	Ganesh Flegde		Tanushree Bhanj Deo		Shinde Manoj Angad		Gobinda Sarkar	Ayachit Shantanu Ambadas	Rao	Ravi Teja Avadhanulu	V.R.S.P. Durga Gunturi	Tappetla Chitti Babu	Sapan Kumar Panda	Reetanjali Puhan
VV-622	VV-624	VV-621	VV-629	VV-625	VV-633		VV-635		VV-643		VV-636	VV-674		VV-623	VV-631	069-VV	VV-640	VV-639
11	12	13	41	15	16		17		18		19	20		77	72	23	24	25

Prof. K. Ramasuryanana	Prof. R.L. Narasimha Sastry	Prof. J. Ramakrishna	Prof. J. Ramakrishna	Prof. J. Ramakrishna	Prof. J. Ramakrishna	Dr. K. Kadambini	Prof. O.S. Ramlal Sarma	Dr. K. Kadambini पाठसमाप्नकौष्टाना विकासे सूक्ष्मिक्षणस्य प्रभावः	Dr. R. Chandrasekhar	Prof. S. Sudarsana Sarma	Prof. Ch.P. Satyanarayana	Prof. G.S.R. Krishna Murthy पश्चमहाकाव्येषु ओजोगुणविमक्षीः	Prof. G.S.R. Krishna Murthy पश्चमहाकाव्येषु अर्थान्तसन्यासविन्यासाः	Dr. N.R.R. Tatacharya पाणिनीयदिशा महाभारतस्य शल्यम्बँणः विशिष्टमञ्ययनम्
Sahitya	Sahitya	Vyakarana	Vyakarana	Vyakarana	Vyakarana	Education	Nyaya	Education	Education	Sahitya	Sahitya	Sahitya	Sahitya	Vyakarana
Thotakura Aravinda	G. Sumedha	Kasturi V.V.S.A.R. Chandra Sekhar	L. Savita Arya	B. Rajeswara Rao	Kanapala Kumar	V.G.K. Acharyulu Koganti	N.K. Jagannathan	Arupam Samanta	Kumar Bagewadimath	Salunke Rohit Vishnu	P. Seshavataram	Ravi Nagalakshmi	Chilukuri Venkata Kota Satya Phani Kumar	D. Ravindra Babu
VV-646	VV-662	VV-647	VV-648	VV-681	VV-644	6 <del>99-</del> ΛΛ	VV-632	VV-656	/99-AA	099-00	0/9-0/0	VV-653	VV-663	VV-618
26	22	88	83	93	ᄧ	32	æ	ਲ ਲ	35	%	37	88	SS	4

41	VV-645	Raghava K.L.	Nyaya	Prof. PTGY Sampathkumaracharyulu	पङ्गमत्पुपाच्यापविद्यिसानुमान्तरत्विभतामगिष्रभाषाः अध्ययमम्
42	VV-659	Bh. Tukaram	Jyotisha	Prof. Ch.P. Satyanarayana	मद्राभारते ज्यीतिषानुशीलनम्
43	1/9-AA	R. Lakshmi Narayana	Sankhya Yoga	Dr. D. Jyothi	योगरहस्यस्य विशिष्टमञ्जयनम्
44	VV-649	Thotakura Chaithanya	Sahitya	Prof. K. Ramasuryanarayana	द्शस्यद्विवेदिविस्चतस्य जानकीजीवनमहाकाव्यस्य अलङ्कारशास्त्रहष्ट्या अध्यक्षम्
45	VV-665	Sunil Kumar Thakur	Education	Prof. Rajanikanta Shukla	बिहारराज्ये संस्कृताज्ययनं प्रति माध्यमिकस्तरीयच्छात्राणामभिरूचेः सर्वेक्षणम्
46	VV-672	Raghavendra Bhat	Education	Prof. Prahlad R. Joshi	माध्यमिकस्तरे संस्कृताध्ययनसमस्याना प्रयोगात्मकमध्ययनं पिद्धारोपायश्च
47	W-680	Ranjan Rath	Sahitya	Prof. C. Ranganathan	ब्दुन्छप्रसावृशास्त्रिणां कृतीनां काम्यशास्त्रीयमध्ययनम्
48	789-VV	Shiben Maji	Education	Dr. R. Chandrasekhar	हिसादर्शने आदर्शवादमकृतिवादपरिपेक्ष्ये प्राच्याश्चात्त्यचिन्त्धाना तौलिनकमध्ययनम्
49	VV-655	Sukram Munda	Education	Dr. R.G. Tripathy	किरातार्जुनीयम्हाकान्ये मनोवैह्यानिकतत्त्वानामेकमध्ययनम्
20	VV-677	Pragati Dikshit	Education	Prof. Prahlad R. Joshi	मारतीयास्तिकदर्शनेषु संवर्णितानां रौक्षिकमनोवैज्ञानिकरात्त्वानाघ्ययनम्
51	NV-678	Krishnanand Dannana	Education	Prof. V. Muralidhara Sharma	आपस्तम्ब-बौधायन-गौतमधर्मसूत्रोशीतवीशिष्कतत्त्वानामध्ययनम्
52	VV-682	Dharmadasan V.	Jyotisha	Prof. V. Unukrishnan Nampiyathiri	माथवाचार्यप्रणीतविद्यामाथवीषोक्तजोडस्सैस्कराणां मुहूत्तांनां समीक्षात्मकमध्ययनम्
83	VV-638	Gyan Ranjan Ganesh	Education	Prof. K. Ravisankar Menon	प्राच्यपाधात्यवृद्यंनिकानां नारीक्षिक्षाविषयकाऽवधारणायाः तौकनिकमध्ययनम्
25	VV-683	Tatta Pavan Kumar	Agama	Prof. V.S. Vishnu Bhattacharyulu	श्रीपरमपुरुषस्त्रीहृतायाः विमर्शात्मकमध्यपनम्
55	VV-685	Sharmistha Routh	Education	Prof. Rajarukanta Shukla	व्यक्तित्वस्य निर्माणविकासयोः शैक्षिकमनोवैङ्गानिकतत्त्वानामध्ययनम्
36	VV-658	Prabhasini	Vyakarana	Prof. R.L. Narasimha Sastry	महर्षिद्यानन्दकृत ऋष्देदभाष्ये पाणिनीष्य्याकरणस्य प्रभावः
22	VV-673	Belapurkar Charusheela	Vyakarana	Prof. V. Muralidhara Sharma	पञ्चपाङ्गणादियऽवृत्तीनां तौक्रनिकमध्ययनम्
		Rajan			

# (इ). पुस्तकें प्रकाशित

विद्यापीठ ने वर्ष 2018-19 के दौरान निम्नलिखित मूल्यवान प्रकाशनों को प्रकाशित किया।

#### क्र.सं. पुस्तक का नाम

- 1) महास्विनी (10 वीं खंड।)
- २) भास्करियबीजगणितम्
- 3) श्रीचैतन्यजीवनम् (सचित्रम्)
- 4) पञ्चलक्षणी सिंहव्याघ्रलक्षणे च
- ५) मीमांसाशास्त्रप्रवेशिनी (खण्ड I और II)
- ६) संस्कृतव्याकरणशास्त्रप्रवाशिनी
- 7) संस्कृतसाहित्यशास्त्रप्रवेशिनी

#### लेखक / संपादक

प्रो.के. सूर्यनारायण वेण गोपाल डी. हेरूर

डॉ.निरंजन मिश्र

प्रो.एन.एस.रामानुजताताचार्य

डॉ. श्रीराम ए.एस.

प्रो.जे.रामकृष्ण

प्रो. जी.एस.आर.कृष्णमूर्ति

प्रो. वी. मुरलीधर शर्मा प्रधान संपादक

## शेमुषी - विद्यापीठ का समाचारपत्र:

विद्यापीठ नियमित रूप से एक इन-हाउस पत्रिका प्रकाशित करता है जिसे शेमुषी कहा जाता है। यह समाचार पत्र विद्यापीठ की समग्र गतिविधियों पर केंद्रित है और भारत के सभी विश्वविद्यालयों और प्रमुखों को भेजता है। डॉ..सोमनाथ दाश इसके सम्पादक हैं और प्रो.जी.एस.आर.कृष्णमूर्ति, कुलसचिव प्रकाशक हैं।

## (ई) प्रशिक्षण

#### (क) उपचारात्मक शिक्षण केंद्र -

उद्देश्यः विद्यापीठ ने XI योजना अनुदान के तहत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की वित्तीय सहायता से शैक्षणिक वर्ष 2007-08 से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यक छात्रों के लिए उपचारात्मक कोचिंग सेंटर शुरू किया है। यह कोचिंग सेंटर एससी, एसटी और अल्पसंख्यक वर्ग के छात्रों के लिए कक्षाएं संचालित करता रहा है। अन्य श्रेणियों से संबंधित छात्रों और जिनकी आवश्यकता है, उन्हें भी कोचिंग कक्षाओं में भाग लेने की अनुमति है। UGC ने मार्च, 2020 तक कार्यक्रम को आगे बढ़ाया है।

शैक्षणिक वर्ष 2018-19 के लिए कोचिंग कक्षाएं: सितंबर, 2018 में उपचारात्मक कोचिंग कक्षाएं शुरू हुईं और मार्च, 2020 तक जारी रहेंगी।

निम्नलिखित कार्यक्रम रिपोर्ट के तहत वर्ष के लिए कवर किए गए थे: (1) आचार्य I वर्ष (2) आचार्य II वर्ष (3) शास्त्री I वर्ष (4) शास्त्री द्वितीय वर्ष (5) शास्त्री तृतीय वर्ष (6) प्राकृत-शास्त्री I वर्ष (7) प्राक-शास्त्री II वर्ष और (8) शिक्षा शास्त्री (बी.एड.)। कोचिंग से लगभग 594 छात्र लाभान्वित हुए। कक्षाओं को पढ़ाने के लिए लगभग 44 संकाय सदस्य लगे हुए थे। रेमेडियल कोचिंग सेंटर ने अध्ययन सामग्री की आपूर्ति की और समय-समय पर परीक्षा आयोजित की।

(ख) अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन-क्रीमी लायर) और अल्पसंख्यक समुदाय के छात्रों के लिए शिक्षण काक्षाएँ

UGC [दिनांक 15.9.2016 को उनके पत्र क्रमांक F / No.RSVT / SC / ST / OBC XII योजना को मंजूरी दी है, SC / ST / OBC (गैर-मलाईदार परत) और अल्पसंख्यक समुदाय के छात्रों के लिए सेवाओं में प्रवेश के लिए कोचिंग कक्षाएं स्वीकृत की हैं। विद्यापीठ संस्था में पढ़ने वाले छात्रों के लाभ के लिए।

योजना का उद्देश्य: योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से वंचित अनुसूचित जाति (एससी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) उम्मीदवारों के लिए अच्छी गुणवत्ता की कोचिंग प्रदान करना है तािक वे प्रतियोगी परीक्षाओं में उपस्थित हो सकें और सार्वजनिक / नौकरी में अनुचित नौकरी प्राप्त करने में सफल हो सकें। निजी क्षेत्र। प्रो. पी। वेंकट राव, प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, कार्यक्रम के समन्वयक हैं।

NET कोचिंग सेंटर: NET कोचिंग क्लासेस का आयोजन वर्ष 2018-19 के दौरान किया गया था। प्रो. सत्यनारायण आचार्य समन्वयक हैं। संचालन में यूजीसी योजनाएं:

- Ounsel छात्रों को रोजगार के अवसर खोजने के लिए कैरियर और परामर्श कक्ष
- Education दर्शन और शिक्षा के विभागों के लिए विशेष सहायक कार्यक्रम (DRS-1) और साहित्य के लिए DRS- II।

- उपचारात्मक कोचिंग, नेट कोचिंग और सेवाओं में प्रवेश एससी / एसटी / ओबीसी / अल्पसंख्यकों से संबंधित छात्रों के लिए तीन विशेष योजनाएं सफलतापूर्वक आयोजित की जाती हैं।
- संकाय सुधार कार्यक्रम और संकाय सदस्यों द्वारा अध्ययन यात्रा की सुविधा।
- आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल (IQAC) जो समय-समय पर संकाय सदस्यों के प्रदर्शन और विद्यापीठ में बुनियादी सुविधाओं के सुधार का आकलन और मूल्यांकन करने और प्रत्यायन की प्रक्रिया में NAAC सहकर्मी टीम की सहायता करने के लिए कार्यान्वित है।

# छात्रों की भागीदारी

#### खेल -

विद्यापीठ के छात्रों ने भारत के विभिन्न हिस्सों के अंतर विश्वविद्यालय खेल प्रतियोगिता में भाग लिया था। वे निम्नांकित है।

- 1. अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय बैडिमेंटन खेल प्रतियोगिता एस आर एम संस्थान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, चैन्नई द्वारा दिनांक 11 से 16 दिसंबर, 2018 को आयोजित किया गया। 8 छात्रों की टीम ने भाग लिया।
- 2. एस आर एम विश्वविद्यालय, चेन्नई द्वारा दिनांक 8-14 दिसंबर 2018 तक आयोजित दक्षिण अंचल अंतर विश्वविद्यालय वालीबाल (पुरुष) खेल प्रतियोगिता में 8 छात्रों की टीम ने भाग लिया।
- 3. एस.वी.विश्वविद्यालय, तिरुपित में दिनांक 25-28, अक्टूबर, 2018 को आयोजित दिक्षण क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय खो-खो (पुरुष) खेल प्रतियोगिता में 12 छात्रों की एक टीम ने भाग लिया।
- 4. एस.आर.एम.विश्वविद्यालय, चेन्नई द्वारा दिनांक 18-23, दिसंबर, 2018 को आयोजित दक्षिण अंचल अंतर विश्वविद्यालय कबड्डी (पुरुष) खेल प्रतियोगिता में 10 छात्रों से युक्त एक टीम ने भाग लिया।
- 5. शारीरिक शिक्षा विभाग ने वर्ष 2018-19 के लिए वार्षिक दिवस के अवसर पर विद्यापीठ के छात्रों और कर्मचारियों के लिए वार्षिक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन

किया। विशेष आमंत्रित अतिथियों द्वारा विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। श्री नागय्या हीरेमत, आचार्य द्वितीय वर्ष और एस.अभिख्या आचार्य द्वितीय वर्ष, पुरुषों और महिलाओं के चैंपियन के रूप में चुने गये। श्री वी.सेतुराम और डाँ.के.लीना चंद्रा कर्मचारियों में से चैंपियन थे।

#### सांस्कृतिक और भाषण प्रतियोगितायें -

- 1. 9 सदस्यों की एक टीम ने इस्काँन तिरुपित द्वारा जिला स्तारीय वार्षिक अंतर काँलेज प्रतियोगिताओं में अंग्रेजी, तेलुगु, चित्रलेखन स्पर्धाओं दिनांक 21-25 अगस्त 2018 को भाग लिया।
- 2. दिनांक 2-3 नवंबर 2018 को विद्यापीठ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान की राज्य स्तरीय शास्त्रों की प्रतियोगिताओं में विद्यापीठ के छात्रों ने भाग लिया।
- 3. त्रिपुरा में जनवरी 2019 के दौरान रा.सं.संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित अखिल भारतीय भाषण प्रतियोगिता में विद्यापीठ के चयनित छात्रों ने भाग लिया।
- 4. विद्यापीठ के छात्रों ने जनवरी 2019 ग्लोरी-फेस्ट के दौरान पुरी, ओडिशा में आयोजित हिंदुस्तानी संगीत, लैट वोकल, लोक नृत्य, वयोलिन आदि प्रतियोगिताओं में भाग लिया।
- 5. विद्यापीठ के छात्रों ने दिनांक 4-7 फरवरी 2019 को 13 वीं अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा महोत्सव, रा.सं.विद्यापीठ में भाग लिया । विभिन्न भाषण और सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया ।
- 6. विद्यापीठ के छात्रों ने यूजीसी द्वारा आयोजित नेट / जेआरएफ परीक्षाओं में भाग लिया और 7 से अधिक छात्र योग्यता प्राप्त की।

# II. सह पाठ्यक्रम गतिविधियाँ

#### (अ). वाग्वर्धिनी परिषद -

शैक्षणिक वर्ष 2018-19 के दौरान राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के अंतर द्वारिक भवन में दिनांक 02.08.2019 को वागवर्धनी परिषद का उद्घाटन किया गया। श्री एन. मुक्तेश्वर राव, सेवानिवृत्त आईएएस - परियोजना अधिकारी - तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम, तिरुपति, समारोह के मुख्य अतिथि थे। राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के माननीय कुलपति प्रो. वी. मुरलीधर शर्मा समारोह के अध्यक्ष थे। इस अवसर पर संकाय सदस्य और छात्र उपस्थित थे। डॉ. एस मुरलीधर राव इस कार्यक्रम के सह - समन्वयक थे।

- 1. वाग्वर्धिनी परिषद ने सफलतापूर्वक साप्ताहिक प्रतियोगिता सत्रों को आयोजित किए और छात्रों का संस्कृत बोलने की क्षमता को विकसित करने के लिए विशेष सुझाव दिए।
- 2. वाग्वर्धिनी परिषद ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा जारी किए गए आदेश के अनुसार विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया है।
- 3. वाग्वर्धनी परिषद ने छात्रों के कल्याण के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया i। राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता।
- ii. राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति की वार्षिक प्रतियोगिताएं
- 4. विद्यापीठ के छात्रों ने पूरे भारत में विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिए और वाग्वर्दिनी परिषद के मार्गदर्शन में पुरस्कार जीते।

# विभिन्न प्रतियोगिताओं में छात्रों द्वारा जीते गए पुरस्कार :-

#### घटना:

- (१) जिला स्तरीय वार्षिक अंतर कॉलेज प्रतियोगिता, इस्कॉन तिरुपति (दिनांक 21 से 25 अगस्त, 2018)
- 1. एस.अभिक्य अंग्रेजी वाद विवाद प्रथम पुरस्कार
- 2. पी.एस.अंगद अंग्रेजी वाद विवाद तृतीय पुरस्कार
- 3. वाई. प्रसन्नांजली तेलुगु वाद विवाद तृतीय पुरस्कार
- 4. डी. श्रीनिवास राव तेलुगु वाद विवाद सांत्वना

- 5. वाई.मणिकांत तेलुगु वाद विवाद सांत्वना पुरस्कार
- 6. सावरी मीनाक्षी प्रकाश शास्त्री अंग्रेजी वाद विवाद द्वितीय पुरस्कार
- 7. जी. वेंकटेश्वरुलु तेलुगु निबंध लेखन द्वितीय पुरस्कार
- 8. अमरेश प्रधान चित्रलेखन प्रतियोगिता प्रथम पुरस्कार
- 9. प्रतिभा साहू चित्रलेखन प्रतियोगिता सांत्वना पुरस्कार

## (२) राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता (भाषण प्रतियोगिता)

- 1. श्री तेजा नंदनम व्याकरण प्रथम पुरस्कार
- 2. के.जमाल साहित्य प्रथम पुरस्कार
- 3. एस.अभिख्या न्याय प्रथम पुरस्कार
- 4. रश्मि जेना सांख्य योग प्रथम पुरस्कार
- 5. सिद्धार्थ शंकर पंडा मीमांसा प्रथम पुरस्कार
- 6. पी.एस.अंगद ज्योतिष प्रथम पुरस्कार
- 7. संजय कुमार रथ जैन बौद्ध प्रथम पुरस्कार
- 8. कुमुद पाढी वेदभाष्य प्रथम पुरस्कार
- 9. चित्तरंजन गिरि साहित्य शलाका प्रथम पुरस्कार
- 10. स्वाति इस्वर लोड़ व्याकरण सालका प्रथम पुरस्कार
- 11. टी बी के बाला हनुमान सिद्धांता ज्योतिष सलका प्रथम पुरस्कार
- 12. हरिपाद बेरा शास्त्रार्थ विचार द्वितीय पुरस्कार
- 13. शिवानी शर्मा अमरकोश का कंठस्थ प्रथम पुरस्कार
- 14. मैत्रेयी आर्य अष्टाध्यायी का कंठस्थ प्रथम पुरस्कार
- 15. टी.हरिप्रिया धातुरूप का कंठस्थ प्रथम पुरस्कार
- 16. उमामहेश्वर राव भगवद्गीता का कंठस्थ प्रथम पुरस्कार
- 17. प्रभा शर्मा अंत्याक्षरी प्रथम पुरस्कार
- 18. अरविंद नायक प्रश्नोत्तरी प्रथम पुरस्कार

## 19. पबित्र कुमार नंदा - प्रश्नोत्तरी – प्रथम पुरस्कार

## (३) महिमा उत्सव - पुरी, ओडिशा - जनवरी 2019

- 1. दर्शना राय शास्त्रीय गीत तृतीय पुरस्कार
- 2. एस.महती प्रकाश स्वर प्रथम पुरस्कार
- 3. टी. वागधीश्वरी वायलिन (वाद्य) तृतीय पुरस्कार

# (४) अगरतला में राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान की अखिल भारतीय प्रतियोगिता। (दिनांक - जनवरी 2019)

- 1. वी. उमा महेश्वर राव प्राकशास्त्री- I भगवद्गीता का कंठस्थ 1 (स्वर्ण पदक)
- 2. टी.हरिप्रिया धातुरूप का कंठस्थ 2 (रजत पदक)
- 3. संजय कुमार रथ जैन बौद्ध भाषण प्रतियोगिता 3 (कांस्य पदक)
- 4. शिवानी शर्मा अमरकोश का कंठस्थ सांत्वना पुरस्कार
- 5. मैत्रेयी आर्य अष्टाध्यायी का कंठस्थ प्रथम (स्वर्ण पदक)
- 6. पी.एस.अंगद ज्योतिषीय भाषण प्रतियोगिता तृतीय (कांस्य पदक)
- 7. टी. बालहनुमान ज्योतिषा शलाका (प्रथम)
- 8. अरबिंद नायक प्रश्नोत्तरी प्रथम (स्वर्ण पदक)
- 9. पबित्र कुमार नंदा प्रश्नोत्तरी प्रथम (स्वर्ण पदक)

#### (५) संस्कार भारती शलाका स्पर्धा, वाराणसी

1. सिद्धार्थ शंकर पंडा – मीमांसा अर्थसंग्रह शलाका – तृतीय पुरस्कार

# (६) १२ वीं अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा महोत्सव

(दिनांक: 31 जनवरी से 3 फरवरी 2018 तक)

- 1. प्रभा शर्मा अंत्याक्षरी द्वितीय पुरस्कार
- 2. टी. वागधीश्वरी संस्कृत गीत प्रतियोगिता द्वितीय पुरस्कार

- 3. यदुश्री के.पी. साहित्य भाषण प्रतियोगिता तृतीय पुरस्कार
- 4. एस.अभिख्या न्याय भाषण प्रतियोगिता प्रथम पुरस्कार
- 5. श्रीतेजा नंदनम व्याकरण भाषण प्रतियोगिता प्रथम पुरस्कार
- 6. संजय कुमार रथ वेद भाष्य भाषण प्रतियोगिता प्रथम पुरस्कार
- 7. संजय कुमार रथ धर्मशास्त्र भाषण प्रतियोगिता सांत्वना पुरस्कार
- 8. प्रभा शर्मा पुरणेतिहास भाषण प्रतियोगिता प्रथम पुरस्कार
- 9. सी.महेश वेदांत भाषण प्रतियोगिता प्रथम पुरस्कार
- 10. सिद्धार्थ शंकर पंडा मीमांसा भाषण प्रतियोगिता सांत्वना पुरस्कार
- 11. साईश्वरी सारंगी एकपात्राभिनय द्वितीय पुरस्कार
- 12. विष्णु दास के.एस. एकपात्राभिनय द्वितीय पुरस्कार

उपरोक्त सभी कार्यक्रम वाग्वर्धिनी परिषद के संयोजक डॉ.मुरलीधर राव और डॉ..सोमनाथ दाश तथा सहसंयोजक डॉ..सीहेच. नागराजु के मार्गदर्शन में आयोजित किए गए थे।

#### (आ). मैक्स मुलर इंग्लिश क्लब -

अंग्रेजी विभाग के संकाय के मार्गदर्शन में स्वयं छात्रों द्वारा संचालित एक स्वैच्छिक संगठन का उद्देश्य विद्यापीठ के छात्रों के बीच अंग्रेजी में वक्तृत्व और संचार कौशल विकसित करना है। प्रत्येक सप्ताह के अंत में गतिविधियों का आयोजन किया जाता है जिसमें वाद-विवाद, अभिरुचि, रोल-प्ले, निबंध / कहानी लेखन, वार्तालाप अभ्यास, फिल्म की स्क्रीनिंग आदि शामिल हैं। यह साहित्यिक प्रशंसा को भी प्रोत्साहित करता है।

#### (इ). तुलसीदास हिंदी परिषद-

यह विद्यापीठ का भाग है जो छात्रों द्वारा चलाया जाता है। यह छात्रों को हिंदी में वक्तृत्व और संप्रेषणीय कौशल विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करता है। इसमें छात्रों की छिपी हुई प्रतिभाओं को बाहर लाने के लिए नियमित रूप से योग, संगोष्ठी, प्रश्नोत्तरी और अन्य विभिन्न गतिविधियों / प्रतियोगिताओं का आयोजन करता है।

#### (ई). अन्नमाचार्य साहित्य कला परिषद-

छात्रों और संकाय सदस्यों से संबंधित एक साहित्यिक और सांस्कृतिक संगठन, अन्नमाचार्य साहित्य कलापरिषद प्रदर्शन कला में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है। पात्रता, निबंध लेखन, प्रश्नोत्तरी, कविता पाठ और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करता है। इस प्रकार तेलुगु भाषा, साहित्य और संस्कृति में छात्रों में छिपी हुई प्रतिभाओं को सामने लाता है।

#### (उ) सांस्कृतिक कला परिषद:

एक सांस्कृतिक संगठन जिसमें छात्र और संकाय सदस्य शामिल हैं, सांस्कृतिक कला परिषद प्रदर्शन कला में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करता है, जिससे छात्रों की प्रतिभा सामने आती है। यह अंतर-विश्वविद्यालयीय युवा उत्सवों आदि में भाग लेने के लिए सांस्कृतिक गणों को भी तैयार करता है।

इन के अलावा छात्रों संगीत, नाटक, खेल और अन्य विश्वविद्यालयों में आयोजित साहित्यिक प्रतियोगिताओं सहित कई पाठ्येतर गतिविधियों में भाग लेते हैं। स्वर्ण पदक हर साल छात्रों द्वारा विभिन्न शैक्षणिक, साहित्यिक और सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में अंतर-विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं में जीता जाता है। इसके अलावा खेल और कूद गतिविधियों में पुरस्कार जीते जाते हैं।

# III. पाठ्येतर गतिविधियों

# (अ) खेल और कूद

विश्वविद्यालय के पास शारीरिक शिक्षा का एक अलग विभाग है जो छात्रों को पूरे वर्ष खेल और खेल में नियमित प्रशिक्षण प्रदान करता है। विश्वविद्यालय में छात्रों की जरूरतों के लिए लकड़ी के फर्श के खानपान के साथ एक सुसज्जित और विशाल इंडोर स्टेडियम है। एक अन्य विशेष विशेषता यह है कि इनडोर स्टेडियम में एक अलग कमरे में रखे गए 16 उपकरणों के साथ एक व्यायामशाला भी शामिल है। नवीनतम और आधुनिक उपकरण जैसे ट्रेडिमिल, एब्डोमिन लेग वाइब्रेशन मशीन, साइकलिंग मशीन आदि, इनडोर स्टेडियम में उपलब्ध अतिरिक्त उपकरण हैं। महिला छात्रावास भी विशेष रूप से महिला छात्रों के लिए एक अलग व्यायामशाला के साथ प्रदान किया जाता है। यह सुविधा छात्रों को अपनी शारीरिक फिटनेस में सुधार करने में सक्षम बनाती है। विद्यापीठ में गैलरी के साथ आठ लाइनों 400 मीटर ट्रैक के साथ एक विशाल खेल का मैदान है और क्रिकेट, वॉली बॉल, फुट बॉल, कबड्डी, हॉकी आदि खेलने और खेल के संचालन के लिए भी प्रावधान है। विद्यापीठ के छात्र खेल और खेलों में आयोजित होने वाले सभी भारत और दक्षिण क्षेत्र, अंतर और इंट्रा विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं में भाग लेते रहे हैं। एक स्टोर रूम, लड़कों और लड़कियों के लिए अलग-अलग दो ड्रेसिंग रूम से मिलकर एक अलग इमारत है।

#### (आ) वार्षिक दिवस समारोह (2018-19)

एस.बी.रघुनाथाचार्य मुक्तांगण सभागर में दिनांक 10.2.2019 को विद्यापीठ का वार्षिक दिवस समारोह आयोजित किया गया था। महामहोपाध्याय ब्रम्हाश्री टी.श्रीहरि शर्मा, शतावधनी को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। प्रो. वी.मुरलीधर शर्मा, माननीय कुलपति समारोह के अध्यक्ष थे। प्रो.आर. सदाशिव मूर्ति, शैक्षिक संकाय प्रमुख और प्रो. जीएसआर कृष्ण मूर्ति, प्रभारी कुलसचिव, वाग्वर्धिनी परिषद के सभी समन्वयक मंच पर आसीन थे। कुलसचिव द्वारा विद्यापीठ के विकास की एक संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की गई थी। इस अवसर पर आगमा पंडितों को सम्मानित किया गया। विभिन्न श्रेणियों के खेल

प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार विशेष आमंत्रितों द्वारा किया गया था। खेल चैंपियनों को शील्ड प्रदान की गई।

पुरुष छात्रों में से - नागैया हिरामथ (आचार्य द्वितीय वर्ष), महिला छात्रों में से - एस. अभिख्या (आचार्य द्वितीय वर्ष) पुरुष कर्मचारियों से - श्री वी. सेतुराम (संगणकीय विज्ञान विभाग) महिला कर्मचारियों में से - डॉ.के.लीनाचंद्रा (साहित्य विभाग)

सांस्कृतिक और शैक्षिक प्रतियोगिताओं में भी गतिशील छात्रों को नकद पुरस्कार और शील्ड से सम्मानित किया गया।

## (इ) राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS):

विद्यापीठ के एन.एस.एस. कार्यक्रमों का उद्देश्य निस्वार्थ सेवा की ओर छात्रों की ऊर्जा को चैनलाइज़ करना है। विद्यापीठ में सात एनएसएस इकाई हैं, लड़कों के लिए चार और लड़िकयों के लिए तीन इकाई हैं। वर्ष 2018-2019 के लिए एनएसएस कार्यक्रम विद्यापीठ के छात्रों के नामांकन के साथ शुरू हुआ। योजना के समन्वयक प्रो.सत्यनारायण आचार्य हैं और इकाई अनुसार कार्यक्रम अधिकारी निम्नानुसार हैं: -

इकाई -1 डॉ. वी. रमेश बाबू (10.07.2019 तक, तदनंतर डॉ.ए.चंदुलाल 11.07.2019 से)

इकाई - 2 डॉ.आर.चंद्रशेखर

इकाई - 3 डॉ.ओ.जी.पी.कल्याण शास्त्री

इकाई - 4 - डॉ.पी.टी.जी. रंग रामानुजाचार्युल्

इकाई - 5 - डॉ.वाई विजयलक्ष्मी

इकाई - 6 - डॉ. डी. ज्योति

इकाई - 7 - डॉ के. लीना चंद्रा

#### स्वयंसेवक प्रतिनिधि -

संजय कुमार रथ हेमांगिनी मोहंती वाई.प्रसन्नांजली कार्तिक स्वामी कुमुद पाढी निम्नलिखित सभी कार्यक्रम स्वयंसेवकों (लडके) द्वारा आयोजित किए गए थे। प्रत्येक इकाई ने वर्ष 2018-2019 के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत 100 स्वयंसेवकों को पंजीकृत किया। इस प्रकार विद्यापीठ में 702 स्वयंसेवक एक साथ थे। उद्देश्य: विद्यापीठ की NSS इकाइयाँ समाज में अपने योगदान द्वारा कई लोगों के जीवन को परिवर्तित करने की आकांक्षा रखती हैं।

#### एनएसएस कार्यक्रम - विशेष शिबिर:

- \* दिनांक 23.02.2019 को राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के परिसर में एक दिवसीय स्वच्छ और हिरत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्वयंसेवकों ने कार्यक्रम में सिक्रिय रूप से भाग लिया और परिसर कि सफाई की। इस कार्यक्रम में कार्यक्रम अधिकारी डॉ.वी रमेश बाबू, डॉ.रंगरामानुजाचार्युलु, डॉ.वाई.विजयलक्ष्मी, डॉ.डी.ज्योति, डॉ.के.लीना चंद्रा ने भाग लिया और कार्यक्रम की सफलता के लिए स्वयंसेवकों को प्रोत्साहित किया।। प्रो.सत्यनारायण आचार्य, समन्वयक, एन.एस.एस. स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन किया।
- \* दिनांक 10 दिसंबर 2018 को संस्कृत साहित्य में मानव अधिकार उनके प्रबंधन में युवाओं की भूमिका पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। एन.एस.एस. इकाई 2 के कार्यक्रम अधिकारी संगोष्ठी के संयोजक थे। उद्घाटन सत्र डॉ..निरंजन मिश्र द्वारा किए गए। मंगलाचरण से सुबह 9 बजे आरंभ हुआ। गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया। एन.एस.एस. इकाई 3 के कार्यक्रम अधिकारी डॉ..कल्याण शास्त्री ने सभा का स्वगत किया। श्री माडभूषि दोरै राज, तिरुपति के वरिष्ठ अधिवक्ता मुख्य अतिथि थे और उन्होंने मानवाधिकारों के बारे में विस्तृत रूप से बताया। माननीय कुलपति प्रो.वि.मुरलीधर शर्मा उद्घाटन सत्र के अध्यक्ष ने प्राचीन संस्कृत ग्रंथों से मानवाधिकार और युवा की भूमिका के संदर्भ में कई उदाहरणों को प्रस्तावित किया। मननीय कुलपतिजी ने मुख्य अतिथि का सम्मान किया। प्रो.सत्यनारायण आचार्य ने धन्यवाद भाषण से समापन किया। इस संगोष्ठी को दोपहर के भोजन के लिए 45 मिनट के विराम दिया गया और 10 तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। कर्नाटक, केरल, उडीशा, तेलंगाना और आंध्रप्रदेश से 72 प्रतिभागियों ने भाग लिया और उत्कृष्ट पत्र प्रस्तुत किए। श्रीवेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, श्रीवेंकटेश्वर प्राच्य कलाशाला आदि संस्थानों से भी प्रतिभागियों ने संगोष्ठी में भाग लिए। शाम 5.00 बजे स्वयंसेवक श्री संजयरथ के वैदिकी प्रार्थना द्वारा समापन समारोह का आरंभ

किया गया । एन.एस.एस. इकाई – 4 के कार्यक्रम अधिकारी डॉ..डी.ज्योती ने अतिथियों और सभा का स्वागत किया । संगोष्ठी के संयोजक डॉ..आर.चंद्रशेखर ने संगोष्ठी की संक्षिप्त प्रतिवेदन दिया । श्री के.अजयकुमार जी, प्रमुख अधिवक्ता मुख्य अतिथि थे । उन्होंने मानवाधिकारों पर आयोजित संगोष्ठी पर अपने खुशी को व्यक्त किया । जो आज के समय में अत्यंत आवश्यक है। प्रो.जी.एस.आर.कृष्णमूर्ति, कुलसचिव, रा.सं.विद्यापीठ, तिरुपति ने सत्र की अध्यक्षता की । अन्य राज्यों से आये प्रतिभागियों ने लाभान्वित होने का हर्ष व्यक्त किया।

\* विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 01.12.2018 को विश्व एड्स दिवस का आयोजन किया गया । कुलपति ने शाब्दबोध विभाग के सहायक आचार्य डॉ.ओ.जी.पी.कल्याण शास्त्री को विद्यापीठ के स्वयंसेवकों और अन्य छात्रों के लिए उक्त कार्यक्रम पर व्याख्यान को आयोजित करने के लिए नामित किया । श्रीवेंकटेश्वर चिकित्सा विज्ञान संस्था के चिकित्सा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो.अल्लाडि मोहन को एड्स पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया । दिनांक 01.12.2018 सुबह 8.30 बजे मंगलाचरण के साथ कार्यक्रम का आरंभ किया गया । तदनंतर कार्यक्रम के संयोजक डॉ..ओ.जी.पी.कल्याण शास्त्री ने कार्यक्रम अधिकारियों, मुख्य अतिथि और एन.एस.एस. के स्वयंसेवकों का स्वागत किया तथा मुख्य अतिथि का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनके भाषण का विषय वस्तु का भी परिचय दिया । प्रो.मोहन ने अपने ऐड्स के विभिन्न पहलुओं पर प्रभावपूर्ण भाषण दिया । उन्होंने रोग की उत्पत्ति और इतिहास, वर्तमान आंकडों और इसमें हमारे राज्य की स्थिति तथा एच.आई.वी. के विभिन्न प्रकारों और पूर्वोपाय उपायों का पालन पर अत्यंत प्रभावपूर्ण भाषण दिया । कई भाषाओं के विपुल वक्ता होने के कारण, उन्होंने तेलुगु एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं के माध्यम से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने पारंपरिक शास्त्रों में अपने कुशाग्रता को व्यक्त किया और भगवान श्रीराम के एकपत्नीव्रत का उदाहरण दिया और सुझाव दिया कि ऐंसे आदर्शों का पालन करने से निश्चिंत रूप से एड्स से बच सकते है। एड्स के प्रभाव के खलाफ लडने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न उपायों का एक विस्तृत विश्लेषण भी अपने भाषण द्वारा दिया गया । प्रो. जी.एस.आर.कृष्णमूर्ति, प्रभारी कुलसचिव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की । इस कार्यक्रम में सभी एन.एस.एस. इकाइयों और स्वयंसेवकों, कार्यक्रम अधिकारी गण और विद्यापीठ के छात्रों ने भाग लिया और प्रो.मोहन के प्रभावपूर्ण भाषण से बहुत लाभान्वित हुए। कार्यक्रम का समापन एन.एस.एस. इकाई -2 के कार्यक्रम अधिकारी डॉ..आर.चंद्रशेखर के धन्यवाद भाषण के साथ किया गया।

\* विद्यापीठ के परिसर में जुलाई 21, 2018 को स्वच्छ भारत कार्यक्रम अभियान और पादप पर्व (वृक्षारोपण) का द्वितीय चरण को आयोजित किया गया । माननीय कुलपितजी प्रो.वि.मुरलीधर शर्मा ने इस समारोह में सिक्रय रूप से भाग लिए । विभिन्न एन.एस.एस. इकाइयों के स्वयंसेवको ने स्वच्छता अभियान में भाग लिया और परिसर को साफ सुथरा रखने का प्रयास किया । इस अवसर पर 500 से अधिक पौधे लगाए गए । तदुपरांत, कुलपित ने छात्रों को संबोधित करते हुए परिसर के परवेश को स्वच्छ रखने में एन.एस.एस. के इकाईयों के समय बद्धप्रयासों की सराहना की । उन्होंने यह भी कहा कि परिसर में अत्यंत हरियाली उपलब्ध होने के कारण तिरुपित के नागरिकों ने अपने सुबह के टहल के लिए अपने परिसर को प्राथमिकता दी । स्वस्थ हरा आवरण स्वच्छ और शुद्ध हवा भी प्रदान करता है जो नागरिकों को उनके दैनिक जीवन में लगातार बढ रहे प्रदूषण को एक विराम प्रदान करता है । उन्होंने प्रकृति द्वारा प्रदत्त संसाधनों पर पूरी तरह से निर्भर मानव जाति के अस्तित्व के रूप में उन्हीं पेडों एवं प्रकृति की आवश्यकता पर बल दिया ।

### \* एन.एस.एस. के स्वयंसेवकों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की संक्षिप्त सूची -

- स्वच्छ भारत कार्यक्रम और पादप पर्व का पहला चरण (07.07.2018)
- स्वच्छ भारत कार्यक्रम और पादप पर्व का दूसरा चरण (21.07.2018)
- सर्जिकल स्ट्राइक की रैली (29.09.2018)
- दिनांक 29.09.2018 को तिरुपति शहर को एक प्लास्टिक मुक्त शहर करने के लिए रैली
- विश्वविद्यालय स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक (19.11.2018)
- विश्व एड्स दिवस कार्यक्रम (01.12.2018)
- "विश्व मानवाधिकार दिवस" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी (10.12.2018)
- एनएसएस स्वयंसेवकों ने एएनयू, गुंटूर में आयोजित राज्य स्तरीय एनएसएस युवा महोत्सव में भाग लिया।

(13 और 14 दिसंबर, 2018 के दौरान)

- पुलवामा हमले के लिए संवेदना रैली (15.02.2019)
- एक दिवसीय स्वच्छ और हरा कार्यक्रम (23.02.2019)

दिनांक 01.02.2019 को PFMS के माध्यम से विद्यापीठ की 7 एनएसएस इकाइयों को 3,01,403 रू. की राशि जारी की गई और प्रत्येक कार्यक्रम अधिकारियों के नाम पर अलग-

अलग खाते में दिनांक 01.03.2019 को खोले गए और दिशानिर्देशों के अनुसार व्यय किए गए।

#### (ई) व्यापक गतिविधियाँ

- \* संस्कृत सप्ताह समारोह: हर साल विद्यापीठ एक सप्ताह के लिए अत्यंत रमणीय तरीके से किवता गोष्ठी, अंत्याक्षरी, अष्टावधानम आदि विभिन्न कार्यों का आयोजन करके श्रावण पूर्णिमा पर संस्कृत दिवस का आयोजन किया।
- \* संस्कृत संभाषण शिबिर: हर साल विद्यापीठ संस्कृत भाषा सीखने के इच्छुक जनता के लाभ के लिए संस्कृत संभाषण शिबिर को आयोजित करता है। प्रत्येक शिबिर 10 दिनों की अविध के लिए होगा तािक वे सरल संस्कृत सीख सकें और बोल सकें।
- \* पारंपरिक विद्वानों और आधुनिक वैज्ञानिकों की बैठकें आयोजित करना: पारंपरिक विद्वानों और आधुनिक वैज्ञानिकों की बैठकों का एक सामान्य मंच बन गया है विद्यापीठ। परस्पर संपर्क फलस्वरूप हमारे प्राचीन संस्कृत शास्त्रों में छिपी विभिन्न वैज्ञानिक और तकनीकी अवधारणाओं का जानकारी प्राप्त करना।
- \* महामहोपाध्याय पट्टाभिराम शास्त्री व्याख्यानमाला: एक अद्वितीय शैक्षणिक कार्यक्रम महामहोपाध्याय पट्टाभि राम शास्त्री वैखान्यमाला, विद्यापीठ के प्रथम कुलपित महामहोपाध्याय पट्टाभि राम शास्त्री की स्मृति में हर साल विस्तार व्याख्यान की एक श्रृंखला आयोजित की जाती है। विद्यापीठ के संकाय और छात्रों के लाभ के लिए प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष के दौरान विभिन्न शास्त्रों पर व्याख्यान की व्यवस्था की जाती है। देश के विभिन्न प्रांत के प्रतिष्ठित और प्रसिद्ध विद्वानों को पारंपरिक शास्त्रों पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया है।
- \* आगम विद्वानों का सम्मान: प्रख्यात आगम विद्वानों को वार्षिक दिवस समारोह के दौरान सम्मानित किया गया। वे हैं:
- 1. श्री. वी. गोपाल कृष्णमाचार्युलु, नूजिवीडु
- 2. श्री.पी.वी.एल.नरसिंहाचार्युलु, राजमंदरी
- 3. श्री. एन.एल.नरसिंहाचार्युलु, यादाद्रि, हैदराबाद

- 4. श्री. डी. सांबमूर्ति अवधानी, नंदिगामा
- 5. श्री. टी. वी. ज्ञानसम्बन्ध शिवाचार्य, चित्तूरु
- \* दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम डीडीई: विद्यापीठ ने वर्ष 2003 में दूरस्थ शिक्षा निदेशालय की स्थापना की है। डीडीई प्राक शास्त्री से लेकर आचार्य स्तर तक के पाठ्यक्रम, संस्कृत में सिर्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम और दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से पीजी योगा, योग विद्या पाठ्यक्रम प्रदान कर रहा है। DDE द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रम UGC (DEB) नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त हैं। DDE इसके द्वारा प्रस्तुत सभी कार्यक्रमों के लिए अलग से प्रवेश आयोजित करता है। हर साल अप्रैल के दौरान एक अलग अधिसूचना जारी की जाती है।

# (उ) सेमिनार, सम्मेलन, कार्यशालाओं और विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों में विद्यापीठ के संकाय सदस्यों द्वारा भागीदारी।

#### प्रो. एम.एल.एन.मूर्ति

- दिनांक 26 से 31 जुलाई, 2018 तक गोखले इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक अफेयर्स, बैंगलोर में आयोजित कठोपनिषद में भाग लिया और व्याख्यान दिया।
- दिनांक 1 से 3 अगस्त, 2018 तक वेदांत भारती, यदथोर श्री योगानंदेश्वर सरस्वती मठ, के.आर.नगर, मैसूर में आयोजित वेदांत चिंतन गोष्ठी में भाग लिया और प्रवचन दिया।
- "प्रादेशिक वैदिक सम्मेलन" में भाग लिया और "अद्वैतपरम्परायां वेदव्याख्यानानि"
   पर एक प्रपत्र प्रस्तुत किया, जो संयुक्त रूप से पर्याय श्री पालिमारु मठ, उडुपी,
   एसएमएसपी संस्कृत कॉलेज, उडुपी और पूर्णप्रज्ञ संशोधन मंदिर में दिनांक 4 और 5
   दिसंबर 2018 को आयोजित किया गया था।
- भाष्यामृतवाहिनी में भाग लिया और दिनांक 10 से 14 दिसंबर, 2018 को बैंगलोर में आयोजित वेदांत भारती, सी.एम.रोड, के.आर.नगर, मैसूर द्वारा आयोजित तैत्तिरीय उपनिषद पर व्याख्यान दिया।
- राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी में दिनांक 27 और 28 दिसंबर,
   2018 को मौखिक परीक्षा के विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

- गोखले इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक अफेयर्स, # 86/2, बुल टेंपल रोड, 5 वीं मेन, एन.आर. कॉलोनी, बैंगलोर द्वारा दिनांक 13 से 15 फरवरी, 2019 तक आयोजित कठोपनिषद पर एक विशेष व्याख्याता के रूप में उपस्थित होकर भाषण दिया।
- दिनांक 11 से 13 मार्च 2019 तक राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, एकलव्य परिसर, अगरतला, (पश्चिमी त्रिपुरा), अद्वैत वेदांत विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया और अध्यारोपापवादप्रक्रिया पर अपने विषय को प्रस्तुत किया।

# प्रो. एस. सुदर्शन शर्मा

• दिनांक 8 से 13 नवंबर, 2018 त झंडेवाला मंदिर सोसायटी, 10196, झंडेवाला एस्टेट, देशबंधु गुप्ता मार्ग, नई दिल्ली-110055 में आयोजित वैदिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी के ज्ञान के प्रसार के लिए दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

#### प्रो. जे. रामकृष्ण

- दिनांक 15 और 16 सितंबर, 2018 को राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, 56-57, संस्थागत क्षेत्र, जनकपुरी, नई दिल्ली ने प्रोफ़ेसर (स्टेज V) से एसोसिएट प्रोफेसर (स्टेज III) और एसोसिएट प्रोफेसर (स्टेज चतुर्थ) के प्रोफ़ेसर (प्रोफ़ेसर चरण) के प्रचार के लिए चयन समिति की विषय विशेषज्ञ बैठक के रूप में भाग लिया।
- श्री राघवेंद्रस्वामी मठ में उत्सवत्रयमहोत्सव में 10 मार्च और 11 फरवरी, 2019 को मंत्राल्यम में भाग लिया और चर्चा की।

# प्रो. टी. वी. राघवाचार्युलु

- 27 जून, 2018 से 2 जुलाई, 2018 तक टीटीडी, तिरुपित द्वारा आयोजित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर के विग्रह प्रथिस्ता और महाकुंभिसंघम के संबंध में कुरुक्षेत्र, हरियाणा राज्य में प्रतिनियुक्ति पर भाग लिया।
- 15 से 20 जून, 2018 तक श्री पद्मावती सिमधा वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर, पीतमपुर, पूर्वी गोदावरी ए.पी.
- 27 फरवरी, 2019 को अलवर दिव्यप्रभात परियोजना, टीटीडी, तिरुपति द्वारा आयोजित श्री कल्याण वेंकटेश्वर स्वामी ब्रह्मोत्सवम के साथ श्रीनिवासमंगपुरम के मंदिर परिसर में धार्मिक प्रवचन में भाग लिया और वितरित किया।

#### के. ई. देवनाथन

- तत्पुरुषलक्षण विग्रह पर संगोष्ठी में भाग लिया और 18 जून, 2018 को विद्यादेशीय स्नातकोत्तर संस्कृत अनुसंधान केंद्र, बेंगलुरु द्वारा आयोजित "तत्पुरुषलक्षण विचारा" पर एक पत्र प्रस्तुत किया।
- वेदांत देसिका की साहित्यिक कृतियों पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में सत्र की अध्यक्षता और अध्यक्षता श्री अहिम्बिला मुथ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, मदुरन्थकम, तिमलनाडु द्वारा 3 और 4 दिसंबर, 2018 को आयोजित श्रीनिगमांता महा देशिकान की 750 वीं जयंती के उपलक्ष्य में की गई।
- श्री रंगनाथ पादुका विद्यालय, श्रीरंगम में 9 से 12 अप्रैल, 2019 तक स्वर्ण जयंती समारोह के सिलिसेले में श्रीरंगम श्रीमद अनादवन आश्रम द्वारा संचालित पादुका विहार विद्याध्वज में भाग लिया।

### प्रो. जी.एस.आर. कृष्ण मूर्ति

- साहित्य अकादमी, रवीन्द्र भवन, 35, फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली द्वारा आयोजित संस्कृत में साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार के लिए जूरी सदस्य के रूप में भाग लिया,
   20 से 22 जून, 2018 तक 110 001।
- 13 नवंबर, 2018 को गुरुवयूर कैंपस, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, पूर्णनतुकार, केरल में अखिल भारतीय पात्रता प्रतियोगिता के लिए राज्य स्तरीय चयन कार्यक्रम में भाग लिया।
- संस्कृत पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया: भारत और नेपाल का एक आम खजाना और भारत के दूतावास, काठमांडू, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित "संस्कृत: भारत और नेपाल के लिए एक आम खजाना" पर एक पत्र प्रस्तुत किया। भारत के 18 से 22 मार्च, 2019 तक

## प्रो. राणी सदाशिव मूर्ति

• साहित्य अकादमी, नई दिल्ली द्वारा 22 से 25 मार्च, 2019 तक आयोजित श्रीमंत शंकरदेव को याद करते हुए एक संगोष्ठी में भाग लिया।

- 31 अक्टूबर, 2018 से 22 नवंबर, 2018 तक कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सिलिकॉन आंध्र प्रदेश के लिए संस्कृत भाषा में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम और पाठ्यक्रम पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए बाह्य विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- शंकराचार्य महोत्सव के आयोजन के रूप में भाग लेते हुए, श्रीमंत शंकरदेव के "भागवत पुराण: वैष्णव धर्म का मातृ पाठ भक्ति: लिपियों से जनसाधारण" में एक संगोष्ठी के योगदान का जश्न मनाने और 22 मार्च, 2019 से 25 मार्च, 2019 तक संगोष्ठी में भाग लिया।
- 17 सितंबर, 2018 को आंध्र विश्वविद्यालय में एसोसिएट / असिस्टेंट प्रोफेसर के चयन के लिए बाह्य विशेषज्ञ सदस्य के रूप में भाग लिया।

## प्रो. पी.टी.जी.वाई संपत कुमाराचार्युलु

- दिनांक 27 जून, 2018 से 2 जुलाई, 2018 तक टीटीडी, तिरुपित द्वारा आयोजित
   श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर के विग्रह प्रतिष्ठा एवं महाकुंभाभिषेकम के संबंध में कुरुक्षेत्र, हरियाणा राज्य में प्रतिनियुक्ति पर भाग लिया।
- संस्कृति मंत्रालय द्वारा प्रायोजित भारत और उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद में इंडियन काउंसिल ऑफ फिलोसोफिकल रिसर्च, नई दिल्ली द्वारा आयोजित श्री वेंकटनाथ पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और तात्पर्यचिन्द्रकायां सामानाधिकरण्यविचारः पर एक प्रपत्र को प्रस्तुत किया।

#### प्रो. ओ.एस. रामलाल शर्मा

- दि. 14 और 15 नवंबर, 2018 को श्री शंकर मठम, विशाखापत्तनम में आयोजित शास्त्र सभा में भाग लिया।
- दि. 20 नवंबर, 2018 को श्री विवेलुमंगा सरवैया स्मार्टा पथासाला, बुडेल द्वारा आयोजित 8 वें चातुस्सस्त्र महाविदवत्सभा में भाग लिया और पञ्चलक्षण्यां द्वितीयलक्षणम् विषय पर एक वाक्यार्थ प्रस्तुत किया।
- दि. 20 से 22 मार्च, 2019 तक शिवरामा कृष्णक्षेत्रम, विजयवाड़ा में आयोजित एम.एम. ब्रह्मश्री मदुलपल्लि माणिक्य शास्त्रि जयंती सभा में भाग लिया और "सिद्धान्तलक्षणम्" पर व्याख्यान दिया।

- दि. १३ और १४ मार्च, २०१ ९ को संस्कृत नय्य, श्री शंकराचार्य विश्वविद्यालय, संस्कृत के श्री शंकराचार्य विश्वविद्यालय विभाग द्वारा आयोजित "हेत्वाभास सामान्य निरुक्ति" पर आठ दिवसीय राष्ट्रीय पाठ्य कार्यशाला का उद्घाटन करने के लिए मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।
- दि. 9 मई और 10 अप्रैल, 2018 को खम्मम, तेलंगाना में आयोजित श्री श्रृंगेरी शारदापीठ श्वेतकारे अद्वैत वेदांत सभा में शिक्तवादे पुष्पवन्तपदशिक्तिविचारः पर एक वाक्यार्थ में भाग लिया और वितरित किया।

# प्रो. ए. श्रीपाद भट्ट

- दि. 25 वें और 26 जुलाई, 2018 को एचएसएस के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) बॉम्बे, पवई, मुंबई में मौखिक परीक्षा के आयोजन के लिए बाह्य परीक्षक के रूप में भाग लिया।
- दि. 30 जुलाई, 2018 को राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी में आयोजित वाग्वर्धिनी-वाक्यार्थ-स्पर्दिष्णु परिषद और विस्तार व्याख्यान शृंखला के उद्घाटन समारोह के अवसर पर एक विस्तार व्याख्यान में भाग लिया और प्रस्तुतीकरण किया।
- सहायक प्रोफेसर (स्टेज III) और एसोसिएट प्रोफेसर (स्टेज IV) और एसोसिएट प्रोफेसर (स्टेज TV) के प्रोफेसर (स्टेज V) के प्रोफेसर (स्टेज V) के प्रोफेसर (स्टेज V) के पदोन्नित के लिए चयन समिति की बैठक में राष्ट्रीय संस्कृत के मुख्यालय में एक विषय विशेषज्ञ (ज्योतिष) के रूप में शामिल किया गया। संस्थान, नई दिल्ली 14 और 15 सितंबर, 2018 को।
- एशिया में सूक्ष्म विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और भारतीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए सेल (CISTS), मानविकी और कौशल विज्ञान विभाग, भारतीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए सेल द्वारा आयोजित "श्री तमायाजवन के सूर्यसिद्धांत पर कामदोगरी टीका" पर एक प्रपत्र प्रस्तुत किया। इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी बॉम्बे, मुंबई, दि. 24 और 25 जनवरी, 2019।

- दिनांक 10 और 11 फरवरी, 2019 को ज्योतिष विभाग, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान,
   जयपुर कैंपस, पुरी में ज्योतिष विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि
   के रूप में भाग लिया।
- दिनांक 20 फरवरी, 2019 को ओरिएंटल लैंग्वेजेस, जगरलामुदी कुप्पुस्वामी चौधरी कॉलेज, जेकेसी नगर, गुंटूर के विभाग द्वारा आयोजित "वैदिक गणित" पर राष्ट्रीय कार्यशाला के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।
- दिनांक 15 मार्च, 2019 को हिमाचल प्रदेश में सनातन धर्म पालन संस्कृत महाविद्यालय में ज्योतिष में सहायक प्रोफेसर की नियुक्ति में बाह्य विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

## प्रो.आर.के. ठाकुर

- दिनांक 20 और 22 नवंबर, 2018 को विद्यापित सेवा संस्थान, दरभंगा द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में भाग लिया और एक पुरस्कार "मिथिला विभूति" प्रस्तुत किया।
- दिनांक 27 से 29 मार्च और 1 अप्रैल, 2019 तक जगन्नाथ संस्कृत विश्व विद्यालय, पुरी द्वार ज्योतिर्विज्ञाने अनुसन्धानक्षेत्राणि विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और " ज्योतिर्विज्ञाने अनुसन्धानक्षेत्राणि सम्भावनाः समस्याः निदानोपायाश्च" विषय पर प्रपत्र को प्रस्तुत किया।

## श्री. पी. नागमुनि रेड्डी

• 19 और 20 नवंबर, 2018 को आइसीएसएसआर के लिए तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया - स्कूल ऑफ फिलॉसफी, साइकोलॉजी एंड साइंटिफिक हेरिटेज, आइसीएसएसआर - आइकेटीएच प्रोग्राम - 2018-20, चिन्मय में आयोजित "मनोविज्ञान और मनोविज्ञान में मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने" पर संसाधन सामग्री विकसित करने के लिए आइकेटीएच रिसर्च प्रोजेक्ट। विश्वविद्यापीठ, एर्नाकुलम।

#### प्रो. प्रल्हाद आर. जोशी

- दिनांक 4 और 5 अक्टूबर, 2018 को NAAC कार्यालय, बेंगलुरु में आयोजित "संस्कृत विश्वविद्यालयों के मूल्यांकन और प्रत्यायन के लिए मानदंडों का एक अलग सेट विकसित करने के लिए" समिति के अनुवादक के रूप में बैठक में भाग लिया।
- दिनांक 18 से 20 दिसंबर, 2018 तक राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद, बेंगलुरु में मूल्यांकन कर्ताओं के उन्मुखीकरण कार्यक्रम में भाग लिया।
- 30 और 31 दिसंबर, 2019 को संस्कृत भारती, आंध्रप्रदेश के राज्य सम्मेलन में भाग लिया और राजमहेंद्रवरम, ई.जी.डी. पर आयोजित "आधुनिककाले संस्कृतवर्धनोपायाः" विषय पर एक प्रपत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 25 से 27 फरवरी, 2019 तक राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, 57-57, संस्थागत क्षेत्र, जनकपुरी, नई दिल्ली में सदस्य के रूप में मॉडरेशन कमेटी में भाग लिया।

#### प्रो. सी. ललिता राणी

- दिनांक 28 और 29 मार्च, 2019 को वाराणसी में विशेष सहायता कार्यक्रम DRS ॥ में भाग लिया।
- दिनांक 18 अप्रैल, 2019 को संस्कृत विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ ने आयोजित पीएचडी-मौखिक परीक्षा के लिए विषय विशेषज्ञों के रूप में भाग लिया।

#### प्रो. आर.जे. रमाश्री

- दिनांक 23 जुलाई, 2018 को नेल्लोर के एस.चावन इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर एप्लिकेशन में आयोजित एमसीए चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा में भाग लिया।
- दिनांक 19 जुलाई, 2018 को तिरुपित के श्री विद्यानिकेतन इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित MCA IV सेमेस्टर प्रोजेक्ट चिरायु के लिए एक बाह्य परीक्षक के रूप में भाग लिया और कार्य किया।
- दिनांक 23 अगस्त, 2018 को विक्रम सिम्हापुरी विश्वविद्यालय, काकुटुर, नेल्लोर में
   आयोजित कैस चयन के लिए चयन पैनल बोर्ड के सदस्य के रूप में भाग लिया।

- दिनांक 28 और 29 अगस्त, 2018 को कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग,
   आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, गुंटूर में मूल्यांकन और पीएचडी-मौखिक परीक्षा में
   भाग लिया।
- दिनांक 7 सितंबर, 2018 को विक्रम सिम्हापुरी विश्वविद्यालय, काकुटुर, नेल्लोर में पीजी पाठ्यक्रम (एम.एससी, कंप्यूटर विज्ञान और कंप्यूटर अनुप्रयोग के मास्टर) के लिए बोर्ड ऑफ स्टडीज के अध्यक्ष / सदस्य के रूप में भाग लिया।
- दिनांक 20 सितंबर, 2018 को SCSVM, Enathur, कांचीपुरम में पीएचडी मौखिक परीक्षा आयोजित की गई। इसके लिए बाह्य परीक्षक के रूप में भाग लिया।
- दिनांक 13 नवंबर, 2018 को प्रथम वर्ष M.Tech II सेमेस्टर कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग छात्रों के लिए संगोष्ठी और व्यापक संगोष्ठी में भाग लिया।
- दिनांक 10 और 11 दिसंबर, 2018 को श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपित के कंप्यूटर विज्ञान विभाग में एमसीए 5 वीं सेमेस्टर के छात्रों के लिए व्यावहारिक परीक्षा और चिरायु-स्वर परीक्षाएं आयोजित की गईं।
- दिनांक 28 दिसंबर, 2019 को तिरुपित में श्री पद्मावती महिला विश्व विद्यालय,
   तिरुपित में द्वितीय वर्ष M.Tech कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग छात्रों के लिए बाह्य परियोजना मौखिक परीक्षा का आयोजन किया। इस के लिए बाह्य परीक्षक के रूप में भाग लिया।
- दिनांक 31 दिसंबर, 2018 को श्री कालाहस्तीस्वामी इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन एंड मैनेजमेंट साइंसेज (SKIIMS), श्रीकालहस्ती में IIIrd सेमेस्टर MCA प्रैक्टिकल परीक्षाओं का आयोजन किया। इसके लिए बाह्य परीक्षक के रूप में भाग लिया।
- दिनांक 23 और 24 जनवरी, 2019 को अनुसंधान और विकास केंद्र, भारतीयार विश्वविद्यालय, कोयंबटूर में गाइड के रूप में डीसी बैठक में भाग लिया।
- दिनांक 1 मार्च, 2019 को सीएसए, श्री चंद्रशेखरेंद्र सरस्वती विश्व महाविद्यालय, एनथुर, कांचीपुरम में द्वितीय डीसी बैठक में एक गाइड के रूप में भाग लिया।
- दिनांक 8 अप्रैल, 2019 को जीवीके चिन्मय विद्यालय, कोथुरु, एसपीएसआर नेल्लोर में कंप्यूटर शिक्षक के लिए चयन पैनल के विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

• दिनांक 24 और 25 अप्रैल, 2019 को अनुसंधान और विकास केंद्र, भारतीयार विश्वविद्यालय, कोयम्बटूर में विषय विशेषज्ञ के रूप में विशेष डॉक्टरल समिति की बैठक में भाग लिया।

## प्रो. वी. सुजाता

• दिनांक 13-08-2018 को राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित मूल्यांकन समिति की बैठक के लिए अंग्रेजी में विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

#### प्रो. आर. दीप्ता

• दिनांक 16-08-2018 को एस.वी. वैदिक विश्वविद्यालय, तिरुपति में आयोजित अंग्रेजी विषय में बीओएस बैठक में एक सदस्य के रूप में भाग लिया।

## प्रो. नरसिंहाचार्य पुरोहित

- दिनांक 2 से 4 जुलाई, 2018 तक श्री गुरुसार्वभौम संस्कृत विद्यापीठ, श्री राघवेंद्र स्वामी मठ, मंत्रालयम, आंध्र प्रदेश द्वारा "श्रीमन्न्यायामृत" विषय पर आयोजित संगोष्टी में भाग लिया।
- दिनांक 14 अप्रैल से 17 अगस्त, 2018 तक श्री गुरुसार्वभौम संस्कृत विद्यापीठ, श्री राघवेंद्र स्वामी मठ, मन्त्रालयम, आंध्रप्रदेश द्वारा "विष्णुतत्व निर्णय" विषय पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।
- दिनांक 28/8-2019 से 31-08-2018 को राघवेंद्र स्वामी आराधना महोत्सव के अवसर पर श्री राघवेंद्र स्वामी मठ, कोप्पल द्वारा आयोजित ज्ञानसंग्रह -2018 में भाग लिया और प्रवचन दिया।
- दिनांक 13 दिसंबर, 2018 तक श्री गुरुसरवभूमा संस्कृत विद्यापीठ, श्री राघवेंद्र स्वामी मठ, मंत्राल्यम, आंध्रप्रदेश में "द्वैत वेदांत" विषय पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया और प्रस्तुति किया।
- दिनांक 18 से 20 फरवरी, 2019 तक श्री राघवेंद्र स्वामी मठ, मन्त्रालयम में "श्रीमद्भागवतम्" विषय पर आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया और एक व्याख्यान दिया।

• दिनांक 5 से 8 मार्च, 2019 तक श्री गुरुसरवभूमा संस्कृत विद्यापीठ, श्री राघवेंद्र स्वामी मठ, मन्त्रालयम में श्रीरामनयसुधा विषय पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।

# प्रो. वी.एस. विष्णुभट्टाचार्युलु

• दिनांक 27 जनवरी, 2019 से 29 जनवरी, 2019 तक श्री वैखानसा ट्रस्ट, तिरुमाला द्वारा "लक्ष्मीविसतिवादद्वैतश्याम" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और श्री वैखानसा ट्रेडिशन एंड कल्चर पर एक प्रपत्र प्रस्तुत किया।

#### प्रो. सत्यनारायण आचार्य

- दिनांक 19 जुलाई, 2018 को त्रिपुरा विश्वविद्यालय, त्रिपुरा में आयोजित संस्कृत के
   अनुसंधान विद्वान विभाग के बाह्य विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- दिनांक 6 अगस्त, 2018 को कांचीपुरम के श्री चन्द्रशेखरेंद्र सरस्वती विश्व विद्यालय
  में आयोजित संस्कृत और भारतीय संस्कृति विभाग में अनुसंधान अध्येता की बैठक के
  लिए बाह्य विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- दिनांक 29 जून, 2018 को रिसर्च स्कॉलर, तेलुगु और प्राच्य भाषाओं के विभाग,
   आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, गुंटूर, ए.पी. के लिए मौखिक परीक्षा के लिए बाह्य
   विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- दिनांक 23 अगस्त, 2018 को महिला सरकार महाविद्यालय, पुरी में "संस्कृत भारतं समर्थ भारतं" पर भाषण दिया।
- दिनांक 29 अक्टूबर, 2019 को मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय, G.A (चुनाव) विभाग आंध्र प्रदेश सचिवालय, वेलगापुड़ी, गुंटूर (जिला) ए.पी. में आयोजित, NSS बैठक में भाग लिया।
- दिनांक 8 और 9 नवंबर, 2018 को विभिन्न प्रसिद्ध और पुराने मंदिर भारत के भाषा परंपरा पर पहले राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और नाल्को नगर मंदिर समिति, भुवनेश्वर के सहयोग से भुवनेश्वर में नीलाद्रि आध्यात्मिक ट्रस्ट, ओडिशा द्वारा आयोजित "बालाजी वेंकटेश्वर मंदिर की शेष परंपरा" पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

- दिनांक 16 नवंबर, 2018 को संस्कृत और भारतीय संस्कृति विभाग, श्री चंद्रशेखरेंद्र सरस्वती विश्व महाविद्यालय, एनथुर, कांचीपुरम में आयोजित शारदागमा -2018 (विशेष व्याख्यान शृंखला कार्यक्रम) में भाग लिया और "सोद्धप्रविदिह" पर एक पत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 31 दिसंबर, 2018 को संस्कृत और भारतीय संस्कृति विभाग, SCSVMV, Enathur, कांचीपुरम में डीसी बैठक आयोजित की। इस के लिए बाह्य परीक्षक के रूप में भाग लिया।
- दिनांक 28 फरवरी, 2019 और 1 मार्च, 2019 को ओडिशा के संबलपुर विश्वविद्यालय के नोडल केंद्र (स्कूल ऑफ संस्कृत, गंगाधर मेहर विश्वविद्यालय, संबलपुर) में एक विशेषज्ञ के रूप में पीएचडी मौखिक परीक्षा में भाग लिया।
- दिनांक 21 से 28 जनवरी, 2019 (26 और 27 जनवरी, 2019 की छुट्टियों तक) मुक्त स्वाध्यायपीठम, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, श्री सदाशिव परिसर, पुरी, ओडिशा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- दिनांक 18 मई, 2019 को राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के श्री सदाशिव परिसर, पुरी के साहित्य विभाग द्वारा "रसे सारश्चमत्कारः" विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य भाषणकार के रूप में भाग लिया और प्रस्तुति किया।
- 25 फरवरी से 27 मार्च, 2019 तक दो दिवसीय राज्य स्तरीय एनएसएस योजना, प्रशिक्षण और समीक्षा बैठक में भाग लिया, जिसमें केएलईएफ, वाडेसवरम द्वारा आयोजित और श्रीदेवनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी में आयोजित संस्कृत साहित्य में आदिवासी तत्वों में डीईईओजहेग के रूप में भाग लिया आधारपुरुषरूपेण और दो दिन में संसाधन व्यक्ति के रूप में भी भाग लिया वर्कशॉप संस्कृतिसंस्कृतयोः संरक्षणे मठादिधर्मसंस्थानां भूमिका द्वारा आयोजित अमृतवाणी आदर्श शोध संस्थान, बालासोर।
- दिनांक 8 से 10 अप्रैल, 2019 तक संस्कृत, रावेन्शव विश्वविद्यालय, कटक, ओडिशा
   के संस्कृत विभाग में रसगंगाधर और वक्रोकितजीतम पर विस्तार विशेष
   व्याख्याताओं को प्रस्तुति करने के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।

#### प्रो. जी. श्रीधर

- दिनांक 22 जून, 2018 को वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (VIT), वेल्लोर में स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग द्वारा आयोजित डॉक्टरल समिति की बैठक में सदस्य के रूप में भाग लिया।
- दिनांक 27 दिसंबर, 2018 को तिरुपित में श्री पद्मावती मिहला विश्व विद्यालय, तिरुपित में इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के llyear M.Tech कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए बाह्य परियोजना मौखिक परीक्षा का आयोजन किया। इसमें बाह्य परीक्षक के रूप में भाग लिया।
- दिनांक 29 जनवरी, 2019 को काकुटुर के कृष्णा चैतन्य इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी में MCA III सेमेस्टर के लिए प्रैक्टिकल परीक्षा आयोजित करने के लिए बाह्य परीक्षक के रूप में भाग लिया।

#### प्रो. के. गणपति भट्ट

- पैरेया श्री पालिमेथ मठ, उडुपी, एसएमएसपी संस्कृत कॉलेज, उडुपी और पूर्णाप्रज्ञा संसोधन मंदिर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन" में भाग लिया और "वेदाध्येतृणाम् उन्नतिशक्षणव्यवस्था" पर एक प्रपत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 18 फरवरी, 2019 को कालिक आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, बालूशरी, पी.ओ में संकाय के चयन के लिए चयन बोर्ड की बैठक में विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया। Balussery, Kozhikode Dist, Kerala का आयोजन राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, गुरुवयूर कैंपस, पूर्णनतुकारा, त्रिशूर में हुआ।
- दिनांक 15 और 16 मार्च, 2019 को संस्कृत और प्राकृत भाषाओं, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे के "भारतीय बौद्धिक परंपराओं पर कश्मीर शैववाद के प्रभाव" के वैदिक समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

#### प्रो.सी.रंगनाथन

• वर्ष 2018-19 के लिए तिरुप्पावई प्रवाचनमों के लिए चयन समिति के सदस्य के रूप में भाग लिया, विशेष अधिकारी, आलवार दिव्य प्रभा परियोजना, टीटीडी,

तिरुपति में एसवीईटीए भवन, तिरुपति में 2 नवंबर, 2018 को आयोजित किया गया।

- दिनांक 27 सितंबर, 2018 को शताब्दी भवन, मद्रास विश्वविद्यालय में आयोजित गोपनीय कार्य से संबंधित बैठक में भाग लिया।
- दिनांक 3 और 4 दिसंबर, 2018 को श्री वेदांत देसिका की साहित्यिक कृतियों पर तीन-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और श्री अहोबिला मठ आदर्श संस्कार महाविद्यालय, मदुरांतकम, तिमलनाडु में आयोजित "गीतार्थ संग्रह" पर एक प्रपत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 24 जनवरी, 2019 को श्री देशिकभवनम, मैलापुर, चेन्नई में "गोदावीभवनम" में एक व्याख्याता के रूप में भाग लिया और प्रस्तुति किया।
- दिनांक 25 फरवरी, 2019 को आलवार दिव्य प्रभा परियोजना, टीटीडी, तिरुपति द्वारा आयोजित श्री कल्याण वेंकटेश्वर स्वामी ब्रह्मोत्सव के साथ श्रीनिवासमंगापुरम के मंदिर परिसर में धार्मिक प्रवचन में भाग लिया और प्रस्तुति किया।
- दिनांक 28 फरवरी, 2019 को श्री वेंकटेश्वर कर्मचारी प्रशिक्षण अकादमी (एसवीईटीए) में एसवीसीएलआरसी स्टाफ के लाइब्रेरियन के लिए विशिष्टाद्वैतम में व्याख्याता के रूप में भाग लिया और प्रस्तुति किया।

#### डॉ. सी. राघवन

दिनांक 24 जनवरी, 2019 को मद्रास विश्वविद्यालय, शताब्दी भवन, चेपॉक, चेन्नई
में आयोजित कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) के तहत असिस्टेंट प्रोफेसर से
एसोसिएट प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर से प्रोफेसर के लिए संकाय के प्रचार के
लिए चयन समिति की बैठक में एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

#### डॉ. के. कादंबिनी

• दिनांक 19 से 21 सितंबर, 2018 तक जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कुकटपल्ली, हैदराबाद में आयोजित गोपनीय कार्य से संबंधित बैठक में भाग लिया।

#### डॉ. राधागोविंद त्रिपाठी

- दिनांक 19 से 21 सितंबर, 2018 को जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कुकटपल्ली, हैदराबाद में आयोजित गोपनीय कार्य से संबंधित बैठक में भाग लिया।
- 26 नवंबर, 2018 से राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, श्री सदाशिव परिसर, पुरी, ओडिशा में आयोजित "माध्यमिक स्तर पर शिक्षक के लिए ऑनलाइन व्यावसायिक विकास कार्यक्रम के लिए संस्कृत भाषा में ई-सामग्री का विकास" पर तीन दिवसीय कार्यशाला में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।
- दिनांक 19 नवंबर, 2018 को पांडिचेरी विश्वविद्यालय, संस्कृत के पांडिचेरी विश्वविद्यालय के मानविकी विभाग में मौखिक परीक्षा में भाग लिया और परीक्षा किया।
- दिनांक 23 से 25 जनवरी, 2019 तक राजीव गांधी परिसर, मेनसेरी, शृंगेरी में बाह्य परीक्षक के रूप में शिक्षा शास्त्री द्वितीय वर्ष के छात्रों की व्यावहारिक / शिक्षण परीक्षा में भाग लिया।
- दिनांक 12 से 15 तक फरवरी, 2019 श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्व विद्यालय, श्री विहार, पुरी में शिक्षा शास्त्री (बीएड) कार्यक्रम में अंतिम शिक्षण किया। इसमें बाह्य विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- दिनांक 21 फरवरी, 2019 को स्कूल ऑफ एजुकेशन, SCSVMV, Enathur, कांचीपुरम में B.Ed छात्रों के लिए संस्कृत पद्धित के बाह्य विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- दिनांक 20 से 23 मई, 2019 तक राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा संचालित श्री सदाशिव परिसर, पुरी में SSET प्रवेश परीक्षा परीक्षा में सिम्मिलित हुए।

#### डॉ. के. विश्वनाथ

दिनांक 22 जून, 2018 को श्री कांची वेद वेदांत शास्त्र सभा, तेनाली द्वारा आयोजित
 न्याय शास्त्र परीक्षाओं में एक परीक्षक के रूप में भाग लिया।

- दिनांक 19 जून, 2018 को विद्यादेश स्नातकोत्तर संस्कृत शोध केंद्र, बेंगलूरु द्वारा "ब्रम्हानंद निराकारवा विचारा" पर आयोजित सेमिनार में भाग लिया और ब्रम्हानंद निराकारवा विचारा पर एक प्रपत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 12 नवंबर, 2018 से 1 दिसंबर, 2018 तक यूजीसी मानव संसाधन विकास केंद्र, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपित द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम स्वास्थ्य प्रबंधन में भाग लिया।
- दिनांक 30 जनवरी, 2019 को कालीकट विश्वविद्यालय, संस्कृत विभाग में आयोजित विशेष व्याख्यान कार्यक्रम में "अद्वैत वेदांत के अनुसार धारणा" विषय पर व्याख्यान दिया और प्रस्तुति किया।
- दिनांक 22 फरवरी, 2019 को श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, संस्कृत व्याकरण विभाग में आयोजित "भारतीयभाषासिद्धान्ताः" (भारत की भाषा सिद्धांत) पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

#### डॉ. नारायण

- दिनांक 4 से 6 जुलाई, 2018 तक श्री श्री अभिनव विद्यातीर्थ भारती वेद पाठशाला, राजापलैयम के संस्कृत शिक्षक के चयन के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- दिनांक 17 जुलाई, 2018 को श्री भीमारु मठ, उडुपी के एचएच श्री विद्यामान्यतीर्थ स्वामीजी की स्मृति में आयोजित किया गया और पूर्णाधिपति समशोधन मंदिरम, पूर्णाधिपति विद्या द्वारा आयोजित किया गया प्रभाकर, न्याया और वेदांत दर्शन के अनुसार "अन्यथाख्याति वचन" पर एक विशेष व्याख्यान दिया।
- दसा साहित्य परियोजना, तिरुमाला तिरुपित देवस्थानम, तिरुमाला द्वारा 23 से 25 जुलाई, 2018 तक आयोजित श्रीराम नय्य सुधा अभ्युदयम पर कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।
- दिनांक 18 जून, 2018 को कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय, बैंगलोर में आयोजित वेदांत संकाय के लिए BoS में एक सदस्य के रूप में भाग लिया।
- यूजीसी मानव संसाधन विकास केंद्र, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपित द्वारा दिनांक 24 सितंबर, 2018 से 13 अक्टूबर, 2018 तक आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम भाषा और साहित्य में भाग लिया।

• दिनांक 3 से 7 दिसंबर, 2018 तक पय्यार श्री पालिमारु मठ, उडुपी, एसएमएस संस्कृत महाविद्यालय, उडुपी और पूर्णप्रज्ञा संशोधन मंदिरम, बेंगलुरु द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन में भाग लिया और "अरबिंदो- कपाली शास्त्री वैख्याय-वैश्यम" नामक एक पत्र प्रस्तुत किया।

#### डॉ. आर. चंदशेखर

- एक संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया और UGC-HRDC, S.V.University,
   तिरुपति 21 वें और 23 अगस्त, 2018 को आयोजित 80 वें अभिविन्यास कार्यक्रम
   में "माइक्रो टीचिंग एंड इवैल्यूएट द माइक्रो टीचिंग प्रैक्टिस" पर व्याख्यान दिया।
- 26 सितंबर, 2018 को डीन के कार्यालय, शिक्षा संकाय, SCSVM, Enathur, कांचीपुरम में संस्कृत पद्धित के छात्र शिक्षकों को व्याख्यान देने और उनकी उपस्थिति दर्ज करने।
- बी.एड के छात्र शिक्षकों के लिए अतिथि व्याख्यान की एक श्रृंखला में भाग लिया और वितरित किया। 11 फरवरी, 2019 को स्कूल ऑफ एजुकेशन, श्री चंद्रशेखरेंद्र सरस्वती विश्वमहाविद्यालय, एनथुर, कांचीपुरम में संस्कृत पद्धति विषय पर कार्यक्रम।
- रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया और UGC-HRDC, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति में 30 जनवरी, 2019 को आयोजित माइक्रो टीचिंग स्किल्स पर व्याख्यान दिया।

#### डॉ. एस. मुरलीधर राव

• SSET- 2019 में मध्यस्थों के बोर्ड में भाग लिया श्री। जगन्नाथ संस्कृत विश्व विद्यालय, 27 से 29 मार्च, 2019 तक पुरी।

#### डॉ. डी. नल्लन्ना

बहुजन, प्रगतिशील और दिलत साहित्य: आधुनिक परिप्रेक्ष्य में भाग लिया और 29
 और 30 नवंबर, 2018 को तेलुगु, मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज, तांबरम, चेन्नई द्वारा
 आयोजित संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की और एक प्रपत्र भी प्रस्तुत किया।

ओरिएंटल रिसर्च इंस्टीट्यूट, एस.वी.उनवर्सिटी, तिरुपित द्वारा 25 वें से 31 मार्च,
 2019 तक 7 दिनों के "कार्यशाला में तेलुगु शिलालेख, पांडुलिपि अध्ययन और संपादन" पर भाग लिया गया।

#### डॉ. ज्ञानरंजन पंडा

- ICPR, नई दिल्ली और स्कूल ऑफ फिलॉसफी, तिमल विश्वविद्यालय, तंजावुर द्वारा
   23 से 25 जुलाई, 2018 को आयोजित "थिरुक्कलुर के दर्शन" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में
   भाग लिया और "थिरुक्कुरल में धर्म पुण्य का महत्व" पर एक प्रपत्र प्रस्तुत किया।
- दक्षिण भारत के संस्कृत भक्ति साहित्य के माध्यम से भारतीय आध्यात्मिक विरासत पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय केंद्र के सहयोग से संस्कृत गोंडेशरी विश्वविद्यालय के विभाग द्वारा आयोजित "गोपाल वंसति: भक्ति और सामाजिक सुधार के अपने सिद्धांत" पर एक पत्र प्रस्तुत किया। द आर्ट्स, पुदुचेरी 28 अगस्त, 2018 को।
- UGC- मानव संसाधन विकास केंद्र, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपित द्वारा 24
   सितंबर, 2018 से 13 अक्टूबर, 2018 तक आयोजित भाषा और साहित्य में ताज़ा
   पाठ्यक्रम में भाग लिया।
- संस्कृत अध्ययन केंद्र, पुरातत्व संकाय में आयोजित "बौद्ध धर्म और ब्राह्मणवाद -दक्षिण पूर्व एशिया में हिंदू धर्म (रामायण के विशेष संदर्भ के साथ)" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और "रामायण के प्रभाव, जीवन, संस्कृति और साहित्य पर प्रभाव" पर एक पैपर प्रस्तुत किया।, सिल्पाकोर्न विश्वविद्यालय, बैंकॉक, थाईलैंड।
- संस्कृत पर WB-OHEPEE प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी: वैज्ञानिक और सामाजिक परिप्रेक्ष्य और आधुनिकसमाजे संस्कृतस्य प्रयोगिता पर P.G द्वारा आयोजित एक पत्र प्रस्तुत किया। संस्कृत विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, वाणी विहार, भुवनेश्वर, ओडिशा।

#### डॉ. सोमनाथ दाश

• साम्प्रतिकसमाजसमुन्नतये श्रीजगन्नाथसंस्कृतेः भूमिका पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

- UGC- मानव संसाधन विकास केंद्र, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति द्वारा दिनांक 24 सितंबर, 2018 से 13 अक्टूबर, 2018 तक आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम भाषा और साहित्य में भाग लिया।
- दिनांक 25 फरवरी 2019 से 1 मार्च 2019 तक कविकुल गुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, रामटेक, महाराष्ट्रा में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया और पीएच.डी. छात्रों के लिए विशेष भाषण दिए।
- पुराणेतिहास विभाग, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के श्री सदाशिव परिसर द्वारा शास्त्रान्तरेषु शिवतत्त्वावलोकनम् विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर आगमेषु शिवतत्त्वम् विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया।
- श्री जगन्नात संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी विभाग के द्वारा संस्कृत साहित्य में जन जातीय तत्त्वों पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भार लिया और आदिवासी कन्या शबरी पर एक प्रपत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 25 से 29 मार्च, 2019 को श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी ज्योतिर्विज्ञाने अनुसन्धानक्षेत्राणि विषय पर आयोजित किया गया। इस में भाग लेकर ज्योतिर्विज्ञाने अनुसन्धानक्षेत्राणि पर एक प्रपत्र प्रस्तुत किया।

#### डॉ. डी. ज्योति

 दिनांक 24 सितंबर, 2018 को तिरुपित में एस.वी. वैदिक विश्वविद्यालय में योग डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक में भाग लिया।

#### डॉ. पी.टी. रंग रामानुजाचार्युलु

- दिनांक 31 अक्टूबर, 2018 को अर्चक प्रशिक्षण परिषद, देवादाय (शाखा) विभाग, ए.पी.सरकार, कृष्णा नदी के पास, सीतानगरम, ताडेपल्लि पोस्ट, गुंटुर (जिला) के द्वारा आयोजित अगमा किताबों की तैयारी के लिए पांचरात्रागम बैठक में भाग लिया।
- यूजीसी मानव संसाधन विकास केंद्र, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपित में दिनांक 24 सितंबर, 2018 से 13 अक्टूबर, 2018 तक आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम भाषा और साहित्य में भाग लिया।

- दिनांक 19 दिसंबर, 2019 को अडयार ग्रंथालय और जीओएमएल चेन्नई में पांडुलिपियों की खरीद में भाग लिया।
- दिनांक 2 जनवरी, 2019 को अडयार ग्रंथालय और जीओएमएल चेन्नई में पांडुलिपियों की खरीद में भाग लिया।

#### डॉ. सितांशु भूषण पंडा

• दिनांक 20 से 22 तक, फरवरी, 2019 को राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, श्री सदाशिव परिसर, पूरी के द्वारा आधुनिकसमाजे संस्काराणां प्रासङ्गिकता विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित किया गया। उसमें भाग लेकर "आधुनिक समाजे संस्काराणां प्रासंगिकता" पर अपना प्रपत्र प्रस्तुत किया।

#### डॉ. परामिता पंडा

- राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, श्री सदाशिव परिसर, पुरी के पुराणेतिहास विभाग के द्वारा शास्त्रान्तरेषु शिवतत्त्वावलोकनम् विषय पर आयोजित द्वि दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर लौकिकधर्माचरणे शिवतत्त्वानां प्रासङ्गिकता पर एक प्रपत्र प्रस्तुत किया।
- साहित्य विभाग, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी के द्वारा संस्कृत साहित्य में आदिवासी तत्त्व विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित किया। उसमें भाग लेकर स्कन्दपुराणे आदिवासिसंस्कृतिः पर प्रपत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 25 से 29 तक 2019 में द्वि दिवसीय संगोष्ठी वास्तविक तत्त्व ज्ञान पर श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी के द्वारा आयोजित किया गया। इस में भाग लेकर श्रीमद्भागवताभिमतं प्रमाणसामान्यलक्षणं प्रमाण प्रयोजनञ्च पर एक प्रपत्र प्रस्तुत किया।

#### डॉ. निरंजन मिश्रा

- दिनांक 23 जुलाई से 26 जुलाई, 2018 तक ओडिशा टीवी, भुवनेश्वर, ओडिशा द्वारा आयोजित ओरू कार फेस्टिवल सीधा प्रसारण कार्यक्रम में भाग लेकर श्री जगन्नाथ संस्कृति पर एक आध्यात्मिक भाषण दिया।
- दिनांक 20 से 23, आगस्त, 2018 को स्वामीसम्पन्नानंद वैदिक शोधन संस्थान, टिकारी, महारास्ट्र के द्वारा आयोजित दिविवसीयाखिलभारतीयवैदिकशोधसंगोष्ठी में सम्मानित अतिथि के रूप में भाग लिया और एक प्रपत्र प्रस्तुत किया।

- दिनांक 28 से 30 नवंबर, 2018 को वेदविदयालय, केंदुझर, ओडिशा द्वारा आयोजित पूर्वोत्तर क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन में भाग लिया और "वेदाध्ययने अधिकारनिर्णयः" पर एक प्रपत्र को प्रस्तुत किया।
- दिनांक 13 फरवरी 15, 2019 को गुरुकुल वेदपाठशाला, चरक नगर, पुरी (ओडिशा) ने चार दिनों के अलोचन सभा को आयोजित किया। इसमें संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया और वेदेषु पर्यावरणम् पर भाषण दिया।

#### डॉ. भारत भूषण रथ

- दिनांक 5 से 8 सितंबर, 2018 तक ओडिशा के नीलमधाम महाविद्यालय, कांतिलो, नयागढ़ में नीलमधाम महाविद्यालय के पूर्व छात्रों के कार्यवाहक अध्यक्ष के रूप में नैक पीयर टीम यात्रा कार्यक्रम में शामिल हुए।
- दिनांक 18 से 22 मार्च, 2019 तक भारत के दूतावास, काठमांडू, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर "संस्कृत भारत और नेपाल के लिए एक आम खजाना" पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

#### डॉ. ए. चंदूलाल

- शुद्ध और अनुप्रयुक्त गणित 2018 में अग्रिमों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और स्कूल ऑफ मैथेमेटिक्स, मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, मदुरई और अंतर्राष्ट्रीय बहुविषयक अनुसंधान फाउंडेशन द्वारा 5 वीं से 7 वीं कक्षा में आयोजित "माइक्रो-मॉपिक माध्यम में Dilatation Waves के प्रसार" पर एक प्रपत्र प्रस्तुत किया।
- दिनांक 10 से 22 दिसंबर, 2018 तक गणित, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान तिरुपति, रेनीगुंटा रोड, सेटीपल्ली पोस्ट, तिरुपति के गणित और शिक्षकों द्वारा आयोजित शोध छात्रों के लिए जटिल विश्लेषण और कॉम्प्लेक्स डायनेमिक्स पर कार्यशाला में भाग लिया।

#### डॉ. ए. सच्चिदानंद मूर्ति

• दिनांक 25 जून, 2018 को राष्ट्रीय संसाधन केंद्र, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली के शिक्षण अधिगम केंद्र द्वारा आयोजित ऑनलाइन रिफ्रेशर मॉड्यूल विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

- दिनांक 27 सितंबर, 2018 को PMMMNMTT, SLBSRSV, नई दिल्ली के तहत शिक्षण शिक्षण केंद्र द्वारा संचालित वाकोवाक्यविधिः एवं अवधानविधिः पर वीडियो रिकॉर्डिंग कार्यक्रम में भाग लिया।
- दिनांक 25 जनवरी, 2019 को भारतीय विद्या भवन के श्री वेंकटेश्वर विद्यालय, तिरुपति के अकादिमक (पाठ्यक्रम) निरीक्षण के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- दिनांक 25 फरवरी, 2019 से 16 मार्च, 2019 तक UGC- मानव संसाधन विकास केंद्र, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपित में आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम लिंग अध्ययन में भाग लिया।

#### डॉ. प्रदीप कुमार बाग

• दिनांक 10 से 11 अक्टूबर, 2018 को जनभाषा संस्कृतं भारतीय जन पर राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया और साहित्य अकादमी, रामकृष्ण मिशन के स्वायत्त महाविद्यालय, नरेंद्रपुरी, ओडिशा के द्वारा आयोजित किया गया। "बिंदुमात्रं जलम्" पर एक प्रपत्र को प्रस्तुत किया।

#### डॉ. टी.लता मंगेश

- दिनांक 14 और 15 फरवरी, 2019 को हिंदी विभाग, डिग्री और पी.जी. महाविद्यालय, टीटीडी, तिरुपित और अयोध्या अनुसंधान संस्थान, फैजाबाद, अयोध्या, उत्तरप्रदेश सरकार के सहयोग से "भारतीय भिक्त पंथ और इसकी प्रमुखता " विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भारतीय शिक्तसाहित्य, भारतीय अस्मिता और प्रासिङ्गकता (राम भिक्त साहित्य के विशेष संदर्भ में) पर संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।
- दिनांक 24 अप्रैल, 2019 को एस.वी. वैदिक विश्वविद्यालय, तिरुपित में बोर्ड ऑफ स्टडीज (हिंदी) की बैठक में विषय विशेषज्ञ सदस्य के रूप में भाग लिया।

#### डॉ. श्वेतपद्मा शतपथी

 अखिल भारतीय अमृतवाणी सेवा प्रतिष्ठान, अमृतिवहार द्वारा नीलिगिरि, बालेश्वरम जिले से दिनांक 25 से 28 दिसंबर, 2018 तक आयोजित सात दिवसीय अमृतमहोत्सव में भाग लिया।

- दिनांक 25 से 28 मार्च, 2019 तक आधुनिक विभाग, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के श्री सदाशिव परिसर, पुरी द्वारा गांधीवादी विचार, शिक्षा और आतंकवाद की आधुनिक पद्धित विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और "गांधीवाद शिक्षा के माध्यम से आतंकवाद से मुकाबला" पर एक प्रपत्र को प्रस्तुत किया।
- दिनांक 16 से 18 अक्टूबर, 2017 तक उड़ीसा संस्कृत अकादमी, भुवनेश्वर द्वारा कालिदास साहित्य आध्यात्मिकता विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेने के बाद "कादिदाससाहित्य आध्यात्मिकता" पर एक प्रपत्र प्रस्तुत किया।

#### डॉ. के. लीना चंद्रा

- यूजीसी मानव संसाधन विकास केंद्र, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपित द्वारा दिनांक 24 सितंबर, 2018 से 13 अक्टूबर, 2018 तक आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम भाषा और साहित्य में भाग लिया।
- दिनांक 14 दिसंबर 2018 को एस आइ आर सी आर रेड्डी कलाशाला, एलूर, आंध्रप्रदेश के द्वारा "साहित्यम् संस्करणदृक्पथम्" विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और "संस्काराणां दृक्पथे महाभारतस्य प्रासङ्गिकता" पर एक प्रपत्र को प्रस्तुत किया।

#### डॉ. जे.बी.चक्रवर्ती

 यूजीसी - मानव संसाधन विकास केंद्र, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपित द्वारा दिनांक 24 सितंबर, 2018 से 13 सितंबर, 2018 तक आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम भाषा और साहित्य में भाग लिया।

#### डॉ. ओ. जी. पी. कल्याण शास्त्री

• दिनांक 18 से 25 सितंबर, 2018 तक परम पावन श्री श्री भारती तीर्थ महा संस्थानम, जगदगुरु शंकराचार्य, दक्षिणाम्नाय श्री शारदा पीठम, शृंगेरी, श्रीगंगानगर के द्वारा आयोजित श्री श्री गणपित वाक्यार्थ विद्वत्सभा (पारंपरिक वैदिक शास्त्रों में एक राष्ट्रीय स्तर का वार्षिक सम्मेलन) में भाग लिया और विशिष्टद्वयाघटितत्त्वविचारः विषय पर वाक्यार्थ किया।

- दिनांक 20 नवंबर, 2018 को श्री अलीवेलुमंगा सरवैया स्मार्त पाठशाला, बुडेल द्वारा आयोजित 8 वें चतुःशास्त्रमहाविद्वत्सभा में भाग लिया और "व्युत्पत्तिवादे अभेदस्वरूपविचारः" विषय पर एक वाक्यार्थ प्रस्तुत किया।
- दिनांक 8 से 11 मार्च, 2019 तक आयोजित अखिलभारतीय शास्त्रार्थ में भाग लिया और न्यायास्त्र पर वाक्यार्थ दिया।
- दिनांक 21 मार्च, 2019 को विजयवाड़ा के शिवराम कृष्णक्षेत्रम में ब्रह्म श्री मादुलपल्ली माणिक्य शास्त्री जयंती सभा आयोजित की गई। उसमें भाग लेकर "सिद्धान्तलक्षणसंगमेश्वरीयम्" विषय पर एक भाषण दिया।
- दिनांक 9 मई और 10 अप्रैल, 2018 को खम्मम, तेलंगाना में आयोजित श्री श्रृंगेरी शारदापीठ सपरिकर अद्वैत वेदांत सभा में भाग लिया और शक्तिवादे आकारापदशासक्तिविचारः पर एक वाक्यार्थ किया।

#### डॉ. यशस्वी

- दिनांक 5 जुलाई, 2018 को कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय, बेंगलुरू, कर्नाटक के द्वारा आयोजित व्याकरण सम्मेलन के लिए बीओएस बैठक में एक सदस्य के रूप में भाग लिया।
- दिनांक 25 फरवरी, 2019 से 1 मार्च, 2019 तक राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित वेद वाणी वितान प्राच्य शोध संस्था द्वारा आयोजित कार्यशाला में भाग लिया और भाषण दिया।
- दिनांक 26 से 29 दिसंबर, 2017 तक भारत के यूथ हॉस्टल एसोसिएशन, कर्नाटक राज्य शाखा, बैंगलोर द्वारा आयोजित नेशनल कूर्ग ट्रेकिंग अभियान 2017 में भाग लिया।
- दिनांक 20 और 21 फरवरी, 2018 को वैष्णववाद विभाग, मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई द्वारा "न्याय और वैशेषिक दर्शन में प्रणय की अवधारणा" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और मणिकण्ठिमश्रकृतन्यायरत्ने व्याप्तिस्वरूपम् विषय पर प्रपत्र को प्रस्तुत किया।
- दिनांक 2, मार्च, 2018 को ब्रह्मर्षि मदुदपल्ली माणिक्य शास्त्री जयंती समारोह के अवसर पर श्री विष्णु और श्रीकृष्ण और शबरी, श्रीकृष्ण और शृंगेरी के जन्मदिन के

- अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय विद्याभिव्यक्ति का आयोजन किया गया। उसमें पञ्चलक्षणी संगमेश्वरीये साध्याभावपरिष्कारः विषय पर भाषण दिया।
- दिनांक 16 से 18 फरवरी, 2018 तक राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, राजीव गांधी परिसर,
   शृंगेरी द्वारा "सांख्यविचार" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर
   "गरीबप्रतापयंतसंतशनादान विचाराः (पाणिन्ययानि निर्धनानि)" विषय पर एक
   प्रपत्र को प्रस्तुत किया।
- दिनांक 27 मार्च, 2018 से 2 अप्रैल, 2018 तक संस्कृत भारती, बेंगलुरू के सहयोग से संस्कृतसंवर्धन प्रतिष्ठान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित लेखकानुवादकवर्ग कार्यशाला में भाग लिया।

#### पुरस्कार और सम्मान

- 1. प्रो. आर.के.ठाकुर, ज्योतिष के आचार्य को विद्यापित सेवा संस्थान, दरभंगा, बिहार द्वारा दिनांक 23.09.2018 को मिथिला विभूति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- 2. प्रो.नरसिंहाचार्य पुरोहित, द्वैत वेदांत विभाग ने श्री पेजावर विश्वेश्वरतीर्थ स्वमीजी के उपस्थिति में श्री श्री सुबुधेंद्रतीर्थ स्वामीजी के द्वारा स्वर्ण कंकण पुरस्कार प्राप्त किया।
- 3. डॉ..के.कादंबिनी, प्रोफेसर ने वर्ष 2017 के दौरान महर्षि बादरायन व्यास सम्मान यंग स्कालर सम्मान को दिनांक 3 अप्रैल से 5 अप्रैल 2019 को आयोजित राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में प्राप्त किया।

#### पीएच.डी. उपाधि प्राप्त शिक्षकेतर कर्मचारि गणः-

- 1. श्री ए. भास्कर रेड्डी, अर्ध वृत्ताकार सहायक ने दक्षिण भारत में संस्कृत उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षाविदों के व्यवहार की डिजिटल जानकारी की तलाश के लिए पीएच.डी. की उपाधि को डॉ..आई.चंद्रय्या के मार्गदर्शन में श्रीवेंकटेश्वर विश्वविद्यालय के पुस्तकालय विज्ञान विभाग से प्राप्त किया।
- 2. श्री जे.वी.एस.एस.शर्मा अभिनवकालिदासविरचितस्य भागवतचम्पूकाव्यस्य समीक्षणात्मकम् अध्ययनम् के लिए पीएच.डी. उपाधि को प्रो.हयग्रीव शर्मा, संस्कृत विभाग, एस.वी.विश्वविद्यालय, तिरुपति के मार्गदर्शन में प्राप्त किया।

#### पदोन्नति

#### सह आचार्य से आचार्य

- 1) डॉ.चक्रवर्ती राघवन
- 2) डॉ.एस.आर.शरन्या कुमार
- 3) डॉ.सी रंगनाथन
- 4) डॉ.के.राजगोपालन
- 5) डॉ.गणपति भट्ट
- 6) डॉ.जी.श्रीधर

#### सहायक आचार्य से सह आचार्य

- 1) डॉ.के.कादंबिनी
- 2) डॉ. वी. रमेश बाबू
- 3) डॉ.राधागोविंद त्रिपाठी
- 4) डॉ.दक्षिणामूर्ति शर्मा
- 5) डॉ. एम. मुरलीधर राव

#### सहायक आचार्य चरण - II से चरण – III

- 1) डॉ.के.विश्वनाथ
- 2) डॉ.आर.चंद्रशेखर
- 3) डॉ. नारायण

#### सहायक आचार्य चरण - I से चरण - II

- 1) डॉ. एन.आर.रंगनाथ ताताचार्य
- 2) डॉ.लता मंगेश
- ३) डॉ.सुधांशु शेखर महापात्र
- 4) डॉ. नागराजु चंदनाला
- 5) डॉ. के. लीना चंद्र
- 5) डॉ. अजमेरा चंदूलाल
- 7) डॉ. ज्ञानरंजन पंडा

- 8) डॉ. श्वेतापद्मा शतपथी
- 9) डॉ.पी.टी.जी.रंग रामानुजाचार्युलु
- १०) डॉ. ओ.जी.प्रसाद कल्याण शास्त्री
- ११) डॉ. यशस्वी
- 12) डॉ.संतोष माझी

#### शिक्षणेतर कर्मचारियों का डीपीसी द्वारा पदोन्नति

- 1) श्री वी.जी. शिवशंकर रेड्डी
- (उप कुलसचिव लेवल -११ से लेवल -१२ तक का वेतन वृद्धि
- 2) डॉ.पी.गिरि नायुडु (सहायक विश्वविद्यालय लाइब्रेरियन स्टेज I से स्टेज II)
- 3) श्री एम.एकांबरम (अनुभाग अधिकारी से सहायक कुलसचिव)
- 4) श्री यू.सांबशिव राव (नीजी सचिव से सहायक कुलसचिव)

#### प्रमाणीकरण

97 शिक्षक और शिक्षकेतर कर्मचारियों को प्रमाणीकरण आदेश दिए गए।

#### IV. विशेष लक्षण

#### (अ) संस्कृत सप्ताह समारोह (दिनांक 24 अगस्त से 1 सितंबर, 2018)

प्रत्येक वर्ष की तरह, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ ने दिनांक 24 अगस्त से 01 अगस्त 2018 तक संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया। संस्कृत सप्ताह के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम और प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। दिनांक 24 अगस्त 2018 को औपचारिक रूप में उद्घाटन किया गया। समुद्राला लक्ष्मणैया, परियोजना निदेशक, तिरुमला तिरुपति देवस्थानम मुख्य अतिथि थे और प्रो.वी.मुरलीधर शर्मा, कुलपति ने समारोह की अध्यक्षता की। प्रो. जीएसआर कृष्ण मूर्ति, प्रभारी कुलसचिव ने सभा का स्वागत किया। डॉ. सी.रंगनाथन, सह-संयोजक, संस्कृत सप्ताह समारोह ने 9 दिनों तक समारोह के दौरान आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं का संक्षिप्त परिचय दिया।

संस्कृत सप्ताह के संबंध में निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए थे

- 🕨 श्लोकों के अनुसार चित्र लेखन (24.8.2018)
- भजन संध्या और नृत्य उत्सव (25.8.2018)
- 🕨 बाह्य छात्रों के लिए साहित्यिक और सांस्कृतिक प्रतियोगिता (26.8.2018)
- कर्मचारियों और छात्रों द्वारा श्रीमद्रामायण पाठ (27.8.2018)
- कविता गोष्ठी (28.8.2018)
- > समकालीन समाज में संस्कृत के महत्व पर संगोष्ठी (29.8.2018)
- > रस प्रश्न प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएँ (30.8.2018)
- > विद्यापीठ के छात्रों के लिए प्रतियोगिता (31.8.2018)

दिनांक 1.9.2018 को समापन समारोह आयोजित किया गया था। विद्यापीठ के साहित्य विभाग के पूर्वाचार्य, राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित, तिरुपति प्रो. के. राम सूर्यनारायण को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। प्रो. एम.एल.एन.मूर्ति, प्रो. जीएसआर कृष्णमूर्ति और प्रो. आर. प्रह्लाद जोशी उपस्थित थे।

#### (आ) कविता गोष्ठी

विद्यापीठ के कर्मचारी और छात्र कविता गोष्ठी के लिए रमारंजन मुखर्जी सभागार में इकट्ठे हुए। इस समारोह में 20 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। उन्होंने अपनी कविता से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

#### (इ) विद्यापीठ छात्रों के लिए प्रतियोगिता

संस्कृत सप्ताह समारोह के संबंध में, भाषण प्रतियोगिताएँ और गायन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। सभी स्तरों के छात्र, अर्थात्, प्राक-शास्त्री स्तर से विद्यावारिधि स्तर तक, इन प्रतियोगिताओं में बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

#### (ई) मातृभाषा दिवस- 2019

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपित ने राष्ट्र की मातृभाषाओं और संस्कृतियों को बढ़ावा देने के लिए "मातृभाषा दिवस" (मातृभाषा दिवस) का आयोजन किया। इसके संबंध में, विभिन्न भाषाओं में कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है। दिनांक 22.2.2019 को एमएचआरडी, भारत सरकार - नई दिल्ली द्वारा जारी निर्देश के अनुसार, विद्यापीठ के सिक्रिय साहित्यिक परिषदों में से एक, वाग्विधिनी परिषद को कार्यक्रम के संचालन की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। प्रो. वी. मुरलीधर शर्मा, कुलपित मुख्य अतिथि थे और डाॅ. एम. मुरलीधर राव, वाग्विधिनी परिषद कार्यक्रम के समन्वय थे।

#### (उ) स्वतंत्रता दिवस समारोह

एस.बी.रघुनाथचार्य मक्ताकाश सभांगण में 71 वां स्वतंत्रता दिवस बहुत उल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। प्रो. वी. मुरलीधर शर्मा, कुलपित ने तिरंगा फहराया और सभा को संबोधित किया। प्रो. जीएसआर.कृष्णमूर्ति, प्रभारी कुलसिव और प्रो.आर.लक्ष्मीनरिसंह शास्त्री, शैक्षिक संकाय प्रमुख ने इस खुशी के अवसर पर संस्था के सभी कर्मचारियों और छात्र छात्राओं को बधाई दी। इस अवसर पर संस्था के छात्रों द्वारा देशभित्त गीत गाए गए। विद्यापीठ के कर्मचारियों और छात्रों को मिठाई बांटी गई। राष्ट्रगान के साथ यह अवसर समाप्त हुआ।

#### (ऊ) रक्तदान शिबिर

विद्यापीठ के एनएसएस विंग के सहयोग से विद्यापीठ के शोध छात्र ने एक रक्तदान शिबिर का आयोजन किया। इस शिबिर का उद्घाटन माननीय कुलपित प्रो. वी. मुरलीधर शर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर कुलपित ने कुलीनता के बारे में बताया। रक्तदान की महानता और यह कैसे जीवन बचा सकता है। लगभग अस्सी छात्रों और विद्यापीठ बिरादरी के सदस्यों ने रक्तदान शिबिर में भाग लिया और इकसठ (61) यूनिट रक्त एकत्र किया गया।

#### (ऋ) हिंदी दिवस 2018-19

दिनांक 14-09-2018 को हिंदी दिवस मनाया गया। माननीय कुलपित प्रो.वी.मुरलीधर शर्मा, सभा के अध्यक्ष थे। उन्होंने हिंदी भाषा की महानता पर प्रकाश डाला और हिंदी भाषा के महत्व को दिन-प्रतिदिन के जीवन में समझाया। प्रो.आर.एल.एन.शास्त्री ने उनके अध्यक्षीय संबोधन में हिंदी के महत्व को रेखांकित किया और प्रो. सीएच.पी. सत्यनारायण, डीन, फैकल्टी ऑफ साहित्य और संस्कृति ने छात्रों के विकास के लिए कुछ सुझाव दिए। डॉ. टी. लतामंगेश, सहायक आचार्य, हिंदी विभाग के अध्यक्ष थे। उन्होंने सभा का स्वागत किया और धन्यवाद प्रस्ताव दिया। इस अवसर पर विभिन्न क्षमताओं जैसे हिंदी पात्रता, एक पात्राभिनय, निबंध लेखन, छात्रों के लिए हिंदी गीत प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, शिक्षकेतर कर्मचारियाँ और अध्यापक गण सभी विजेता गणमान्य व्यक्तियों को पुरस्कार वितरित किए गए।

#### (ए) गणतंत्र दिवस समारोह

विद्यापीठ में 26 जनवरी, 2019 को गणतंत्र दिवस मनाया गया। प्रो. वी. मुरलीधर शर्मा, कुलपित, ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और सभा को संबोधित किया। प्रो.राणी सदाशिव मूर्ति, डीन अकादिमक मामले, विभिन्न संकाय डीन, प्रो. जीएसआर कृष्ण मूर्ति, प्रभारी कुलसिचव, शिक्षण, शिक्षणेतर कर्मचारियाँ और विद्यापीठ के छात्रों ने समारोह में भाग लिया। विद्यापीठ के छात्रों ने इस अवसर पर विभिन्न भाषाओं में देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए। राष्ट्रीय गान और कर्मचारियों और छात्रों के बीच मिठाई के वितरण के साथ समारोह का समापन हुआ।

#### (ऐ) अम्बेडकर जयंती समारोह

भारतीय संविधान के जनक, भारतरत्न डॉ. बी. अम्बेडकर की 126 वीँ जयंती 14.04.2018 को राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ में मनाई गई। दिन के उपलक्ष्य में विद्यापीठ के रमारंजन मुखर्जी सभागार में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। प्रो. वीएसआर अंजनेयुलु, पूर्व कुलसचिव, श्रीवेंकटेश्वर चिकित्सा विज्ञान संस्था (SVIMS), तिरुपति के मुख्य अतिथि थे और प्रो.कोलाकलुरी मधु ज्योति, श्रीपद्मावती महिला विश्वविद्यालय, तिरुपति सम्माननीय अतिथि थी। यह कार्यक्रम माननीय कुलपति, प्रो.वी.मुरलीधर शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया था। डॉ. तेलुगु विभाग के सहायक आचार्य डॉ..डी.नल्लन्ना कार्यक्रम का संचालन किया।

#### (ओ) 13 वाँ अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा महोत्सव

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ ने दिनांक 4 फरवरी, 2019 से 7 फरवरी, 2019 तक 13 वें अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा महोत्सव का आयोजन किया। डॉ. मुरलीधर राव और डॉ. सोमनाथ दाश समन्वयक और डॉ. सीएच. नागराजु अतिरिक्त समन्वयक थे। भारत के कोने-कोने से 34 संस्थाएँ महोत्सव में भाग लेने आईं।

#### प्रतिभागी संस्थायाँ

- 1. कविकुलगुरू कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, रामटेक, महाराष्ट्र
- 2. राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरूपति, आंध्रप्रदेश
- 3. राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), श्री सदाशिव परिसर, पुरी, ओडिशा
- 4. कालियाचक बिक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल
- 5. श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली
- 6. कामेश्वरसिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, बिहार
- 7. राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, लखनऊ परिसर, लखनऊ, उ.प्र.
- 8. श्रीशंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, क्षेत्रीय केंद्र, पय्यानूर, कन्नूर
- 9. श्री चामराजेन्द्र संस्कृत महाविद्यालय, कर्नाटक
- 10. राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, गुरुवायूर परिसर, केरला

- 11. राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, राजीव गांधि परिसर, शृंगेरी, कर्नाटक
- 12. श्रीशंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, कालडी, केरला
- 13. श्री वरतन्तु संस्कृत महाविद्यालय, गुजरात
- 14. श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी, ओडिशा
- 15. बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तरप्रदेश
- 16. महात्मा गान्धी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महराष्ट्र
- 17. मुंबादेवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, मुंबई
- 18. श्री श्रीमाता संस्कृत वैदिक शिक्षण संस्थान, उमाचगी, कर्नाटक
- 19. सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
- 20. राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, वेदव्यास परिसर, बालहर, हिमाचल प्रदेश
- 21. राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, जयपुर परिसर, जयपुर, राजस्थान
- 22. सरकार संस्कृत महाविद्यालय, त्रिपुनिथुरा, केरला
- 23. श्री वेंकटेश्वर वैदिक विश्वविद्यालय, तिरुपति, आंध्रप्रदेश
- 24. राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, भोपाल परिसर, भोपाल, मध्यप्रदेश
- 25. ब्रह्मर्षि संस्कृत महाविद्यालय, गुजरात
- 26. श्री अहोबिल मठ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, मदुरांतकम, तमिलनाडु
- 27. रामकृष्ण मिशन विवेकानंद शैक्षिक और अनुसंधान संस्थान, पश्चिम बंगाल
- 28. एस.एम.एस.पी. संस्कृत स्नातक-स्नातकोत्तर अध्ययन केंद्र, उडुपी, कर्नाटक
- 29. राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, के.जे. सोमैया संस्कृत विद्यापीठ, मुंबई
- 30. मानविकी स्कूल, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पुदुचेरी
- 31. पूर्णप्रज्ञ विद्यापीठ संस्कृत यू.जी. और पी. जी. अध्ययन केंद्र, बैंगलोर
- 32. श्रीभगवान दास संस्कृत महाविद्यालय, उत्ताराखंड
- 33.श्री सूर्यापुर संस्कृत महाविद्यालय, सूरत
- 34. राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, श्री रणबीर परिसर, जम्मू

इस महोत्सव का उद्घाटन साहित्य अकादमी, नई दिल्ली के सचिव डॉ..के.श्रीनिवास राव ने किया और जब कि पुलिस अखाडा में सिद्ध, आंध्रप्रदेश के पूर्व डी.जी.पी. डॉ.अरविंद राव ने संस्कृत विज्ञान प्रदर्शिनी का उद्घाटन किया और दर्शकों को संबोधित किया । इस महोत्सव के उपलक्ष्य में निम्न लिखित प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया । मुख्य अतिथि ने भारत भूमि में संस्कृति को उजागर किया । संस्कृत भाषा और साहित्य विश्वसाहित्य को विकसित करने में प्रमुख भूमिका निभाती है। जहाँ संस्कृति पनपती है वहाँ भारत पनपती है। प्राचीन भारतीयों ने अपने ध्यान के दौरान सिद्धि को प्राप्त किया । इस को हम महसूस कर सकते है । अर्थात ज्ञान के स्वचालित रूप रचनात्मक और निर्णायक ध्वनियों के प्रचण्ड बुलंद सिद्धांत में सक्षम हो सकते हैं । यदि हम इसका विश्लेषण करें तो यह स्पष्ट रूप से स्थापित करता है विज्ञान की उन्नति प्राचीन भारतीयों द्वारा ही की गई थी । उन्होंनें हमारी उम्र पुराणी चीजों को साबित करने के लिए युवा लोगों से अपील की जो समाज में मानव जाति के लाभ के लिए छिपी हुई है और यह साबित करने के लिए कि वेद और पुराण हजरों साल पहले रचे गए थे ।

आंध्र प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक और बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी डॉ..के.अरविंद राव ने दर्शकों को सावधानी पूर्वक संबोधित किया था कि संस्कृत शास्त्र सूत्र संख्या में विशाल हैं, और किसी के जीवन में इसमें लिखे गए लोगों के केंद्रीय विचार को आत्मसात करने की क्षमता नहीं है। हमें अपने महाकाव्य भगवद्गीता के बारे में पूरी जानकारी होनी चाहिए जिसमें भगवान कृष्ण ने वैश्वीकरण के बारे में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया। मानव जाति की मुख्य उद्देश्य संस्कृत साहित्य पर होनी चाहिए। ज्ञान हमेशा शुद्ध होना चाहिए। अगर कोई उपनिषदों के माध्यम से देख सकता है, तो वह महसूस कर सकता है कि हमारे पूर्वजों और प्रतिष्ठित पुत्रों तथा किवयों को इतना महत्त्व दिया कि इस मिट्टी में जन्में विद्वानों ने परमाणु भौतिकी को बहुत अधिक महत्त्व दिया। उन्होंनें इच्छा व्यक्त किया कि प्रतिभागी संस्थायें अब उच्च लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रयत्न करेंगे।

सभा को संबोधित करने से पहले, डॉ. अरविंदा राव ने संस्कृत विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन किया, जिसे तिरुपति छात्र समुदाय और अन्य से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। दर्शकों की रुचि और उत्साह को बनाए रखने के लिए आयोजकों के प्रयास बेकार नहीं जाते हैं और आगंतुकों ने विद्यापीठ की संस्कृत विज्ञान गैलरी, वर्णमाला गैलरी, पुस्तकालय के लिए पांडुलिपियों, पुस्तकालय, ओडिशा कुर्सी, शिक्षा विभाग, संस्कृत बाहृती- बैंगलोर, एसवी में प्रदर्शनों की सराहना की है। वैदिक विश्वविद्यालय, एस.वी. संगीत और नृत्य कॉलेज, एस.वी. आयुर्वेदिक कॉलेज, आयुर्वेदिक पौधे, और अन्य प्रदर्शनी।

त्योहार जिसे औपचारिक रूप से राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के कुलपित, प्रो. वी। मुरलीधर शर्मा द्वारा खोला गया था। अपने अध्यक्षीय भाषण में छात्र समुदाय से संस्कृत में बहुत अधिक प्रचलित बातों को ग्रहण करने का आह्वान किया है। दूसरी बात यह है कि उन्होंने युवा ब्रिगेड को उत्साह, उत्साह और जोश के साथ घटनाओं में भाग लेने और अधिक प्रशंसा के साथ अपने गंतव्य पर लौटने के लिए राज़ी किया।

समारोह की शुरुआत शैक्षिक संकाय प्रमुख प्रो. रानी सदाशिव मूर्ति के स्वागत भाषण के साथ की गई थी, जिसमें उपस्थित गणमान्य व्यक्ति, प्रतिभागी दल और महोत्सव के निर्णायक शामिल थे।

डॉ. एस मुरलीधर राव, वाग्वर्दिनी परिषद ने महोत्सव के उद्देश्यों को सूचीबद्ध किया।

अंताक्षरी दिनांक 4 फरवरी दोपहर को आयोजित पहली प्रतियोगिता है। आयोजन में 10 संस्थानों से 51 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसके बाद सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में संस्कृत गीत प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। संस्कृत गीत प्रतियोगिता में 15 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

महोत्सव के दूसरे दिन यानी दिनांक 05.02.2019 को, साहित्य, ज्योतिष, न्याय, व्याकरण, धर्म शास्त्र और मीमांसा पर भाषण स्पर्धा का आयोजन देखा गया। साहित्य में 20 प्रतिभागी, ज्योतिषा में 16, न्याय में 13, व्याकरण में 17, धर्म शास्त्र में 15 और मीमांसा में 12 विद्यार्थी भाग लिए। सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में एकपात्राभिनय और शास्त्रीय नृत्य का आयोजन किया गया था। शास्त्रीय नृत्य में 6 प्रतिभागियों और एकपात्राभिनय में 13 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

तीसरे दिन यानी दिनांक 06.02.2019 को सांख्य और वेदांत में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। साहित्य स्पर्धा के अंतर्गत में समस्या पूर्ति और प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन किया गया। सांख्य और वेदांत अभिज्ञान में क्रमशः 16 प्रतिभागी और 17 प्रतिभागी थे। समस्या पूर्ति में 34 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रश्नोत्तरी में, प्रारंभिक परीक्षा आयोजित की गई और अंतिम प्रतियोगिता के लिए 8 टीमों को चुना गया और सर्वश्रेष्ठ टीम चुनने के लिए कई राउंड के साथ क्विज़ का आयोजन किया गया। अंतिम प्रतियोगिता वन एक्ट प्ले थी और 6 टीमों ने प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

दिनांक 7 फरवरी, 2019 को आयोजित समापन समारोह में श्री के.वी. रमणाचारी, आईएएस, सलाहकार, सांस्कृतिक कार्य और पर्यटन, तेलंगाना सरकार, मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर उन्होंने संपूर्ण संस्कृत बिरादरी के लिए सामूहिक रूप से संस्कृत के प्रचार प्रसार के लिए एक प्रभावपूर्ण संदेश दिया। उन्होंने देश में विभिन्न पुस्तकालयों और संग्रहालय में पड़ी दुर्लभ पांडुलिपियों को मुद्रित रूप में लाने की आवश्यकता पर बल दिया, जिससे विभिन्न विषयों में ज्ञान के बारे में बताया। कुलपित, प्रो. वी. मुरलीधर शर्मा ने इस अवसर पर बोलते हुए, विभिन्न आयोजनों के सभी विजेताओं को बधाई दी और छात्रों की भावना की सराहना की।

विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पदक, नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। भाग लेने वाली संस्था जो अधिक से अधिक संख्या में प्रतियोगिता जीतती है उसे विजय वैजयंती शील्ड से सम्मानित किया जाता है और यह मेजबान संस्था - राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति द्वारा जीता गया है।

13 वें अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा महोत्सव के संबंध में, विद्यापीठ के परिसर में एक पुस्तक प्रदर्शनी-बिक्री आयोजित की गई। विद्यापीठ द्वारा प्रकाशित प्रकाशनों पर 40% की विशेष छूट दी गई। इसके अलावा, एक संस्कृत - विज्ञान प्रदर्शनी और वर्णमाला गैलरी को तिरुपित के नागरिकों के लिए प्रदर्शन पर रखा गया था। संस्कृत - विज्ञान प्रदर्शिनी में प्राचीन शास्त्रों में निहित विभिन्न वैज्ञानिक तथ्यों के बारे में जानकारी थी। विभिन्न विषयों जैसे भौतिकी, भूविज्ञान, जेमोलॉजी, रसायन विज्ञान, ज्योतिष विद्या का प्रदर्शन और तिरुपित से विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के छात्रों के लिए साक्षी प्रदर्शन के बारे में जानकारी। वर्णमाला गैलरी में भारतीय उप-महाद्वीप में विभिन्न लिपियों का क्रमिक विकास हुआ और इस प्रदर्शन ने कई छात्रों की रुचि को भी आकर्षित किया।

#### (औ) विद्यापीठ के XXII दीक्षांत समारोह

विद्यापीठ का 21 वां दीक्षांत समारोह दिनांक 09 फरवरी, 2019 को आयोजित किया गया। माननीय श्री एन.गोपालस्वामी, आईएएस (सेवानिवृत्त), पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त, भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली, और माननीय कुलाधिपति, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति ने समारोह की अध्यक्षता की और संस्कृत बिरादरी के विशिष्ट विद्वानों को माननीय उपाधी प्रदान की। निम्नलिखित विद्वान हैं जिन्होंने प्रतिष्ठित माननीय उपाधियाँ प्राप्त किए।

#### महामहोपाध्याय

श्री तिगुल्ला श्रीहरि शर्मा केशव राव सदाशिव शास्त्री मूसल गावोनकर श्रीउभयवेदांत मन्नारगुड़ी राजगोपालाचार्य

#### विद्या वाचस्पति

डाँ. के.एस.कन्नन प्रोफेसर श्री प्रेमा सिद्धार्थ

सर्वप्रथम विद्यापीठ के कुलपित प्रो. वी. मुरलीधर शर्मा ने संवर्धित सभा का स्वागत किया और विद्यापीठ की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों के छात्रों को उपाधियों से सम्मानित किया गया है: -

- \* विद्यावारिधि (पीएचडी) विद्वान = 59 \* विशिष्टाचार्य (एम.फिल) विद्वान = 32
- \* आचार्य (पी. जी.) विद्वान = 240 \* शिक्षाचार्य (एमएड) विद्वान = 259
- \* स्वर्ण पदक विजेता = 21

5.NO	Q0.5.NO	NAME OF THE AWARD	GOLDMEDAL/ CASH PRIZE	NAME OF THE STUDENT	NAME OF THE CLASS
1	1	DR. R.N. ARALIKATTI ENDOWMENT CASH PRIZE-RS, 500/-	CASH	Gorthi Sri Nagalakshmi	SHIKSHA SHASTRI (B.Ed
2	2	SRI VANAMAMALAI RAMANUJA JEEYAR SWAMY GOLD MEDAI	GOLD	S.P.Tejaswi	ACHARYA
3	3	SRI SHANKAR DAYAL SHARMA GOLD MEDAL	GOLD	S.P.Tejaswi	ACHARYA ADVAITA VEDANTA
4	4	SRI SRIDHARACHARYA GOLD MEDAL	GOLD	J.Nagaprasuna	SASTRI (B.A.)
5	5	NAVAJEEVAN AWARD GOLD MEDAL	GOLD	Gorthi Sri Nagalakshmi	SHIKSHA-SHASTRI (B.E.
6	6	SRI ACHARYA VINOBHA BHAVE SARVAMANGALA GOLD MEDAL	GOLD	Deshpanda Shravani	PRAK-SASTRI (INTERMEDIATE)
7	7	SMT. MAHALAKSHMI BEST & DYNAMIC STUDENT THE YEAR GOLD MEDAL	GOLD	P.S.Angad	ACHARYA FIRST YEAR -2018-19 SIDDANTA JYOTISHA
8	8	SMT. SB VIJAYALAKSHMI & SRI SB RAGHUNATHACHARYA ACHARYA GOLD MEDAL	GOLD	S.P.Tejaswi	ACHARYA ADVAITA VEDANTA
9	9	SMT. SB VENKATALAKSHMI & SRI SBL NARASIMHACHARYA GOLD MEDAL	GOLD	Musthi Swathi Kalyani	ACHARYA - SAHITYA
10	10	SMT. KAMALAMMA & SRI ACHYUTA DEVARAJA BHATTAR GOLD MEDAL	GOLD	Musthi Swathi Kalyani	ACHARYA - SAHITYA
11	11	VARAHAMIHIRA PRASHASTHI GOLD MEDAL	GOLD	Ambarukhana Sreenivasa Sarma	ACHARYA PHALITHA JYOTISHA
12	12	SMT. SESHARATNAM & PROF. K. DAKSHINAMURTHY GOLD MEDAL	GOLD	S.P.Tejaswi	ACHARYA - ADVAITA VEDANTA
13	13	DR. M. ANANTHASAYANAM IYENGAR CASH PRIZE OF RS. 5000-00	CASH	Deshpanda Shravani	PRAK-SASTRI (INTERMEDIATE OVERALL)
14	14	DR. M. ANANTHASAYANAM IYENGAR CASH PRIZE OF RS. 5000-00	CASH	J.Nagaprasuna	SASTRI (B.A.)OVERALL)
15	15	PROF. U. SHANKAR BHAT GOLD MEDAL	GOLD	Musthi Swathi Kalyani	ACHARYA - SAHITYA
16	17	Bhagavan Sree Swaminarayaya Gold Medal	GOLD	Satyabrata Sahu	Acharya – V.Vedant
17	19	UTTAMA YOGA SADHAKA GOLD MEDAL	GOLD	Konka.Kumara Swamy	PG DIP.YOGA VIJNANA
18	20	Sri SBT Ramanujacharyulu Gold Medal	GOLD	K.S.R.Chakravarthi	Acharya Nyaya
19	21	Mahamahopadhyaya Maddulapalli Manikya Sastri Gold Medal	GOLD	K.S.R.Chakravarthi	Acharya Nyaya
20	22	MAHAMAHOPADHYAYA MADDULAPALLI MANIKYA SASTRI	GOLD	S.P.Tejaswi	ACHARYA ADVAITA VEDANTA
21	23	PROF.T.S.GANGADHARAN MEMORIAL CASH PRIZE OF RS. 5000-00	CASH	Jadhav Nivriti Khandu	SASTRI - VYAKARANA
					PTO

			(2)		
22	25	VEMPARALA SATYANARAYANA MURTHY & SUBBALAKSHMI FURE GOLD MEDAL	PURE GOLD MEDAL	Aditya Narayan Mahapatra	SASTRI -
53	26	BALATRIPURA SUNDARI	PURE GOLD MEDAL	Niranjan Purohit	VEDABHASHYAM ACHARYA
ž4	31	ACHARYA RAMANUJA DEVANATHAN MEMORIAL GOLD MEDAL	GOLD MEDAL	Sruthy K.B	TOPPER IN SHIRSHA ACHARYA
25	32	NEFLAMRAJU VENKATA NARASIMHARAO B. NEELAMRAJU BHANUMATHI PURE GOLD MEDAL	PURE GOLD MEDAL	S.P.Tejaswi	ACHARYA ADVAITA VEDANTA
26	33	BRAHMASRI GODA SUBRAMANIAN SASTRI MEMORIAL CASH PRIZE OF RS. 5000-00	CASH PRIZE	S.P.Tejaswi	ADVALTA SIDDI EN ACHARYA ADVALTA VEDANTA
2.7	14	ACHARYA CHANDRA SEKHAR PANDEY MEMORIAL CASH PRIZE of Rs. 11000-00	CASH PRIZE	Sruthy K.B	TOPPER IN SHIKSHA ACHARYA
28	35	Late DR. MALLADI. D. BALASUBRAHMANYAM DYNAMIC STUDENT THE IN SASTRI LEVEL ENDOWMENT GOLD MEDAL	GOLD MEDAL	S.Priyamvada	SASTRI Second Year 2017-18

### LIST OF VIDYAPEETHA GOLD MEDAL - 22ND CONVOCATION 09-92-2018 ACADEMIC YEAR

I.NO.	00.5NO	CLASS/SUBJECCT	NAME OF THE STUDENT
1	1	Sastri (over all course irrespective of sastra)	J.Nagaprasuna
2	2	Acharya - Sahitya	Mushti Swathi Kalyani
1	3	Acharya - Vyakarana	Nilesh Gupta
4	4	Acharya - Phalita Jyotisha	Ambarukhana Sreenivasa Sarma
5	- 6	Acharya - Nyaya	K.S.R.Chakravarthi
6	7	Acharya - Advalta Vedanta	
7	8	Acharya - Visistadvaita Vedanta	S.P.Tejaswi
8 9	12	Acharya - Dharmasastra	Satyabrata Sahu
5	13	Acharya - Puranetihasa	Amaresh Rath
10	14	Acharya - Puranetihasa	Deepak Kumar Das,
11	15	Acharya - Sankhya Yoga	Madhusmita Sahoo
12	16	Achania - Vodeti	AjitKumar Satapathi
13	17	Acharya - Vedabhasyam	Niranjan Purohit
1.4	18	M.A. Sanskrit - Sabdabodha	Pravat Sarkar
15	19	Shiksha Sastri (B.Ed.)	Gorthi Sri Nagalakshmi
	17	Shiksha Acharya (M.Ed.)	Sruthy K.B
16	20	Acharya - Topper(All Sastras) Kuladhipathi Swarna Padak	S.P.Tejaswi

NAME OF THE ITEAM	ITEM SERIALS NUMBERS	Number of Medals/Cash Prizes	
PURE GOLD MEDAL	22,23,25	03	
ENDOWMENTGOLDMEDALS	2,3,4,5,6,7,8,9,10,11,12,15,16,17,18,19,20,24,28		
CASH PRIZES	1,13,14,21,26,27	19	
VIDYAPEETHA GOLD		6	
MEDALS	1 TO 15	15	
KULADHIPATHI SWARNA PADAK	16	1	

# Class-wise details of Number of degrees to be awarded to the students in the 22nd Convocation.

#### The details are as follows:

	No. 0	Total		
S.No. Course/Class	Regular	Distance Mode	a Children	
. Ph.D. Vidyavaridhi	59		59	
2. M.Phil. Sanskrit	29	-	25	
3. M.Phil Education	3		- 2	
4. Acharya (Semester) M.A.	151	60	21	
5. M.A.Sabdabod ha	01		0	
5. M.Sc.	11		1	
6. M.A in Hindi	06	1	00	
7. MAIM T	02		0	
6. Sastri (B.A.)	117	11	12	
7. B.Sc.	10		10	
8. B.A.	20	-	20	
8. Sastri Vedabashyam	02	-	02	
9. Siksha Sastri	99		9	
10. Siksha Acharya	09	-	0	
		TOTAL	590	

#### (अं) वार्षिक दिवस समारोह

वार्षिक दिवस समारोह आयोजित किए गए थे। कुलपित प्रो. वी. मुरलीधर शर्मा, माननीय मुख्य अतिथि महामहोपाध्याय ब्रह्माश्री शलाका रघुनाथ शर्मा, प्रो.आर.एल.नरिसंह शास्त्री, शैक्षिक संकाय प्रमुख, वाग्वर्धिनी परिषद के संयोजक डॉ.एस.मुरलीधर राव, डॉ.सोमनाथ दाश और सह-संयोजक डॉ. सीएच.नागराजु समारोह में उपस्थित थे।

#### (अः) छात्रावास दिवस समारोह

विद्यापीठ का छात्रावास दिवस आयोजित किया गया था। प्रो. वी. मुरलीधर शर्मा कुलपित ने समारोह की अध्यक्षता की। प्रो. सीएच.पी. सत्यनारायण, प्रभारी कुलसचिव और छात्रावास के वार्डन, और डिप्टी वार्डेन भी इस अवसर पर उपस्थित थे। प्रो. वी. मुरलीधर शर्मा ने अपने भाषण में कहा कि विद्यापीठ विभिन्न गतिविधियों को अपना रहा है। फिर छात्र छात्राओं के लिए आयोजित सांस्कृतिक और खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। इसके बाद विद्यापीठ के सभी कर्मचारियों और छात्रों के लिए बनाया रात के भोजन किया गया। छात्र छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बढ चढकर भाग लिया और अपनी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

#### V. परियोजनाएँ

#### (अ) पारंपरिक शास्त्रों के विषय के संबंध में उत्कृष्टता केंद्र परिचय:

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, गुणात्मक अंतर वाली एक संस्था है, जो राष्ट्रीय परिदृश्य में महान और महान व्यक्तित्वों की स्थायी दृष्टि से अपने जीविका को जीवित रखने और शानदार परंपरा के विकास के चारों ओर मदद करने के लिए आकर्षित करती है जो इस सर्वोत्तम मूल्यों को रेखांकित करती है। देश। यह स्पष्ट और स्पष्ट रूप से रेखांकित करता है कि संस्कृत हमारे बहुत ही राष्ट्रीयता, सांस्कृतिक समरूपता और हमारे अग्रदूतों के उदात्तता के मूल को अनलॉक करने की कुंजी है।

विद्यापीठ की स्थापना भारत सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा 1961 में भगवान वेंकटेश्वर के निवास स्थान तिरुपति (एपी) में की गई थी। वर्ष 1987 में, विद्यापीठ को सरकार द्वारा डीम्ड विश्वविद्यालय घोषित किया गया था। भारत के संस्कृत शिक्षा और अनुसंधान के कारण के लिए अपनी सेवा पर विचार। इसके कारणों को आगे बढ़ाते हुए, विद्यापीठ ने निम्नलिखित प्रमुख गतिविधियाँ शुरू की हैं।

- 1. शास्त्रों, संस्कृत भाषा और साहित्य का शिक्षण
- 2. अनुसंधान और प्रकाशन
- 3. नवाचारी परियोजनाएँ
- 4. पांडुलिपियों का संग्रह और संरक्षण
- 5. विस्तार कार्यकलापों

#### उत्कृष्टता केंद्र के संबंध में

वर्ष 2002 में, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने विद्यापीठ को पारंपरिक शास्त्रों में शिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में विद्यापीठ द्वारा अर्जित उत्कृष्ट उपलब्धियों, शक्ति और प्रशंसा को मान्यता देने वाले पारंपरिक शास्त्रों के विषय में उत्कृष्टता केंद्र के रूप में मान्यता दी है। राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ में पारंपरिक शास्त्रों के विषय में केंद्र की उत्कृष्टता के तहत कई

परियोजनाओं को लेने के लिए 3 करोड़ रुपये का अनुदान स्वीकृत किया गया और जारी किया गया। उत्कृष्ट कार्यक्रम केंद्र के तहत किए गए विभिन्न परियोजनाएँ सफलतापूर्वक किए गए कार्यान्वित और संबंधित परियोजना निदेशकों द्वारा पूरा किया गया। कुल मिलाकर, इस योजना के तहत 13 कार्यक्रम लागू किए गए। ये प्रस्तावनाओं का उद्देश्य तेजी से लुप्त होती, पारंपरिक संस्कृत शिक्षा, संस्कृत शिक्षण / सीखने की प्रक्रिया में आधुनिक तकनीक का उपयोग, पांडुलिपि अध्ययन के लिए उपकरण बनाना आदि थे।

#### (आ) ओडिशा अध्यक्ष

उड़ीसा सरकार ने विद्यापीठ में उड़ीसा अध्यक्ष की स्थापना 50 लाख रुपये के बीज अनुदान के साथ गहन शोध करने, भगवान जगन्नाथ पर प्रकाशन करने और श्री चैतन्य महाप्रभु और किव श्री जयदेव द्वारा सांस्कृतिक विरासत में किए गए योगदान को उजागर करने के लिए की है। हमारे देश का। 14 अक्टूबर 2000 को न्यायमूर्ति श्री रंगनाथ मिश्र, सर्वोच्च न्यायालय भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश और केंद्रीय संस्कृत बोर्ड, भारत सरकार के अध्यक्ष द्वारा औपचारिक रूप से चेयर का उद्घाटन किया गया।

इसलिए मुख्य उद्देश्य और गतिविधियों के संरक्षण और प्रसार के लिए ओडिशा चेयर में कई शोध गतिविधियां चल रही हैं, जिसके लिए इसे स्थापित किया गया था।

- 1. 1 अप्रैल 2018 को ओडिशा चेयर द्वारा उत्कल दिवस मनाया गया
- 2. श्री जगन्नाथ महाप्रभु के कार उत्सव का अवलोकन चेयर द्वारा किया गया और डीन अकादिमक मामलों के प्रोफेसर आर.एल.एन. शास्त्री ने इस महोत्सव का उद्घाटन किया।
- 3. प्रकाशन के लिए श्री चैतन्य दर्शन (सेमिनार प्रोसीडिंग्स) की एक विशेष मात्रा तैयार की जा रही है।
- 4. श्री चैतन्य (चैतन्य चित्रकथा) का सचित्र जीवन प्रकाशित है

#### (इ) साँप (विशेष सहायक कार्यक्रम)

#### (i) साहित्य विभाग:

UGC ने 5 साल 1.4.2013 से 31.3.2018 की अवधि के लिए DRS-I से DRS-II में SAP (साहित्य) के उन्नयन को मंजूरी दे दी है। DRS-II में SAP का महत्वपूर्ण क्षेत्र "भरत के समय से संस्कृत कविताओं में तकनीकी शब्दों का विश्वकोश" है। 31.00 लाख और दो प्रोजेक्ट फेलो की राशि मंजूर की गई है। प्रो. सी। लिलता रानी समन्वयक हैं और डॉ. के। राजगोपालन अतिरिक्त समन्वयक हैं।

#### (ii) शिक्षा विभाग:

2009 से यूजीसी विशेष सहायता कार्यक्रम (डीआरएस I) - यूजीसी ने अपने विशेष सहायता कार्यक्रम (एसएपी) के तहत विद्यापीठ के शिक्षा विभाग को दो करोड़ 50 लाख रुपये और दो प्रोजेक्ट फेलो की मंजूरी दी है। शिक्षा विभाग को अपने कार्य, शैक्षणिक उपलब्धि और आगे के विकास के लिए व्यवहार्य क्षमता के आधार पर एसएपी की मंजूरी के लिए चुना गया था। इस यूजीसी योजना का सार और प्राथमिक उद्देश्य उत्कृष्टता की खोज में समूह अनुसंधान प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए शिक्षण और अनुसंधान का एक संयोजन है। शिक्षा विभाग के लिए विशेष सहायता पांच साल की अविध के लिए है।

इस कार्यक्रम के तहत पहचाने जाने वाले शिक्षा का महत्वपूर्ण क्षेत्र "भाषा विकास और सामग्री उत्पादन" है। प्रो. एम। मुरलीधर शर्मा समन्वयक हैं और प्रो. प्रह्लाद आर। जोशी अतिरिक्त समन्वयक हैं। यूजीसी विशेष सहायता कार्यक्रम (डीआरएस II) इस यूजीसी योजना का प्राथमिक उद्देश्य उत्कृष्टता की खोज में समूह अनुसंधान प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए शिक्षण और अनुसंधान का एक संयोजन है। विभागीय शिक्षा के लिए विशेष सहायता पांच वर्षों की अविध के लिए है। इस कार्यक्रम के तहत पहचाने जाने वाले शिक्षा का महत्वपूर्ण क्षेत्र "शिक्षा का दर्शन" है।

#### (iii) दर्शन विभाग:

प्रतिष्ठित विशेष सहायता कार्यक्रम को 5 वर्ष के लिए यूजीसी द्वारा RSVidyapeetha के दर्शन विभाग को मंजूरी दी गई है। परियोजना का शीर्षक गंगा उपाध्याय द्वारा तत्त्वचिंतामणि पर टिप्पणियों और उप-टिप्पणियों का एक महत्वपूर्ण सर्वेक्षण है। प्रो. ओ।

श्री रामलाल शर्मा समन्वयक हैं और प्रो. पीटीजीवाई संपत कुमाराचार्युलु अतिरिक्त सह-समन्वयक हैं। काम संतोषजनक है।

#### (ई) कैरियर काउंसलिंग सेल

यूजीसी के दिशानिर्देशों के अनुसार, कैरियर काउंसलिंग सेल हमारे राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति में शैक्षणिक गतिविधियों के साथ कार्य कर रहा है। यह प्रतियोगी परीक्षाओं की कठोरता को चुनौती देने के लिए स्पोकन संस्कृत, सॉफ्ट स्किल और कम्युनिकेशन क्षमता के विकास में छात्रों का समर्थन करता रहा है। विभिन्न विषयों के साथ इच्छुक शिक्षकों की एक टीम ने छात्रों को इन कौशल को विकसित करने के लिए प्रशिक्षित किया। प्रो. सत्यनारायण आचार्य, सह-समन्वयक, कैरियर काउंसलिंग सेल ने भारत में वर्तमान संस्कृत शिक्षा प्रणाली के बारे में छात्रों को निर्देशित किया।

#### उ. श्री रामानुजाचार्य परियोजना

श्री रामानुजाचार्य के कार्यों को ख्याति प्राप्त करवाने के लिए, विशिष्टाद्वैतविभाग, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ ने एक महत्त्वपूर्ण परियोजना की स्थापना की। श्री रामानुज के अप्रकाशित ग्रंथों की मुद्रण, डिजिटलैज और खरीदी की प्राथमिकता के आधार पर कार्य कर रहा है। प्रो.के.ई.देवनाथन संयोजक हैं। विद्यापीठ परियोजना के तहत मुद्रण और डिजटलीकरण के लिए उनकी प्रतिलिपि प्राप्त करने का प्रयास कर रहा है। परियोजना मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के संस्कृति विभाग द्वारा वित्तपोषित है।

## ऊ. पंडित मदन मोहन मालवीय शिक्षकों और शिक्षण पर राष्ट्रीय मिशन (पी एम एम एन एन एम टी टी)

यह परियोजना मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित है। परियोजना का उद्देश्य शिक्षकों एवं शिक्षण से संबंधित कमियों को दूर करना है।

शिक्षकों की कमी को पूरा करने के लिए, संस्थागत तंत्र बनाने और मजबूत करने के लिए, शिक्षण की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए शिक्षकों को सशक्त बनाने के लिए, प्रशिक्षण, पुनः प्रशिक्षण, पुनश्चर्या और अभिविन्यास कार्यक्रमों द्वारा प्रशिक्षित किया जाता है। शिक्षकों का पर्याप्त आधार बनाने, संकाय शैक्षिक नेतृत्व पदों के लिए अच्छे पाठ्यक्रम निर्माण के लिए, मूल्यांकन और शिक्षण और शिक्षण सामग्री के निर्माण भी इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य है। प्रो.प्रह्लाद आर.जोशी, शिक्षा संकाय प्रमुख इस परियोजना के संयोजक हैं।

#### VI. आधारिक संरचना

#### (अ) ग्रंथालय -

विद्यापीठ ग्रंथालय का नाम पहले कुलाधिपित महामहोपाध्याय श्री पट्टाभिराम शास्त्री के नाम पर रखा गया है। इसमें दिनांक 31.03.2017 को लगभग १,११,११३ पुस्तकों का एक अनमोल संग्रह है और ४००० से अधिक ५० शीर्षकों वाली पांडुलिपियों के साथ विभिन्न भाषाओं जैसे संस्कृत, तेलुगु, तिमल, और विभिन्न लिपियाँ जैसे देवनागरी, ग्रन्थ, तेलुगु, कन्नड़, तिगालारी आदि में हैं। पुस्तकालय में निम्नलिखित अनुभाग हैं। टेक्स्ट बुक्स, सर्कुलेशन, रखरखाव, तकनीकी, आविधक, पांडुलिपियाँ, संदर्भ, अधिग्रहण, प्रशासन, इनिप्लब-नेट और रिप्रोग्राफिक सेवा। हर साल लगभग 160 पत्रिकाओं और पत्रिकाओं में, 4 विदेशी पत्रिकाओं की सदस्यता ली जा रही है। बैक वॉल्यूम के कई शीर्षक संरक्षित किए गए हैं।

पुस्तकालय इनिष्लब-नेट का सदस्य बन गया है जिसके द्वारा यह नेट-वर्किंग के माध्यम से संस्कृत के अध्ययन और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्कृत विद्वानों के बारे में जानकारी और संदर्भ डेटा प्रदान करेगा। भविष्य में, कोई भी लाइब्रेरी तक पहुंच सकता है और इनिष्लब-नेट केंद्र के माध्यम से आवश्यक जानकारी एकत्र कर सकता है। पुस्तक संग्रह विषय-वार:

अ.क्र.	विषय	पु. की संख्या	अ.क्र.	विषय	पुस्तकों की संख्या
1	वैदिक साहित्य	3535	14	हिंदी साहित्य	2958
2	साहित्य	12566	15	अंग्रेजी साहित्य	2678
3	व्याकरण	5666	16	तेलुगु साहित्य	3565
4	महाकाव्य	1995	17	गणित	1823
5	वेदांत	9690	18	धर्मशास्त्र	3156
6	इंडोलॉजी	1697	19	गीता और उपनिषद	2292
7	इतिहास	3770	20	विज्ञान	1512
8	आयुर्वेद	816	21	डिस्क्रिप्टिव कैटलॉग	1140

9	ज्योतिषा	3206	22	पीछे के खंड	5828
10	पुराण	8448	23	संदर्भ पुस्तकें	6539
11	शिक्षा	7078	24	कला और वास्तुकला	2242
12	मनोविज्ञान	1818	25	अन्य पुस्तकें	14150
13	संगणकीय विज्ञान	2442			

#### (आ) छात्रावास

#### ट्रांजिट हॉस्टल (विद्यापीठ का अतिथि गृह)

हमारी विद्यापीठ उत्कृष्टता की एक संस्था है, जो दूर-दूर से विद्वानों को विभिन्न शैक्षणिक प्रशासनिक असाइनमेंट पर विद्यापीठ के लिए जाती है। आराम और सुविधा के लिए यह ट्रांजिट हॉस्टल कॉन्सेप्ट हमारी विद्यापीठ द्वारा चलाया गया है। यह आगंतुक गणमान्य व्यक्तियों के उद्देश्य की सेवा कर रहा है।

#### पुरुष छात्रावास

विद्यापीठ पुरुष छात्रों के लिए चार छात्रावासों का रख-रखाव कर रहा है, जैसे शेषाचल, वेदाचल, गरुडाचल और नीलाचल। इन छात्रावासों में, देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले छात्रों के लाभ के लिए विशेष रूप से उत्तर भारतीय और दक्षिण भारतीय व्यंजनों को तैयार करने और परोसने से जुड़ी रसोई के साथ दो अलग-अलग मेस बनाए जा रहे हैं।

#### महिला छात्रावास

विद्यापीठ में महिला छात्रों के लिए तीन अलग-अलग छात्रावास हैं, जिनका नाम पद्माचल, विद्याचल और वकुलाचल है। इन छात्रावासों में प्राक-शास्त्री से लेकर विद्यावरिधि तक सभी महिला छात्रों को रखा जा रहा है। महिला छात्रावासों में रसोई के साथ खिलवाड़ भी बना रहता है।

#### (इ) मनोविज्ञान प्रयोगशाला

शिक्षा विभाग के छात्रों को वैज्ञानिक तरीके से प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए शिक्षा विभाग में स्थापित मनोविज्ञान प्रयोगशाला, यह शिक्षाशास्त्री एवं शिक्षा आचार्य के लिए एक उपयोगी उद्देश्य से सेवा कर रहा है। छात्रों को उनकी मानसिक और संज्ञानात्मक क्षमताओं के निर्माण में।

#### (ई) भाषा प्रयोगशाला

भाषा प्रयोगशाला में संस्कृत और अंग्रेजी भाषा के प्रशिक्षण की सुविधा है। संस्कृत सॉफ्टवेयर 'भाशिका' को पहले ही स्थापित किया जा चुका है। सेंटर फॉर एक्सिलेंसप्रोग्राम के तहत की गई सुविधा हैस्बे को अपग्रेड करने की प्रक्रिया। प्रयोगशाला का उपयोग भाषा सीखने, विषय सीखने, शिक्षाशास्त्र और विभिन्न अन्य उद्देश्यों जैसे कि प्रोग्राम्ड इंस्ट्रक्शन के विकास, संगणकीकृत निर्देश और कंप्यूटर एडेड लर्निंग के लिए किया जा सकता है।

#### (उ) वर्णमाला गैलरी

वर्णमाला गैलरी (लिपि विकास प्रदर्शिनी) 2003 में केंद्र की पूर्व परियोजना के तहत स्थापित की गई है। 2003 में शुरू की गई गैलरी का उद्देश्य भारत में प्रारंभिक काल (3000 ईसा पूर्व) से लेकर क्षेत्रीय लिपियों (9 वीं शताब्दी ईस्वी) तक विकास, उत्पत्ति, विकास और विकास को दर्शाना है। सिंधु घाटी सभ्यता (3000 ईसा पूर्व) की लिपि के साथ। 1500 ईसा पूर्व) अपने लेखन और भाषा को समझने के लिए डॉ. एसआर राव, उभरते वैज्ञानिक और पुरातत्वविद् के रूप में जटिलता को समझने के लिए गैलरी। चूँकि सिंधु लिपि का संबंध सेसेमिक लिपि, अवेस्तां और वैदिक-संस्कृत भाषाओं (ध्वन्यात्मक, शब्दार्थ और व्याकरण) में था, क्योंकि यह द्रविड़ भाषाओं से अधिक था (जैसा कि विद्वानों द्वारा पूर्व में माना गया था), संस्कृत के संदर्भ में ऋग्वेद के साथ इसकी टीका। अवधारणाओं और विचारों को यहाँ चित्रित किया गया है।

सिंधु लेखन के ऐतिहासिक संदर्भ को वस्तुओं को प्रदर्शित करने का प्रयास किया गया है, विशेष रूप से सील्स जिस पर स्क्रिप्ट उत्कीर्ण की गई थी। 1950-1980 में पुरातात्विक खुदाई के दौरान ये मुहरें पश्चिमी भारत के लोथल जैसे सिंधु घाटी स्थलों में पाई गई हैं। इस गैलरी में मोहनजोदड़ो (पाकिस्तान) और कालीबंगन (भारत) जैसे प्राचीन निकटवर्ती पूर्वी स्थलों जैसे किश और ब्राक, डॉ (सुमेर-मिराक), हिसार और बहरीन जैसे अन्य सिंधु घाटी स्थलों से मुहरों के मॉडल शामिल हैं। सिंधु घाटी की मुहरें, सीलन, मूर्तियां, कांस्य के मॉडल लोगों के जीवन में एक अंतर्दृष्टि देते हैं और संस्कृत भाषा, वैदिक अवधारणाओं और परंपराओं का इतिहास लेते हैं जो हम जानते हैं कि बहुत पहले की तारीख में हैं।

#### (ऊ) प्रसारित अंतर्जाल सुविधा

विद्यापीठ अपने कर्मचारियों और छात्रों के लिए निम्नलिखित सुविधाएं प्रदान करता है। नेट-नेट: विद्यापीठ में इस सुविधा में डिश केनेट की 256 केबीपीएस और डिसनेट की 256 KBPS की बैंड चौड़ाई है। इंट्रा-नेट: इंट्रा-नेट लोकल एरिया नेटवर्क के लिए भी दिया गया है।

#### (ऋ) संगणकीय विज्ञान विभाग का - संगणक केंद्र

संगणकीय विज्ञान विभाग विश्वविद्यालय प्रशासन और छात्रों की कंप्यूटिंग आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है। विभाग अब निम्नलिखित पाठ्यक्रम चला रहा है:

- \* प्राक-शास्त्री के दो अनिवार्य पत्र
- \* शास्त्री में कंप्यूटर एप्लीकेशन के आठ पत्र
- \* बीएससी में कंप्यूटर साइंस के आठ पत्र
- \* एसएससी. में बारह पत्र (कंप्यूटर विज्ञान और संस्कृत भाषा प्रौद्योगिकी)
- \* संस्कृत एमए में चार पत्र (शाब्दबोध और संस्कृत भाषा प्रौद्योगिकी)

विभाग शाम को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा अनुमोदित निम्नलिखित कैरियर उन्मुख पाठ्यक्रमों को भी संभाल रहा है।

उपरोक्त कार्यों के अलावा, विभाग विश्वविद्यालय की वेबसाइट, हार्डवेयर / सॉफ्टवेयर समस्या निवारण और कैंपस नेटवर्क के रखरखाव का भी ध्यान रख रहा है। इस वर्ष के दौरान, विभाग हमारी वेबसाइट के हिंदी संस्करण को विकसित करने का काम भी कर रहा है। कंप्यूटर विज्ञान विभाग के कर्मचारी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों, संगोष्ठी संगोष्ठियों की कार्यशालाओं में शोध को प्रस्तुत करने और प्रस्तुत करने में सक्रिय रूप से लगे हुए थे।

#### (ए) कर्मचारी मकान -

विद्यापीठ के 22 कर्मचारियों को शामिल करते हुए विद्यापीठ में दो टाइप- V क्वार्टर, एक टाइप- IV क्वार्टर, एक टाइप- III क्वार्टर, एक टाइप- II क्वार्टर और दो टाइप- I क्वार्टर हैं। विद्यापीठ का परिसर मे वरिष्ठाचार्य को घर देने के लिए चार अपार्टमेंट्स से युक्त एनी टाइप IV क्वार्टर पूरे किए गए।

#### I. मल्टी जिम

छात्रों के लाभ के लिए विद्यापीठ में एक बहु-जिम स्थापित किया गया था ताकि अच्छा काम किया जा सके। मल्टी-जिम में 16 काम स्टेशन हैं, अर्थात् -

हिप्फ़लेक्सॉर: यह स्टेशन हिप की मांसपेशियों को विकसित करने में मदद करता है, और थाइयूएसकल फाइबर को फिर से शिक्षित करने में भी मदद करता है। हाई लेट पुली: यह हैमिस्ट्रिंग, जांघ, बछड़े की मांसपेशियों को विकसित करने में मदद करता है। चरखी को कंधे, लैट, ट्राइसेप्स और हथियारों के बाइसेप्स में सुधार के लिए पेश किया जा सकता है। भार का उपयोग व्यक्तिगत क्षमता की आवश्यकता के अनुसार किया जा सकता है। उदर पीठ: इसका उपयोग थेली को कम करने और पेट की मांसपेशियों को मजबूत करने और मजबूत करने के लिए किया जा सकता है। आवश्यकता और कलाकार की क्षमता के अनुसार ऊँचाई को समायोजित किया जा सकता है। रोइंग मशीन: इस स्टेशन पर काम करना एक बहुत अच्छा व्यायाम है, जिसमें कोई एक व्यक्ति के पूरे शरीर को एक साथ एरोक्सिक्स के रूप में बढ़ते-से-ऑक्सीजन ले सकता है। हाइपर-एक्स-टेंशन: यह मशीन शरीर के पीछे और मध्य-खंड को मजबूत करने में मदद करती है। ट्विस्टर: इस स्टेशन पर एक्सरसाइज करने से कमर की प्यास कम हो जाती है, जिससे पेल्विक गर्डल लिगामेंट्स मजबूत होते हैं।

आर्म प्रीचर कर्ल: इस स्टेशन पर व्यायाम करने से ट्राइसेप्स, बाइसेप्स एल्बो जॉइंट, कलाई के जॉइंट और फॉरएस्ट आर्म में मसल्स लिगमेंट विकसित करने में मदद मिलती है। पेक डेक: यह शक्तिशाली पेक्टोरल मांसपेशियों, डेल्टोइड्स, और अन्य जुड़े हुए मांसपेशियों का एक डेवलपर है। लेग कर्ल: इस उपकरण से निचले अंगों, पेट की मांसपेशियों और गूल्ट की मांसपेशियों का विकास होता है। डिपिंग: इस उपकरण का उपयोग पेक्टोरोलिस मांसपेशियों, डेल्टॉइड मांसपेशियों, रेक्टस फिमोरिस मांसपेशियों को विकसित करने के लिए किया जाता है। यह व्यायाम के आवश्यक स्तर के साथ मांसपेशियों की टोन भी विकसित करता है। लेग प्रेस: यह आरामदायक रुख में पूरे पैरों के लिए कसरत देता है। यह हैमस्ट्रिंग समूह, घुटने की मांसपेशी और सरटीनल मेजर विकसित करता है जो सबसे लंबी और दो जॉइंग मांसपेशी है। स्क्वाट प्रेस: यह पीठ के निचले हिस्से की मांसपेशियों रेक्टस फिमोसिस पैर और टखने की मांसपेशियों को टोन करने में मदद करता है। पुल अप्स: इसका उपयोग कंधे, ट्राइसेप्स, हथियारों के बाइसेप्स और स्टोक क्रंच को बेहतर बनाने के लिए

किया जा सकता है। उपदेशक: यह विशेष रूप से मछलियां विकसित करने के लिए बनाया गया है। बेंच प्रेस: यह पेक्ट्रोलिस मांसपेशियों, डेल्टोइड मांसपेशियों को मजबूत और विकसित करने के लिए है। यह मांसपेशियों को फिर से शिक्षित करने में भी मदद करता है। छात्र और कर्मचारी मल्टी-जिम का उपयोग कर रहे हैं। जे। जियो वाई-फाई: विद्यापीठ को वाई-फाई कनेक्टिविटी के तहत लाया गया है।